रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

* *

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 13 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 2, अंक : 156 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एनडीए की दो सबसे बड़ी पार्टी की नीतियों में राहें जुदा-जुदा

आजसू ने 1985 छोड़ दिया या भाजपा ने 1932 स्वीकार कर लिया!

दिल्ली में आजसू कार्यकर्ता (फाईल फोटो).

2013 में दिल्ली के लिए कार्यकर्ताओं को रवाना करते सुदेश महतो (फाईल फोटो).

ब्यूरो प्रमुख। रांची

विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, एनडीए के दो महत्वपूर्ण घटक भाजपा और आजसू के बीच मुद्दों को लेकर गंभीर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है. भाजपा इस बात को नहीं भूल पायी है कि वर्ष 2014 का चुनाव गठबंधन के तहत लड़ा गया था. भाजपा-आजसू की सरकार बनी थी. लेकिन पांच सालों तक आजसू विपक्ष की भूमिका में चली गयी थी. सरकार बनने के कुछ दिन बाद ही आजसू 1985 के मुद्दों पर आ गयी थी. "जन की बात" नाम से पूरे राज्य में अभियान चलाया था, जिसमें आजसू प्रमुख सुदेश महतो शामिल होते थे और उनका लहजा आक्रामक हुआ करता था. 10 लाख पोस्टकार्ड तब के मुख्यमंत्री रघुवर दास को भेजा गया था. 10 साल बाद यह सवाल उठ रहा है कि क्या आजसू ने 1985 के मुद्दे को छोड़ दिया है. सवाल उठने लगा है कि आजसू इस चुनाव में 1985 की नीतियों को छोड़ कर आगे बढ़ेगी या भाजपा ने उसे स्वीकार कर लिया है.

रघुवर सरकार के समय आजसू ने चलाया था "जन की बात" कार्यक्रम

जातीय जनगणना : इस मुद्दे पर भाजपा और आजसू की राहें जुदा-जुदा रहे हैं. आजसू प्रमुख जातीय जनगणना को लेकर न सिर्फ सहमत रहे हैं, बल्कि पार्टी के अधिवेशन में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठा चुके हैं. यही हाल भोजपुरी, मगही, अंगिका जैसी क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर है. आजसू इन भाषाओं को क्षेत्रीय भाषा से हटाने की मांग करती रही है. ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या भाजपा की कोई बातचीत इन दोनों मुद्दों पर हुई है या फिर चुनाव के बाद 2014 वाली स्थिति ही देखने को मिलेगी.

1932 का खतियान व कुरमी मुद्दा : झारखंड के कुरमी शिडयूल ट्राईब (एसटी) में शामिल करने की मांग करते रहे हैं. आजसू भी यही मांग करती रही है. क्या भाजपा ने इस पर अपनी सहमति जता दी है. बात 1932 के खतियान वाले मुद्दे की करें, तो 30 अप्रैल 2023 को हरमू मैदान में आयोजित सभा में सुदेश महतो ने कहा था- हेमंत सोरेन की सरकार ने कहा था कि वह 1932 का खतियान लागू करेगी, लेकिन गलती से 2023 का खतियान लागू कर दिया. वह जनता के पास जाएंगे और इस मामले में सरकार की नियत के बारे में बताएंगे. सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और विधायक लंबोदर महतो ने भी इस मुद्दे पर सरकार को खरी-खोटी सुनायी थी. लंबोदर महतो हर सत्र में इसी मुद्दे की तख्ती लेकर विधानसभा के बाहर बैठते हैं. इस मामले में भी भाजपा की नीति बिल्कुल विपरित है. सवाल उठ रहा है कि क्या दोनों में कुछ बात हो गई है.

वृहद झारखंड

पिछले साल पार्टी के महाधिवेशन में आजसू ने इस बात पर गंभीर चर्चा की थी कि आखिर झारखंड राज्य बना क्यों? क्यों जरूरी था और बना तो क्या उद्देश्यों की पूर्ति हुई ? महाधिवेशन में पार्टी के मुख्य प्रशिक्षक संजय बसु मल्लिक ने कहा था- झारखंड आंदोलन 1938 में शुरू हुआ, 1950 में इस नाम से पहली पार्टी बनी और आंदोलन जारी रहा. तो क्या अब आंदोलन खत्म हो गया है. मैं समझता हूं कि झारखंड न तो मिला है और न ही झारखंड आंदोलन खत्म हुआ है. आंदोलनकारियों व शहीदों ने जो सपना देखा था, वह पूरा नहीं हुआ है. बिहार से लेकर झारखंड अलग बना, लेकिन पश्चिम बंगाल और ओड़िशा में झारखंड का जो हिस्सा है, वह अभी भी छूटा हुआ है. इसलिए आंदोलन अभी खत्म नहीं हुआ है. क्या झारखंड को लेकर भाजपा भी इसी तरह सोंचती है या आगे भी सोचेगी.

विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग रखी थी

नवंबर 2013 में आजसू के हजारों कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे थे. सुदेश महतो नेतृत्व कर रहे थे. उनकी मांग झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा देने की थी. बीबीसी से बात करते हुए सुदेश महतो ने कहा था- देश का 40 प्रतिशत खनिज झारखंड में है. लेकिन विकास के पैमाने पर राज्य लगातार पिछड़ रहा है. लिहाजा विशेष राज्य का दर्जा मिलने पर ही झारखंड का नवनिमर्माण हो सकेगा. विशेष राज्य के आंदोलन में भाग लेने के लिए विशेष ट्रेन की भी व्यवस्था की गई थी. 16 नवंबर को पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने सुदेश महतो के नेतृत्व में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी से मिलकर मांग पत्र सौंपा था, जबकि यह बात जगजाहिर है कि भाजपा इस तरह की मांगों को लगातार खारिज करती रही है.

1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति लागू करने की मांग वाली तख्ती के साथ आजसू विधायक लंबोदर महतो (फाईल फोटो)

ई हैं जल के ईश्वर, मामा जी भी हैं, फिर से टिकट ला लार चुवाइले हैं

संजय सिंह

ई जल के ईश्वर हैं. माई-बाबू ने इहे नाम रख दीहिन था. वईसे ई नेताजी को मामा का नाम से भी लोग जानते हैं. मामा जी धन से आबाद कोइला नगरी में राजनीति चमकाइले रहे हैं. कोइला नगरिया में एगो इलाका है, जहां सुने हैं लोग-बाग ने बाघवे को मार डाला था, तो ओकरे पर नाम पड़ गया -माराबाघ. ई विधानसभा क्षेत्र भी है. यहां काला-काला कोईलवा का करिया-करिया धंधवा खूबे फलता -फूलता रहा है.यहां नेतई कोइला के काला करोबार करेला या काला कारोबारी के संरक्षण देवे ला होता है. कोइलवा में ढेरे माल है, सो नेताजी लोगन के बहार है. यहीं पर मामा पहिले तीर चलाइले थे. तीर में निशाना साधे तो लाल बत्तिया वाला जमाना में लाल बत्तियो का मजा मार लिहिन. लोगन को पानी पिलावे वाला विभाग मिलल था, तो नेताजी अईसन पानी पिलाए कि पूछिए मत. पानियो पिलाए में पूरा खेल करवा दीहिन. ढेरे गड़बड़झाला हुआ था, खूबे हंगामा बरपा था. लेकिन खैर...बीती ताहि बिसार दें. एकरा बाद तो दु-दु दफा तीर लेकर घूमते रहे , लेकिन निशाना लगबे न किया. बेचारे हबकुनिए फेंका गए. बुरी तरह से चोटिल हुए. अईसन चोटिल हुए कि बेचारे के मुंह से बकारे न निकल रहा था. जो वोटबैंकवा पर भरोसा था, ऊ लोग तो अइनसन गच्चा दीहिस कि पूछिए मत.जब अपनी जातिवाला लोग ही मुंह फेर लिया, तो बेचारे के मुंहवे लटक गया. वोटबैंकवा झटकेवाला मालदार नेताजी के आगे तीरवा निशाना पर लगिए न रहा था. तो मामा जी हांफे लगे. और सबसे मजेदार तो ई है कि जो मालदार भगिना इनको मामा-मामा कह कर पुकारता था, उसी ने दु-दु पटकनिया दे दी. अब तो मामा जेने-तेने मौका तलाशे लगे. कहे लगे कि भाई अब ई पार्टिया के तीर निशाना पर न लगे वाला है. एकर तो गुलिश्ते बरबाद है. जब गुलिश्ते बरबाद है, को दूसर घर तो खोजे ही पड़ेगा न. जल के ईश्वर मामा जी दु-दु बेर हबकुनिए फेंकाए, तो पूरा हांफले थे. ढेरे माल भी हथवा से निकल गया, तो सांस उखड़े लगा. लगा कि दमा हो गिया है. मामा जी घर खोजे लगे. आखिर मामा जी के पंजा धरे के चांस मिलिए गया. दिल्लीए दरबार के सेट कर लीहिन मामा जी और पंजा थामले लौट गए. मामाजी पंजा लेले पूरे मारा बाघ इलाके में भागे-दउड़े लगे. लोग के बतावे लगे... कहे लगे- भाई आपसब लोग तो अपने जाति के हैं, अबकी पंजा लड़ावेला लाए हैं. साल भर मामा जी खूब पसीना बहाए. लेकिन भगीनवा हंफाइल रखा. वइसे ई नेताजी धरती से भी जुड़ल रहे हैं. लोगबाग को कबी सिनेमो देखाया करते थे. हॉल वे काम करते थे. लेकिन केतनो जमीन से जुड़ल रहे, भगीना ई ईश्वर जी को जल यानी पानी पिलाइले रहा. बेचारे तिसरका दफा पंजा लेकर घूमले थे, लेकिन फिर से फेंका गए. पंजा लेले-देले औंधे मुंह छितराइल रहे. इनको भी अपना जातिवाला भाई लोग पर भरोसा था, लेकिन बेचारे पइसवा में कमजोर पड़ गए, तो सभी लोग मिल कर अईसन गच्चा दिया कि पूछिए मत. वईसे मामा को इलाके के लोग घमंडिया भी बताते हैं. स्वजातीय लोग कहते हैं कि मामा ढेरे टेढ़ियाते भी हैं, तो हमलोग भी समय आने पर इनको धकिया देते हैं. का करें, जइसन को तइसा जवाब तो देवेही पड़ेगा ना. मामा के बारे में बताया जाता है कि ई 70 पारवाले आयुष्मान लाभार्थी की श्रेणी में आ गए. भगीना महोदय विधानसभा चुनाव में इनको पटकते-पटकते दिल्ली दरबार पहुंच गए हैं. धन से आबाद सीट फतह कर दिल्ली पहुंचे हैं. अब ऊ श्रीमान अपना पत्नी-बेटा के अपन राजनीति विरासत सौंपे ला तइयार बइठल हैं. इधर मामा जी भी कम बेचैन न हैं. मामा जी तीन-तीन दफा चुनाव हारे के बाद भी खुद ही टिकट ला लार चुवाइले हैं. मामा को भरोसा है कि भगीनवा दिल्ली चल गया है, तो उनका जातियावाला लोग अबकी उनको मौका दे सकता है. मामा जी को पूरा भरोसा है कि बाघ मारेवाला लोग वंशवाद को रिजेक्ट कर देगा.अब देखिए मामा को पंजा लड़ावे का मौका मिलता है कि न मिलता, काहे कि ईहा उनको एगो पुरनका पंजावाले नेताजी के बेटाजी भी रह-कह कर चिढ़ा रहिन हैं. ई लाला जी कम चतुर-चालाक न हैं. अभिए से घूम-घूम कर कहले हैं, मामा तो गियो. तीन-तीन बार चुनाव में ठोका-पिटा गए हैं, अब तो मामा गियो. अब तो युवा को ही मौका मिलेगा. बेचारे मामा जी के अपनी ही पार्टियावाला भी हंफाईले है.आगे-आगे देखिए होता है क्या. पंजा लपके में मामा जी की जय-जय होती है या लाला जी की लालागीरी चलती है...

चुनावी चकल्लस

सिपाही-हवलदार की प्रोन्नति के मामले को लेकर अगले सप्ताह बैठक

रांची। सिपाही और हवलदार को एएसआई रैंक में प्रोन्नति मिलेगी. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने एएसआई रैंक में प्रोन्नति पाने वाले पुलिसकर्मियों का सर्विस बुक तैयार रखने का निर्देश दिया है. झारखंड पुलिस मुख्यालय ने कहा है कि इन पुलिसकर्मियों को प्रोन्नति के लिए प्रोन्नति समिति की बैठक अगले सप्ताह होने की संभावना है. झारखंड पुलिस मुख्यालय ने कहा है कि सितंबर-2021 से पूर्व का प्रोन्नति पाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ न्यायालय में कानूनी कार्यवाही के लिए विधारधीन मामले, कोई गंभीर प्रकृति का आरोप, न्यायिक मामला और आपराधिक मामले को छोड़कर अन्य सामान्य आरोप हो, जिसका निराकरण अबतक नहीं किया गया है, तो वैसे मामलों में संबंधित्त एसपी व डीआईजी मामले का पुर्नसमीक्षा करेंगे और पांच दिनों के अंदर निष्पादन कर लिये गये निर्णय की वस्तुस्थिति से पुलिस मुख्यालय को अवगत करायेंगे.

एससी/एसटी केस पर जवाब के लिए मांगा वक्त

रांची। ईडी के अधिकारियों पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा एससी और एसटी एक्ट के तहत दर्ज करवाए गए मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग वाली याचिका पर हाईकोर्ट में अब 15 अक्तूबर को सुनवाई होगी. गुरुवार को राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिसके बाद अदालत ने सरकार को चार सप्ताह का समय दिया है. दरअसल 31 जनवरी को ईडी द्वारा गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले झारखंड के तत्कालीन सीएम की ओर से रांची के एससी, एसटी थाने में ईडी अधिकारियों और मीडियाकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाया था. जिसकी जांच फिलहाल रांची पुलिस कर रही है. रांची पुलिस ने सीआरपीसी-41ए के तहत ईडी के सहायक निदेशक कपिल राज, सहायक निदेशक देवव्रत झा, अनुपम कुमार और एक अन्य अधिकारी समेत ईडी अधिकारियों को नोटिस भेजा था. हालांकि झारखंड हाईकोर्ट ने नोटिस पर रोक लगा दी थी. हाईकोर्ट से ईडी के सभी अधिकारियों को राहत मिली हुई है.

आठ माह में सात बार सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की हुई कोशिश

झारखंड में हर माह होती है सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड में हर महीने सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश होती है. इस साल अब तक यानी आठ महीने में राज्य के अलग-अलग जिले में सात बार सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश रची गयी. हालांकि पुलिस ने तत्परता दिखायी और माहौल को शांत कराने में सफलता हासिल की. झारखंड पुलिस की रिपोर्ट की मानें तो हाल के कुछ वर्षों में कम संवेदनशील त्योहारों (सरस्वती पूजा, गणेश पूजा, मिलाद उन नबी) में भी विधि व्यवस्था की गंभीर समस्या उत्पन्न हुई है. झारखंड के जो क्षेत्र पहले सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील नहीं थे, अब वहां भी पर्व-त्यौहारों में अशांति का माहौल देखा जा रहा है.

जानें कब-कब सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश रची गयी

09 सितंबर : धनबाद जिले के चिरकुंडा थाना क्षेत्र के बाबू डंगाल सीएमडब्लूओ कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर में मांस का टुकड़ा मिलने के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गयी थी.

18 जून : पलामू के पांकी प्रखंड के पिपराटांड़ थाना क्षेत्र स्थित नौडीहा बहेरा में गौशाला में प्रतिबंधित मांस का टुकड़ा मिलने के बाद माहौल बिगड़ गया था.

17 जून : पाकुड़ जिले के सदर प्रखंड के गोपीनाथपुर और पश्चिम बंगाल के कृष्टानगर के ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया था. दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया था कि मारपीट की नौबत आ गयी थी. इसके बाद दोनों गुटों में पथराव के साथ-साथ बमबाजी भी हुई थी.

17 जून : बोकारो जिले में एक हादसे में दो मवेशियों की मौत के बाद अलग-अलग पक्षों से जुड़े लोग आमने-सामने हो गये थे. इसके बाद दोनों पक्षों में पथराव भी हुआ था. इस झड़प और पथराव में एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए थे.

16 फरवरी : रांची के नगड़ी में मूर्ति विसर्जन करने जा रहे जुलूस पर पथराव किया गया. जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गयी थी.

21 जनवरी : धनबाद में भगवा झंडा लगाने को लेकर दो समूहों के बीच मारपीट और पत्थरबाजी की घटना हुई.

08 जनवरी : रांची बरियातू में असामाजिक तत्वों ने देवी-देवताओं की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया था, जिसके बाद लोग आक्रोशित हो गये थे.

तकनीकी रूप से दक्ष बनाए जाएंगे झारखंड के विद्यार्थी

- मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना के लिए सात करोड़ की स्वीकृति
- डिप्लोमा के विद्यार्थियों को प्रति वर्ष मिलेंगे 15 हजार रुपये

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य सरकार अब विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से दक्ष करेगी. सरकार ने मानकी मुंडा छात्रवृति योजना के तहत सात करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है. उच्च शिक्षा विभाग ने यह स्वीकृति वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए दी है. जारी आदेश में कहा गया है कि सरकार राज्य में तकनीकी शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने एवं सर्वांगीण विकास के लिए दृढ संकल्पित है. राज्य में तकनीकी शिक्षण संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों में छात्राओं का अनुपात काफी कम है. तकनीकी शिक्षण संस्थानों में राज्य के छात्राओं को नामांकन के प्रति जागरूक करने, आत्मनिर्भर बनाने और आर्थिक सहायता प्रदान करने के उदेश्य से इस योजना का क्रियान्यन किया जा रहा है.

किसे मिलेगा योजना का लाभ

योजना के तहत झारखंड सरकार डिप्लोमा के छात्रों को प्रतिवर्ष 15 हजार रुपये तक की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी. 10वीं और 12वीं पास छात्रों को सरकार 30 हजार रुपए तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान करेगी. इस योजना के तहत राज्य सरकार 4200 विद्यार्थियों को लाभ प्रदान करेगी. इस योजना के लाभ लेने के लिए झारखंड का मूल निवासी होना अनिवार्य है. साथ ही परिवार की वार्षिक आय चार लाख रुपए से कम होनी चाहिए. छात्रवृति का लाभ बीटेक कर रही छात्राओं को भी दिया जाएगा.

कोर्ट की खबरें

बहस पूरी, सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

सहायक आचार्य नियुक्ति केस

संवाददाता। रांची/दिल्ली

झारखंड टेट (जेटीईटी) पास अभ्यर्थियों की ओर से सहायक शिक्षक (आचार्य) नियुक्ति परीक्षा में सीटेट पास और झारखंड के पड़ोसी राज्य से टेट परीक्षा पास अभ्यर्थी को शामिल करने के विरुद्ध दाखिल याचिका पर सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है. बुधवार की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बहस पूरी कर ली गई थी, जिसके बाद गुरुवार को सीटीईटी की ओर से वरीय अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने बहस की. सभी पक्षों को सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की खंडपीठ इस मामले में सुनवाई की. प्रार्थियों की ओर से झारखंड हाईकोर्ट के सीनियर अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायण और अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने कोर्ट में पक्ष रखा. दरअसल झारखंड हाईकोर्ट ने सहायक आचार्य नियुक्ति से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि राज्य में 26000 सहायक शिक्षकों (आचार्य) की नियुक्ति के लिए चल रही प्रक्रिया में दूसरे राज्य के टेट पास अभ्यर्थी या सीटेट पास अभ्यर्थी भी शामिल हो सकते हैं. जिसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के याचिका दाखिल की गई है.

मंत्री इरफान को हाईकोर्ट से झटका

रांची। झारखंड हाईकोर्ट से राज्य सरकार के मंत्री डॉ. इरफान अंसारी को बड़ा झटका लगा है. अदालत ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने दुमका सिविल कोर्ट द्वारा चार्ज फ्रेम किये जाने को चुनौती दी थी. याचिका खारिज होने के बाद अब ट्रायल कोर्ट इस मामले की सुनवाई शुरू करेगा. इरफान अंसारी की याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अरुण कुमार राय की कोर्ट में सुनवाई हुई. इरफान अंसारी की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा ने बहस की. दरअसल साल 2018 में दुष्कर्म की शिकार हुई एक बच्ची की फोटो अस्पताल से वायरल होने के मामले में इरफान अंसारी के खिलाफ अदालत ने संज्ञान लिया था. इस मामले में इरफान अंसारी के खिलाफ जामताड़ा थाना में केस दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि विधायक इरफान अंसारी के मोबाइल से बच्ची का फोटो वायरल हुआ. दुमका के एमपी-एमएलए कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही है. दुमका सिविल कोर्ट ने 21 दिसंबर 2022 में इरफान अंसारी के खिलाफ चार्जफ्रेम किया था.

नगर निगम-निकाय चुनाव : सिंगल बेंच का फैसला बरकरार

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने नगर निगम और नगर निकाय चुनाव कराने को लेकर निवर्तमान पार्षद रोशनी खलखो के मामले में सिंगल बेंच के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी है. 28 अगस्त को सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ में हुई. सिंगल बेंच ने रौशनी खलखो की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को जल्द चुनाव कराने का निर्देश दिया था, जिसे डबल बेंच ने बरकरार रखा है.

पासवा का उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल सम्मेलन 18 को चतरा में

संवाददाता। रांची

पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन-पासवा का उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल सम्मेलन चतरा के गॉडफ्रे स्कूल कैंपस में 18 सितंबर को होगा. इसका उद्घाटन झारखंड के श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण मंत्री सत्यानंद भोक्ता करेंगे. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे रहेंगे. पासवा के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी सात जिलों के प्रतिनिधि सहित राज्य के अन्य जिलों से पासवा पदाधिकारीगण इसमें सम्मिलित होंगे. सम्मेलन में झारखंड में निजी विद्यालयों की समस्या एवं उसके समाधान के प्रयास पर विस्तृत चर्चा की जाएगी. मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन होगा. गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश महासचिव डॉक्टर राजेश गुप्ता छोटू, राष्ट्रपति अवार्डी सह प्रदेश महासचिव पासवा फलक फातिमा व शिक्षाविद रश्मि प्रकाश मौजूद रहेंगे. प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम की मेजबानी चतरा पासवा करेगा. कार्यक्रम में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी सातों जिले हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, धनबाद, रामगढ़, गिरिडीह, चतरा के प्रतिनिधिगण सम्मिलित होंगे. इसकी जानकारी पासवा के प्रदेश महासचिव नीरज कुमार ने दी.

ट्रांसफर-पोस्टिंग मनमोहन कुमार बने रांची एरिया बोर्ड के नए महाप्रबंधक

जेबीवीएनएल रांची जीएम पीके श्रीवास्तव समेत 16 अफसरों का तबादला

- डीनए साहू बने रांची के नए एसई

विशेष संवाददाता। रांची

जेबीवीएनएल के रांची एरिया बोर्ड जीएम (महाप्रबंधक) पीके श्रीवास्तव समेत 16 बिजली अफसरों का तबादला कर दिया गया है. पीके श्रीवास्तव का तबादला निगम मुख्यालय में महाप्रबंधक (सेल एंड प्रचेज) में कर दिया गया है. वहीं जमशेदपुर एरिया बोर्ड के जीएम श्रवण कुमार को महाप्रबंधक एपीटी निगम मुख्यालय, धनजंय कुमार महाप्रबंधक एपीटी को निगम मुख्यालय में जीएम आईटी और निगम मुख्यालय के महाप्रबंधक तकनीकी सुनील कुमार को जीएम मेदिनीनगर एरिया बोर्ड के पद पर पदास्थापित किया गया है. इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी गयी है.

मनमोहन कुमार बने रांची जीएम : जीएम के अलावा कई डिप्टी जीएम का भी तबादला किया गया है. जारी अधिसूचना के अनुसार, उपमहाप्रबंधक डालटेनगंज मनमोहन कुमार को उप महाप्रबंधक रांची के अतिरिक्त रांची एरिया बोर्ड के जीएम का प्रभार दिया गया है. वहीं अजीत कुमार (सेल प्रचेज) निगम मुख्यालय को जमशेदपुर एरिया बोर्ड का उपमहाप्रबंधक राजस्व के अतिरिक्त जमशेदपुर एरिया बोर्ड का जीएम का अतिरिक्त जिम्मा दिया गया है. दीपक कुमार जमशेदपुर अंचल को उपमहाप्रबंधक निगम मुख्यालय (एसओएंडडब्लू) बनाया गया है. इन्हें महाप्रबंधक तकनीकी निगम मुख्यालय का भी अतिरिक्त जिम्मा दिया गया है. जेबीवीएनएल के प्रभारी जीएम आईटी और उपमप्रबंधक स्टोर एवं टीआरडब्लू संजय सिंह को उप महाप्रबंधक पावर प्रचेज निगम मुख्यालय के अतिरिक्त महाप्रबंधक तकनीकी मुख्यालय बनाया गया है.

आठ एसई का तबादला, रांची एसई डीके सिंह चास गयेः उप महाप्रबंधक चास डीएन साहू को रांची बिजली आपूर्ति सर्किल, विभा कुमारी को राजस्व रांची को प्लानिंग मुख्यालय, गिरिडीह सर्किल के विनय कुमार सिन्हा को कोडरमा सर्किल, रांची सर्किल के दिनेश कुमार सिंह को चास सर्किल, कोडरमा सर्किल के सुधांशु को टीआरडब्लू रांची, सुधीर कुमार को निगम मुख्यालय से जमशेदपुर सर्किल, मुकुल कुमार को हजारीबाग से रामगढ़ सर्किल और संतोष कुमार सिन्हा को रामगढ़ से हजारीबाग सर्किल में तबादला कर दिया गया है.

क्लासिफाइड

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित | रांची, शुक्रवार 13 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 156 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

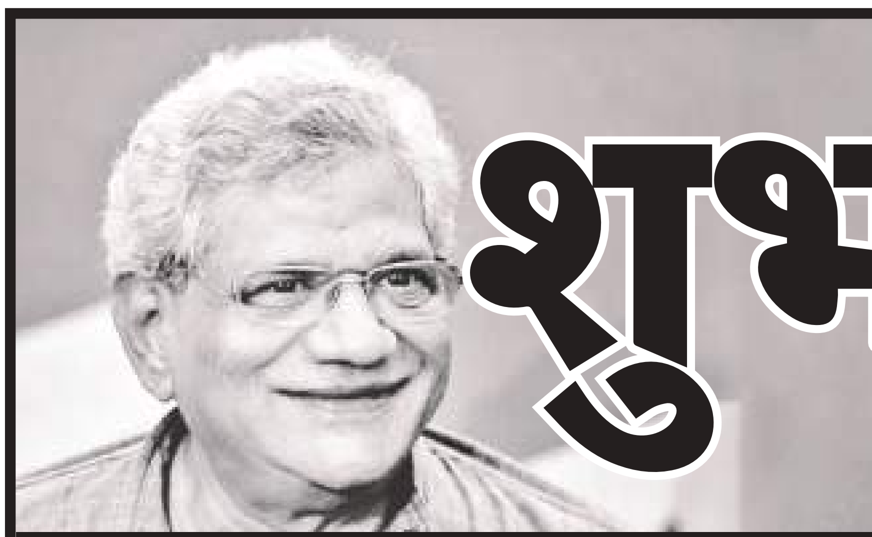

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

जन्म 12 अगस्त 1952
मृत्यु 12 सितंबर 2024

माकपा महासचिव सीताराम येचुरी नहीं रहे

- 72 साल की उम्र में दिल्ली एम्स में ली अंतिम सांस
- येचुरी का पार्थिव शव एम्स को किया जाएगा डोनेट

नयी दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव और पूर्व राज्यसभा सांसद सीताराम येचुरी का गुरुवार को निधन हो गया. येचुरी 72 साल के थे और लंबे समय से बीमार थे. उन्होंने गुरुवार को दिल्ली एम्स में आखिरी सांस ली. सीताराम येचुरी को दिल्ली एम्स के आईसीयू में एडमिट किया गया था, यहां उनका श्वसन तंत्र में संक्रमण का इलाज चल रहा था. येचुरी पिछले कुछ दिनों से रेस्पिरेटरी सपोर्ट पर थे, डॉक्टरों की एक टीम उनका इलाज कर रही थी. येचुरी ने 2015 में प्रकाश करात की जगह माकपा महासचिव का पद संभाला था. सीताराम येचुरी को 19 अगस्त को एम्स दिल्ली एम्स इमरजेंसी वार्ड में एडमिट किया गया था. येचुरी के निधन के बाद पार्टी कार्यालय में पार्टी का झंडा आधा झुका दिया गया है. पार्टी ने इस मौके पर एक्स पर पोस्ट कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और एम्स के डॉक्टरों के प्रति आभार जताया है. एम्स ने एक बयान जारी करते हुए बताया कि 72 वर्षीय सीताराम येचुरी को निमोनिया के साथ 19 अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था और 12 सितंबर को दोपहर 3:05 बजे उनका निधन हो गया. येचुरी के परिवार ने उनकी बॉडी को शिक्षण और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए एम्स दिल्ली को डोनेट कर दिया है. एम्स के मुताबिक फेफड़ों में संक्रमण और मल्टी ऑर्गन फेलियोर के चलते उनका निधन हुआ है.

राहुल गांधी व ममता बनर्जी ने जताया दुख

सीताराम येचुरी के निधन पर राहुल गांधी ने दुख जताया है. राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, सीताराम येचुरी जी दोस्त थे. उन्हें भारत की गहरी समझ थी और वे भारत की विचारधारा के रक्षक थे. मैं उनके साथ लंबी बातचीत को मिस करूंगा. उनके परिवार, दोस्तों और समर्थकों के प्रति मेरी संवेदनाएं. उधर, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी येचुरी के निधन पर दुख जताया है. उन्होंने लिखा, येचुरी के निधन की खबर सुन कर दुख हुआ. उनका निधन देश की राजनीति को बड़ा नुकसान है. मैं उनके परिवार, दोस्तों और करीबियों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करती हूं.

कौन थे सीताराम येचुरी

सीताराम येचुरी का जन्म 12 अगस्त 1952 को मद्रास (चेन्नई) में एक तेलुगु भाषी ब्राह्मण परिवार में हुआ था. उनके पिता सर्वेश्वर सोमयाजुला येचुरी आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में इंजीनियर थे. उनकी मां कल्पकम येचुरी एक सरकारी अधिकारी थीं. वे हैदराबाद में पले-बढ़े और 10वीं कक्षा तक हैदराबाद के ऑल सेंट्स हाई स्कूल में पढ़ाई की. येचुरी ने प्रेसिडेंट्स एस्टेट स्कूल, दिल्ली में दाखिला लिया और 12वीं की परीक्षा में अखिल भारतीय प्रथम रैंक हासिल की. इसके बाद उन्होंने सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली से अर्थशास्त्र में बीए (ऑनर्स) की पढ़ाई की और फिर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से एमए अर्थशास्त्र किया. इमरजेंसी के समय जेएनयू में छात्र रहते उन्हें गिरफ्तार किया गया था.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,600
चांदी (किलो)	88,000

ब्रीफ खबरें

लालू प्रसाद की मुंबई में एंजियोप्लास्टी

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की हार्ट में दिक्कत के बाद मुंबई के एक अस्पताल में एंजियोप्लास्टी हुई है. 76 साल के लालू को दो दिन पहले मुंबई के एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट में भर्ती कराया गया था. हार्ट में ब्लोकेज की समस्या के चलते डॉक्टरों ने एंजियोप्लास्टी की सलाह दी. एंजियोप्लास्टी के बाद लालू की हालत स्थिर है. उन्हें एक या दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी.

केजरीवाल की बेल पर सुप्रीम फैसला आज

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर फैसला सुनाएगा. केजरीवाल ने कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई की ओर से उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. सुप्रीम कोर्ट वेबसाइट पर प्रकाशित वाद सूची के अनुसार, जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ शुक्रवार को अपना फैसला सुनाएगी.

शेयर बाजार ने तोड़ डाले सारे रिकॉर्ड

मुंबई। शेयर बाजार ने एक बार फिर इतिहास रचा है. बीएसई सेंसेक्स 1439.55 अंक उछल कर 82,962.71 अंक पर बंद हुआ. यह अब तक की सबसे बड़ी क्लोजिंग है. वहीं, ट्रेडिंग के दौरान सेंसेक्स 83116 अंक तक गया. यह सेंसेक्स का ऑल टाइम हाई है. एनएसई निफ्टी की बात करें तो 470.45 अंक चढ़ कर अब तक के उच्चतम स्तर 25,388.90 अंक पर बंद हुआ. बीएसई के 30 शेयरों की बात करें तो एनटीपीसी, एयरटेल, महिंद्रा एंडएं महिंद्रा के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा चढ़कर बंद हुए.

चीन से सुलझे 75% मुद्दे: विदेश मंत्री

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद पर कहा कि चीन के साथ समस्याओं में से 75 प्रतिशत का समाधान हो गया है, लेकिन बड़ा मुद्दा सीमा पर सैन्यीकरण का बढ़ना है. जेनेवा शहर में एक थिंक-टैंक में एक संवादात्मक सत्र में, जयशंकर ने कहा कि जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों ने भारत-चीन संबंधों को प्रभावित किया है, उन्होंने जोर देकर कहा कि सीमा पर हिंसा होने के बाद यह नहीं कहा जा सकता कि बाकी संबंध इससे अछूते हैं.

सीक्रेट मिसाइल का सफल परीक्षण

नयी दिल्ली। भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने गुरुवार की दोपहर 3.20 पर ओडिशा के तट से शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (एसआरएसएएम) का सफल परीक्षण किया. यह मिसाइल पूरी तरह से स्वदेशी है. नौसेना के जंगी जहाजों में इसे वर्टिकल लॉन्च सिस्टम में लगाया जाता है. इसलिए इसे वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल भी कहते हैं. लेकिन इसका इस्तेमाल जमीन से भी हो सकता है

बांग्लादेशी घुसपैठ पर केंद्र ने हाईकोर्ट में दायर किया शपथपत्र, बताया

संथाल की डेमोग्राफी में16% की गिरावट

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

दानियल दानिश ने दायर की है पीआईएल

झारखंड के संथाल परगना इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठ के मामले को लेकर जनहित याचिका पर केंद्र सरकार ने गुरुवार को हाईकोर्ट में शपथपत्र के जरिए अपना जवाब दाखिल कर दिया. इसमें बताया गया है कि संथाल प्रमंडल की डेमोग्राफी में आदिवासी आबादी की हिस्सेदारी में 16%की गिरावट आई है. यहां पहले आदिवासियों की आबादी 44% थी, जो घटकर 28% हो गई है. केंद्र सरकार ने आदिवासी आबादी में गिरावट के दो कारण बताए हैं. पहला, पलायन और दूसरा धर्मांतरण. केंद्र ने अपने जवाब में छह जिलों की डेमोग्राफी में विगत वर्षों में आए बदलाव को स्वीकार किया है. बताया है कि इन जिलों में मुस्लिम आबादी में 20 से 40% की वृद्धि हुई है. पाकुड़ और साहिबगंज में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी बढ़ी है. ईसाइयों की संख्या में भी छह हजार गुना तक की वद्धि हुई है.

यूआईडीएआई ने भी रखना अपना पक्ष : हाईकोर्ट के निर्देश पर केंद्रीय एजेंसी यूआईडीएआई ने भी मामले में अपना पक्ष दाखिल किया है, जिसमें यह बताया गया कि आधार से व्यक्ति विशेष की पहचान पूरी तरह संभव है, लेकिन यह किसी की नागरिकता का आधार नहीं हो सकता.

संथाल में एनआरसी लागू करने की जरूरत : केंद्र ने संथाल की मौजूदा परिस्थितियों से अवगत कराते हुए कहा कि पिछले एक दशक में आदिवासियों की संख्या तेजी से घटी है. केंद्र ने कहा कि इसमें घुसपैठ ही नहीं धर्मांतरण और पलायन भी शामिल है. संथाल में राज्य सरकार ही संथाल परगना टेंडेंसी एक्ट (एसपीटी) का वायलेशन कर रही है. बाहर से आ रहे घुसपैठिओं को संरक्षण दिया जा रहा, ताकि वह यहां की जमीनों पर कब्जा कर सकें. बड़ी संख्या में गिफ्ट डीड के तहत जमीनों का हस्तांतरण हुआ है, जो दर्शाता है कि राज्य की सहमति के बगैर नहीं हो सकता. केंद्र ने स्थिति को देखते हुए संथाल में एनआरसी लागू करने की जरूरत बताई. कहा, उनके पास घुसपैठियो के शिनाख्त और वापस भेजने की क्षमता है. पर इसके लिए एनआरसी का लागू होना बेहद जरूरी है. इसके साथ ही केंद्र सरकार की ओर से दी गई जानकारी में यह भी बताया गया है कि संथाल परगना इलाके में पिछले कुछ वर्षों में मदरसों की संख्या में भी काफ़ी इजाफा हुआ है. मदरसों में सबसे ज्यादा इजाफा सीमावर्ती साहिबगंज और पाकुड़ जिले में हुआ है.

केंद्र ने हलफनामे में क्या-क्या कहा

- संथाल में आदिवासी आबादी 44 से घट कर 28% हुई
- बढ़े मदरसे, मुस्लिमों को गिफ्ट डीड के जरिए दी जा रही एसपीटी एक्ट की ज़मीन
- संथाल परगना की डेमोग्राफी में 16 फीसदी की गिरावट
- आबादी घटने के दो कारण, पहला-पलायन, दूसरा धर्मांतरण
- इलाके में मुस्लिम आबादी 20 से 40 फीसदी तक बढ़ी
- पाकुड़ और साहिबगंज में सबसे ज्यादा बढ़े मुस्लिम
- ईसाइयों की संख्या में छह हजार गुना की वृद्धि

मामले में अगली सुनवाई मंगलवार को : इस मामले में गुरुवार को तकनीकी कारणों से कोर्ट में विस्तृत सुनवाई नहीं हो पाई। यह मामला अगले मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है. बता दें कि इससे पहले 5 सितंबर को इस याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने कहा था कि संथाल परगना में बांग्लादेशियों की घुसपैठ की स्थिति अलार्मिंग है. इसकी वजह से इलाके की डेमोग्राफी प्रभावित हो रही है. इसी वजह से आदिवासी आबादी के प्रतिशत में गिरावट भी गंभीर विषय है. घुसपैठिए झारखंड के रास्ते देश के अन्य राज्यों में घुसकर वहां की आबादी को प्रभावित कर सकते हैं.

बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में यह जनहित याचिका जमशेदपुर निवासी दानियल दानिश ने दायर की है. याचिका में कहा गया है कि जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा, साहिबगंज आदि झारखंड के बॉर्डर इलाके से बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड आ रहे हैं. इससे इन जिलों में जनसंख्या में कुप्रभाव पड़ रहा है. इन जिलों में बड़ी संख्या में मदरसे स्थापित किए जा रहे हैं. स्थानीय आदिवासियों के साथ वैवाहिक संबंध बनाया जा रहा है. उनके अधिवक्ता ने राष्ट्रीय जनगणना के हवाले से हाईकोर्ट के समक्ष जो डाटा पेश किया है, उसके मुताबिक साल 1951 में संथाल परगना क्षेत्र में आदिवासी आबादी 44.67 प्रतिशत से घटकर साल 2011 में 28.11 प्रतिशत हो गई. इसके पीछे की एक बड़ी वजह बांग्लादेशी घुसपैठ है. अगर इस सिलसिले पर रोक नहीं लगाई गई, तो स्थिति गंभीर हो जाएगी.

सीजेआई के आवास पर पीएम नरेंद्र मोदी गणेश भगवान की आरती करते हुए. पीएम मोदी ने खुद एक्स पर पोस्ट करके दी जानकारी. इस मौके पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और उनकी पत्नी व पुरोहित भी मौजूद थे.

पीएम मोदी का गणेश पूजा के लिए सीजेआई के घर जाने पर सियासत

- प्रशांत भूषण, संजय राउत ने घेरा, तो संबित पात्रा ने किया पलटवार

एजेंसी। नयी दिल्ली

देशभर में गणेश उत्सव की धूम है. इस बीच, पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के आवास पर पहुंचे. वहां उन्होंने गणपति बप्पा का दर्शन-पूजन किया. अब इस पर सियासत शुरू हो गई है. विवाद के बीच भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उनकी प्रतिक्रियाओं को लापरवाही भरा बताया. उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत पर निराधार आक्षेप लगाना एक खतरनाक मिसाल कायम करता है. पीएम मोदी के चीफ जस्टिस के आवास पर गणपति पूजन के लिए जाने पर वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण और शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने सवाल उठाए. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर संविधान के संरक्षक राजनेताओं से मिलते हैं, तो लोगों के दिमाग में संदेह पैदा हो सकता है. इसके बाद पर भाजपा और शिवसेना सक्रिय हो गईं और एक-दूसरे पर पलटवार किया है.

भाजपा ने इसे लोकतंत्र की खूबसूरती करार दिया. पार्टी ने कहा कि अगर हमकों सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं, तो इसमें गलत क्या है? क्या पीएम और सीजेआई एक-दूसरे मिल भी नहीं सकते. भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि हमारा देश लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत चलता है. इस व्यवस्था में आपसी मेलजोल और सहयोग से ही देश आगे बढ़ता है. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के एक स्तंभ के शीर्ष नेता के द्वारा दूसरे स्तंभ के शीर्ष व्यक्ति से सौहार्दपूर्ण माहौल में मिलना किसी भी तरह गलत नहीं है. उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान इफ्तार पार्टी आयोजित की जाती थी, इसमें तत्कालीन पूर्व चीफ जस्टिस शामिल भी होते थे. पात्रा ने कहा कि ऐसा लगता है कि जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं, दरअसल वे गणपति पूजा का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि इसी समय देश के अलग-अलग हिस्सों में इसी तरह की घटनाएं सामने आई हैं.

पीएम मोदी ने खुद शेयर की तस्वीरें

पीएम मोदी ने चीफ जस्टिस के आवास पर जाकर गणपति के दर्शन-पूजन की तस्वीरें अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से शेयर कीं. चंद मिनटों में तस्वीरों को हजारों लाइक मिले. तस्वीरों में पीएम मोदी और सीजेआई चंद्रचूड़ के अलावा उनकी पत्नी कल्पना दास, पूजा-अर्चना कराने वाले पुरोहित-आचार्य भी मौजूद थे. पीएम को महाराष्ट्र में पहनी जाने वाली पारंपरिक टोपी वाली वेशभूषा में देखा गया.

आचार संहिता का है उल्लंघन: प्रशांत भूषण

सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत भूषण ने इस पर हैरानी जताई. उन्होंने एक्स पर लिखा, हैरत होती है कि सीजेआई ने मोदी को निजी मुलाकात के लिए अपने आवास पर आने की अनुमति दी. इससे न्यायपालिका को बहुत बुरा संकेत मिलता है, जिस पर नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है कि सरकार संविधान के दायरे में काम करे. इसलिए कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक दूरी होनी चाहिए.

मन में होने लगा है संदेह: संजय राउत

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के घर पर गणपति पूजन के दौरान पीएम मोदी के पहुंचने पर शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने निशाना साधते हुए कहा, गणपति उत्सव में सब एक-दूसरे के घर जाते हैं. मुझे इस बारे में जानकारी नहीं है कि पीएम अब तक कितने घरों में गए हैं. लेकिन पीएम मोदी का सीजेआई के घर जाना एक शंका पैदा कर रहा है.अगर संविधान का संरक्षक राजनेताओं से मिलता है, तो ये लोगों के मन में संदेह पैदा कर सकता है.

बीएल संतोष ने विरोधियों को दिया जवाब

पलटवार करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष ने कहा कि हालांकि वामपंथी उदारवादियों ने चीफ जस्टिस के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में पीएम के शामिल होने पर रोना शुरू कर दिया है, लेकिन यह घुलना-मिलना (लोगों से) नहीं बल्कि शुद्ध रूप से गणपति पूजा थी. संतोष ने एक्स पर कहा, रोना शुरू हो गया... सभ्यता, सौहार्द, एकजुटता, देश की यात्रा में सहयात्री. सभी इन वामपंथी उदारवादियों के लिए अभिशाप हैं. इसके अलावा, यह कोई घुलना-मिलना नहीं था, बल्कि शुद्ध रूप से गणपति पूजा थी, जिसे पचाना बहुत मुश्किल है.

इंदौर में दो जवानों संग हिंसा, महिला साथी संग रेप पर राहुल ने पूछा

जिम्मेदारी से कब तक आंख चुराएंगे?

भोपाल। मध्य प्रदेश में सेना के दो जवानों के साथ हिंसा और उनकी महिला साथी के साथ दुष्कर्म मामले में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर निशाना साधा है. राहुल ने एक्स पर लिखा, एमपी में सेना के दो जवानों के साथ हिंसा और उनकी महिला साथी से दुष्कर्म पूरे समाज को शर्मसार करने के लिए काफी है. भाजपा शासित राज्यों की कानून व्यवस्था लगभग अस्तित्वहीन है और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर भाजपा सरकार का रवैया अत्यंत चिंताजनक है. ये निर्भीकता प्रशासन की नाकामी का परिणाम है और इससे देश में पनपता असुरक्षित वातावरण भारत की बेटियों की स्वतंत्रता, उनकी आकांक्षाओं पर बंदिश है.

क्या है मामला: दो ट्रेनी आर्मी जवान दो महिला मित्रों के साथ पिकनिक के लिए निकले थे. तभी छह बदमाशों ने उन्हें बंधक बनाया और लूटपाट की. बदमाशों ने 10 लाख की डिमांड भी की. बदमाशों ने एक जोड़े को रोक लिया और एक जोड़े को पैसा लेने भेजा. इसी दौरान रुकी महिला पर गैंगरेप भी किया गया.

सीएम की कुर्सी छोड़ने को तैयार हूं: ममता

कोलकाता। कोलकाता रेप केस को ले हड़ताली डॉक्टरों ने सीएम ममता बनर्जी के साथ बात करने से इनकार कर दिया. ममता डॉक्टरों से बातचीत के लिए पहुंच भी गई थीं. वे दो घंटे तक तक इंतजार करती रहीं, लेकिन डॉक्टर नहीं आए. ममता ने कहा, कुछ लोग मेरी कुर्सी चाहते हैं. मैं न्याय के लिए इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं. मुझे सत्ता की भूख नहीं है.

-विस्तृत खबर पेज 12 पर

द्वंद्व कहां तक पाला जाये, क्यों न जाति गिनवा ली जाये

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

संघ जातीय जनगणना की मांग से तो सहमत है, लेकिन जिस तरह से चुनावी रैलियों में यह मांग उठ रही है, वह पूरी तरह गलत है.

प्रसंगवश

जातीय जनगणना के कोलाहल में एक नया आयाम जुड़ गया है. यह जुड़ा है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के एक बयान से. उन्होंने संघ की तीन दिवसीय समन्वय बैठक के बाद संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में कहा कि समाज के कल्याण के लिए सरकार को आंकड़ों की जरूरत होती है. इसके लिए जातीय जनगणना करायी जा सकती है. लेकिन इसका चुनावी इस्तेमाल नहीं होना चाहिए. मोटे तौर पर देखें तो यह बयान संतुलित और संयमित है. इसे थोड़ा खींचें तो मतलब यह निकलता है कि संघ जातीय जनगणना की मांग से तो सहमत है, लेकिन जिस तरह से चुनावी रैलियों में यह मांग उठाई जा रही है वह गलत है. संघ का बयान एक सुविचार हो सकता है, लेकिन सुविचारों से हमारे नेताओं को कुछ लेना-देना नहीं है. यानी जातीय जनगणना हो या न हो, राजनीति तो इस पर होगी और जमकर होगी. संघ के बयान के बाद सवाल यह उठता है कि क्या मोदी सरकार जातीय जनगणना करायेगी ? अभी तक भाजपा के किसी बड़े नेता या मंत्री ने नहीं कहा है कि पार्टी जातीय जनगणना के खिलाफ है या इसके लिए तैयार है. हो सकता है कि पार्टी और सरकार के अंदर इस पर मंथन चल रहा हो. करीब दो हफ्ते पहले एक प्रेस कांफ्रेंस में अमित शाह ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि जब जनगणना की घोषणा होगी, तब सब स्पष्ट हो जायेगा. संघ के बयान पर कांग्रेस या उसके सहयोगी दलों ने उत्साह से लबरेज कोई बयान नहीं दिया है. उनके बयानों में कुछ बेतुके सवाल हैं, कुछ तंज हैं और कुछ संदेह हैं. शायद उन्हें लग रहा होगा कि संघ ने भाजपा को कुछ ऐसा सुझाव दिया हो, जिससे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे. लेकिन टूलकिट गैंग और इकोसिस्टम ने संघ के बयान को राहुल गांधी का समर्थन बताना शुरू कर दिया है. कुछ ने तो यहां तक लिख दिया कि संघ ने राहुल गांधी के सामने घुटने टेक दिये हैं. इन महानुभावों को कौन समझाये कि तीन बार प्रतिबंधित होने के बावजूद संघ न रुका है, न झुका है, न टूटा है. वह अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है. वह भी ऐसे समय में जब उसका एक प्रचारक लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर विराजमान है. फिर भी जाकी रही भावना जैसी.

बहरहाल दलितों, आदिवासियों को आरक्षण तो बाबा साहब दे गये हैं. वे संविधान में अनुसूचित हैं. लेकिन पिछड़ों को आरक्षण देने के लिए मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करने की घोषणा किसी पुनीत उद्देश्य से नहीं की गयी थी. वीपी सिंह ने अपनी कुर्सी की रक्षा के लिए हारे को हरिनाम की हड़बड़ी में वह घोषणा की थी. उन्हें प्रधानमंत्री बनानेवाले देवीलाल ने उस समय बगावत का झंडा उठा लिया था. उसकी धार कुंद करने के लिए कुछ सहयोगियों के दबाव में वीपी सिंह ने मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करने की घोषणा कर दी. इस मुद्दे पर संसद में बहस के दौरान राजीव गांधी ने बतौर नेता प्रतिपक्ष आरक्षण के प्रावधानों की कटु आलोचना की थी. आज तक कोई भी खांटी मंडलवादी पार्टी या समूह अपने बूते दिल्ली में सरकार नहीं बना सका है. इसके विपरीत इसके मुखर विरोधी राजीव गांधी की कांग्रेस ने 1991 में सबसे ज्यादा सीटें जीतीं. उसके बाद भी ये मंडलवादी दल और नेता भाजपा या कांग्रेस के पिछलग्गू ही बने रहे और आज भी हैं. इससे स्पष्ट है कि संकीर्णताओं और क्षुद्रताओं से राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सफलता हासिल नहीं की जा सकती. फिर राहुल गांधी जाति की माला जपते हुए जातीय जनगणना के लिए इतने आक्रामक क्यों हैं ?

-शेष पेज 11 पर

भाजपाई राहुल को मारने की धमकी दे रहे : कांग्रेस

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि भाजपा के नेता विपक्षी नेताओं को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं.

भाजपा नेता तरविंदर सिंह मारवाह ने बुधवार को एक धरना-प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी को लेकर विवादित बयान दिया था. उन्होंने कहा, राहुल गांधी संभल जाओ, नहीं तो आने वाले समय में तुम्हारा भी वही हाल होगा, जो तुम्हारी दादी का हुआ था. तुम अपने पिता, दादी का इतिहास जान लो. मारवाह के इस बयान पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है. धरना-प्रदर्शन से जुड़े कुछ सेकेंड के वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है. कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, जब तरविंदर सिंह मारवाह कांग्रेस में थे, तब उनकी इस तरह की मानसिकता नहीं थी. वह इस तरह की भाषा नहीं बोलते थे. उन्होंने कहा कि अब वह भाजपा में जाकर ऐसे बयान दे रहे हैं, तो सवाल उठता है कि देश चलाने वाली पार्टी क्या विपक्ष के नेता को सार्वजनिक तौर पर मारने की धमकी दे सकती है क्या. पूरा विश्व देख रहा है, इस बयान से अब भारत की हंसी उड़ रही है. भारत को लोग हैरानी से देख रहे हैं कि भारत ऐसा कैसे हो गया, जहां सत्ताधारी पार्टी विपक्ष के नेता को जान से मारने की धमकी दे देती है. लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी हाल ही में अमेरिका दौरे पर थे.

सीताराम येचुरी के निधन पर सीएम सहित बीजेपी नेताओं ने भी शोक जताया

प्रमुख संवाददाता। रांची

माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी के निधन पर सीएम हेमंत सोरेन सहित भाजपा नेताओं ने शोक जताया है. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के महासचिव और वरिष्ठ नेता सीताराम येचुरी के निधन का समाचार सुन कर गहरा दुःख हुआ. उनका जाना भारतीय राजनीति के लिए एक बड़ी क्षति है. वे एक कुशल राजनेता, विचारक और जनता के हितों के लिए समर्पित नेता थे. मरांग बुरु से दिवंगत आत्मा को शांति एवं उनके परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना करता हूं.

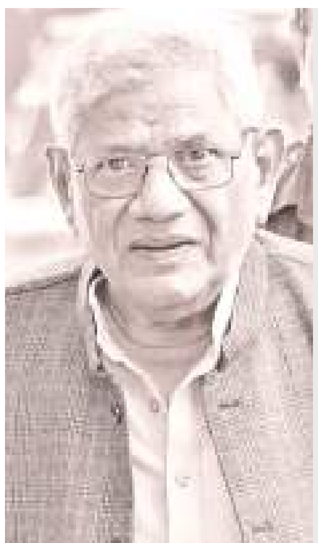

वामपंथी राजनीति के स्तंभ और जनहित के प्रखर आवाज़ थे: कल्पना

गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने कहा है कि सीताराम येचुरी जी के असामयिक निधन से स्तब्ध हूं. वामपंथी राजनीति के स्तंभ और जनहित के प्रखर आवाज़ थे वो. उनके विचारों और संघर्षों से प्रेरित पीढ़ियां आती रहेंगी. मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति दें और परिजनों को संबल. येचुरी जी के आदर्शों को आगे ले जाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी.

सीताराम येचुरी का झारखंड से था गहरा संबंध: प्रकाश विप्लव

रांची। सीपीएम के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी का झारखंड से गहरा संबंध था. झारखंड के गठन से पूर्व 10 नवंबर 2000 को उनकी देख-रेख में ही पार्टी की झारखंड राज्य कमेटी का गठन किया गया था. झारखंड बनने के कुछ ही दिन पहले तत्कालीन रातू प्रखंड के दलादिली गांव में जमींदारों ने तीन आदिवासी किसानों की गोली मारकर हत्या कर दी थी. प्रतिरोध में जमींदार भी मारा गया था. जिसमें कई आदिवासी रैयतों को आजीवन कारावास की सजा भी हुई. इस संघर्ष के बाद सीताराम येचुरी कई बार दलादिली गांव आए और वहां आयोजित विरोध सभा को संबोधित किया. उस समय ही उन्होंने कहा था की यहां आदिवासियों और गरीबों की जमीन की लूट का मुद्दा ही नवगठित राज्य झारखंड में वामपक्ष के संघर्ष का मुख्य एजेंडा बनेगा.

कई साल तक झारखंड के प्रभारी भी रहे

झारखंड बनने के बाद पोलिट ब्यूरो की ओर से सीताराम येचुरी कई वर्षों तक झारखंड के प्रभारी भी रहे. झारखंड में वाम राजनीतिक आंदोलन को प्रखर किए जाने के लिए यहां के आदिवासियों के अधिकारों और यहां के औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण खनिज कोयला उधोग को मुख्य आधार बनाने पर जोर देते थे. उनका मानना था कि कोयला खनन से उत्पन्न विस्थापन और प्रदूषण के मुद्दे को केंद्र में लाने के साथ – साथ आदिवासियों को संविधान द्वारा दिए गए विशेष अधिकारों की रक्षा के संघर्ष को धारदार बनाने की जरूरत है. उन्हीं की पहल पर झारखंड में पहली बार आदिवासियों का एक अखिल भारतीय सम्मेलन कर आदिवासी अधिकार राष्ट्रीय मंच की स्थापना की गई.

अंतरराष्ट्रीय आंदोलन से भी रहा संबंध

सीताराम येचुरी का अंतरराष्ट्रीय कम्युनिस्ट आंदोलन से भी गहरा संबंध था. वे जब पोलित ब्यूरो सदस्य थे उस वक्त उन्होंने पार्टी के अंतर्राष्ट्रीय विभाग के प्रभारी की जिम्मेवारी भी उठाई थी. केंद्र की एकाधिकारवादी सरकार और नफरत फैलाने वाली ताकतों के खिलाफ वे हमेशा मुखर रहे. राष्ट्रीय स्तर पर आइएनडीआइए गठबन्धन बनाने में भी उनकी प्रमुख भूमिका थी. वे पार्टी के वैचारिक स्रोत भी थे. उन्होंने कई पुस्तकें भी लिखी हैं. संसद में जब सीताराम बोलते थे, सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों उनकी बात ध्यान से सुना करते थे. उनके निधन पर झारखंड मे पार्टी की सभी इकाइयों द्वारा शोक सभा, उनकी याद में जुलूस इत्यादि का कार्यक्रम शुक्रवार से शुरू हो जाएगा. 15 सितंबर को रांची में उनकी स्मृति में मीटिंग की जाएगी.

पूर्व सीएम चंपाई और अर्जुन मुंडा ने भी शोक प्रकट किया

सीताराम येचुरी के निधन पर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन और अर्जुन मुंडा ने भी शोक जताया है. चंपाई सोरेन ने ट्वीट कर कहा है कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी जी के निधन की दुखद सूचना मिली है. ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा परिजनों एवं समर्थकों को यह दुख सहने की शक्ति दें. अर्जुन मुंडा ने ट्वीट कर कहा है कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी जी के निधन का दु:खद समाचार मिला. वामपंथी नेता के तौर पर उनकी अलग पहचान थी. ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें. उनके परिजनों और चाहनेवालों के प्रति मेरी गहरी संवेदना.

ब्रीफ खबरें

शिक्षा अधीक्षक ने स्कूल का किया निरीक्षण

रांची। जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने गुरुवार को राजकीय मध्य विद्यालय करमटोली का निरीक्षण किया. इस विद्यालय में कुल 281 छात्रों का नामांकन है. विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति संतोषजनक पाई गई. यहां केवल तीन शिक्षक पदस्थापित है, शिक्षकों की कमी के बावजूद विद्यालय में पढ़ाई का स्तर संतोषजनक पाया गया. छात्रों से सवाल-जवाब करने पर छात्र आत्मविश्वास के साथ जवाब दे पा रहे थे. विद्यालय में संसाधनों की कमी पाई गई. कक्षाओं के लिए कमरे का अभाव पाया गया. किचन कक्ष साफ सुथरा पाया गया. इसपर जिला शिक्षा अधीक्षक के जरिये पोषण वाटिका को व्यवस्थित तरीके से विकसित करने का निर्देश दिया गया.

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आज बाबाधाम में

रांची। विस चुनाव को लेकर पूरे प्रदेश में कांग्रेस जोर-शोर से तैयारी में जुटी हुई है. प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश लगातार दौरे पर हैं. इस दौरान अलग-अलग क्षेत्रों का भ्रमण कर वहां के कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रहे हैं और ऊर्जा भरने का काम कर रहे हैं. शुक्रवार को कार्यकर्ताओं से मिलने के लिए कमलेश देवघर पहुंचेंगे. वहां पर जिले के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे. प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में होने वाली बैठक में जिला अध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश के साथ-साथ देवघर, मधुपुर, सारठ और जरमुंडी के कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे. प्रदेश अध्यक्ष कार्यकर्ताओं को जो भी दिशा निर्देश देंगे, उसे कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाएंगे. उसी के आधार पर आगामी चुनाव में काम भी किया जाएगा.

मोर्चा ने सफलता के लिए जताया आभार

रांची। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने बंद के दौरान सडक पर उतरकर समर्थन के लिए आभार जताया है. मोर्चा के केंद्रीय संयोजक सतीश कुमार ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार को जगाने के लिए सम्पूर्ण राज्य में आन्दोलनकारियो का राज्य के दर्जनों जन संगठन ने समर्थन किया व बंद को सफल बनाने में अपनी भूमिका अदा की. उन्होंने कहा कि कुछ दिनो के मेहमान हेमंत सोरेन सरकार नही सचेत होती तो झारखंड की सत्ता से हाथ धोना पड़ेगा. बंद में राज्य के कई जिलों में मे पुलिस ने आंदोलनकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया है व गिरफ्तार किया गया है जो राज्य निर्माण के बाद गृह बिभाग के संकल्प के विरुद्ध है.

सूरज मंडल बोले- जमीनी मुद्दों से मुंह न चुराये भाजपा नेतृत्व

ओबीसी अधिकार के विरोधियों का सत्ता में बने रहना दुर्भाग्यपूर्ण

खास बातें

- सबके हित में भाजपा जमीनी मुद्दों पर ले कठोर निर्णय
- 24 साल से सत्ता में गैर आंदोलनकारी ही काबिज

प्रमुख संवाददाता। रांची

पूर्व सांसद डॉ सूरज मंडल ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) अधिकार के विरोधियों और गैर आंदोलनकारियों का प्रदेश की सत्ता पर काबिज होना दुर्भाग्यपूर्ण है. यह एक ऐसा दर्द है, जिसका दंश झारखंड पिछले 24 साल से भुगत रहा है. वैसे तत्वों को झारखंड की सत्ता से बाहर करने के लिए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को जमीनी मुद्दों से मुंह चुराने की बजाय कठोर निर्णय लेने चाहिए. ऐसा निर्णय लिया जाना चाहिए, जो यहां के आदिवासियों व मूलवासियों के हित में हो.

वैसे लोग सत्ता में रहे जो गैर आंदोलनकारी हैं : डॉ. मंडल ने कहा यहां सत्ता में पिछले 24 साल से वैसे तत्व हमेशा काबिज रहे जो गैर आंदोलनकारी हैं. आरोप लगाया कि झारखंड राज्य आवास बोर्ड के अध्यक्ष रहते नज़म अंसारी ने 100 करोड़ रुपये से अधिक का अवैध लेनदेन किया. जमीन का गैर कानूनी तरीके से आवंटन किया. इसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जानी चाहिए. हेमंत सरकार में विविध विभागों के साथ ही जितने भी निगम एवं बोर्ड हैं, उन सभी में घोटालों और भ्रष्टाचार में लिप्तता की लंबी फेहरिस्त है. जब उसकी निष्पक्ष जांच होगी तो घोटाला किसी भी व्यक्ति की कल्पना से बहुत आगे होगा.

ओबीसी को मिले 27 फीसदी आरक्षण

झारखंड में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण लौटाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है, जबतक ऐसा नहीं होता तबतक यह ओबीसी के खिलाफ अन्याय है. बदलती हुई दुनिया और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित होते देश में झारखंड के लोगों की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए 24 साल में पहली बार मूलवासियों के हाथों में सत्ता की बागडोर सौंपी जानी चाहिए.

ओबीसी आरक्षण की सीमा घटाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण

डॉ. मंडल ने कहा कि राज्य गठन के तत्काल बाद ओबीसी आरक्षण की सीमा 27 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत कर देने एवं अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण सीमा 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने के निर्णय का खामियाजा राज्य की बड़ी आबादी को अबतक नुकसान पहुंचा रहा है. झारखंड का सामाजिक-आर्थिक विकास अबतक आधा-अधूरा है. इस कारण झारखंड अपने रास्ते से भटक गया है.

ऑस्ट्रेलिया प्रवास के अंतिम दिन तीन मंत्रियों से मिले रांची सांसद संजय सेठ

संवाददाता। रांची

रांची के सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ऑस्ट्रेलिया प्रवास के अंतिम दिन गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया सरकार और मंत्री परिषद से जुड़े विभिन्न मंत्रियों से मुलाकात की. इस क्रम में ऑस्ट्रेलिया के रक्षा उद्योग मंत्री पैट्रिक मार्टिन कॉनरॉय, ऑस्ट्रेलिया में विदेश मामलों के सहायक मंत्री टिमोथी ग्राहम वॉट्स, रक्षा कार्मिक और पूर्व सैनिक मामलों के मंत्री मैथ्यू जेम्स कीओघ से सेठ की मुलाकात हुई. रक्षा राज्य मंत्री ने सभी मंत्रियों को झारखंडी अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया. इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के मंत्रियों के साथ संजय सेठ की कई मुद्दों पर बातचीत हुई. भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा क्षेत्र में बेहतर काम हो सके, हम दोनों एक दूसरे के परस्पर सहयोगी बनें, पूर्व सैनिकों के कल्याण से संबंधित नीतियों के आदान-प्रदान और विचार-विमर्श भी इन मंत्रियों के साथ बातचीत हुई.

यह पहला अवसर है ,जब आजादी के इतने सालों के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय एक्सपो में अपनी भागीदारी निभाई है. इसके साथ ही दोनों देशों में रक्षा क्षेत्र में और बेहतर कार्य हो सके उद्योग और तकनीकी का उत्तरोत्तर विकास हो, इस मुद्दे पर भी एक-दूसरे के साथ विचार साझा किए गए. इस मुलाकात के बाद रक्षा राज्य मंत्री ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया की तीनों मंत्रियों से मुलाकात हुई. इस दौरान कई मुद्दों में सार्थक बातचीत हुई. इसके परिणाम आने वाले दिनों में देखने को मिलेंगे. पीएम नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि आज दुनिया में भारत का मान बढ़ा है. हमसे विचार साझा किए जा रहे हैं, सुझाव लिए जा रहे हैं. सेठ ने बताया कि रक्षा के क्षेत्र में भारत को भी दुनिया में और आगे बढ़ना है. भारत की तकनीक की दुनिया मुरीद हो चुकी है. लैंड फोर्सज एक्सपो में यह अनुभव प्राप्त हुआ कि दुनिया भारत की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रही है. रक्षा क्षेत्र से जुड़े वैज्ञानिकों, कर्तव्यनिष्ठ कर्मियों की मेहनत के बल पर हम रक्षा उद्योग से भारत को आर्थिक समृद्धि और मजबूती प्रदान करेंगे. प्रवास के क्रम में सेठ ऑस्ट्रेलिया स्थित भारतीय उच्चायोग भी गए. वहां की टीम से संवाद किया.

सेठ को भेंट में मिला क्रिकेट का बैट

वहीं दूसरी ओर इस मुलाकात के क्रम में ऑस्ट्रेलिया के रक्षा उद्योग मंत्री ने संजय सेठ को ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट टीम का हस्ताक्षरयुक्त बैट भी भेंट किया. इस भेंट से सेठ अभिभूत हुए और कहा कि यह बैट सिर्फ दो मंत्रियों के बीच की भेंट नहीं है. यह ऑस्ट्रेलिया के नागरिकों की तरफ से भारत के नागरिकों की दी गई अनुपम भेंट है. सेठ ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के रक्षा राज्य मंत्री भी सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और महेंद्र सिंह धौनी जैसे भारतीय क्रिकेटरों के बड़े प्रशंसक हैं. खेल ऐसा क्षेत्र है, जो कई देशों के संबंधों को मजबूत बनाता है. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच के संबंध भी और प्रगाढ़ होंगे, यह विश्वास है. ये जानकारी गुरुवार को सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी.

हेमंत सरकार के पास पांच साल में बताने को पांच काम भी नहीं: मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधा है.

उन्होंने कहा, पिछले पांच साल में झारखंड की जनता गिद्ध शासन में कैद है. उन्होंने गुरुवार को ट्वीट करके लिखा है कि जिन आदिवासियों को हक अधिकार दिलाने के उद्देश्य से अलग झारखंड राज्य की स्थापना हुई, हेमंत सोरेन के कार्यकाल में वो सबकुछ छीना गया.

मरांडी ने आगे लिखा कि झारखंडी अस्मिता को तार-तार कर चुकी हेमंत सरकार भ्रष्टाचार में गले तक डूबी हुई है. युवाओं का भविष्य रसातल में चला गया है. जनता का वर्तमान दलदल में फंसा हुआ है. आदिवासी जनता इलाज के अभाव में मर रही है. अस्पताल में डॉक्टर नहीं हैं, जिसके कारण बच्चे दम तोड़ रहे हैं. नौकरी के लिए दौड़ लगा रहे युवा दम तोड़ रहे हैं.

हेमंत सोरेन के पास कोई मुद्दा ही नहीं : हेमंत के पास मुद्दा नहीं है, जिसके बूते वे वोट मांग सकें. पांच लाख नौकरियां देने का वादा करके सत्ता में आए थे, लेकिन पांच साल में उनके पास बताने को पांच काम नहीं हैं.

सर्विस रूल का उल्लंघन कर रही कैबिनेट सचिव

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि हताश निराश सीएम हेमंत सोरेन राजनीतिक हार स्वीकार कर चुके हैं. शिवराज चौहान और हिमंता विश्व शरमा के दौरे से उनकी बौखलाहट बढ़ गई है. हेमंत ने अपनी हार देखते हुए अफसरों को आगे कर दिया है. सरकार के अफसर सर्विस रूल की धज्जियां उड़ा रहे. उन्हें चुनाव आयोग को पत्र लिखने की अनुमति किसने दी. वाजपेयी ने कहा कि महाधिवक्ता खुद विधि विरुद्ध आचरण कर रहे. वे अब झामुमो के प्रवक्ता बन गए हैं. हेमंत सरकार अब बोरिया बिस्तर समेट रही है.

सीएम किसी जन आंदोलन में नहीं, भ्रष्टाचार में जेल गए थे. सत्ता के बिना बर्दाश्त नहीं हुआ तो चंपाई सोरेन को हटा दिए. हेमंत खुद को और अपनी पत्नी को सबसे अधिक प्रतिभावान समझते हैं. चुनावी साल में कुर्सी बचाने की जुगत में लगे हेमंत कभी पत्नी को बिठाने की कोशिश करते हैं, तो कभी खुद को. आदिवासी समाज बेहाल, बदहाल है.

तीन दिन में 10 हजार से अधिक फाइलों का मूवमेंट रुका

सचिवालय में तीसरे दिन भी कामकाज रहा ठप, लग गया फाइलों का अंबार

संवाददाता। रांची

झारखंड सचिवालय में तीसरे दिन गुरुवार को भी कामकाज ठप रहा. सचिवालय सेवा संघ के बैनर तले सचिवालय सेवा के पदाधिकारी-कर्माचारी सामूहिक अवकाश पर रहे. तीन दिनों में फाइलों का अंबार लग गया. लगभग 10 हजार फाइलों का मूवमेंट पूरी तरह से रुक गया. संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद से बताया कि शुक्रवार से सचिवालय सेवा के पदाधिकारी-कर्मचारी काम पर वापस लौटेंगे. इसके बाद आगे की रणनीति बनाई जाएगी. बताते चलें कि सचिवालय सेवा संघ के पदाधिकारी-कर्मचारी अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर पिछले तीन महीने से आंदोलनरत हैं.

कार्मिक सचिव छुट्टी पर गए : कार्मिक सचिव प्रवीण टोप्पो भी छुट्टी पर चले गए हैं. इससे पहले मेंबर बोर्ड ऑफ रेवेन्यू की अध्यक्षता में हुई बैठक बेनतीजा रही. बैठक में कार्मिक सचिव और वित्त सचिव ने कहा था कि पद सृजन के लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा. जो 15 दिनों के अंदर संघ की मांगों पर निर्णय लेगी. संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद और महासचिव सिद्धार्थ शंकर बेसरा ने कहा कि बैकलॉग के पद दे दिए जाएंगे. इसके बाद कमेटी का बनाई जाए. उन्होंने कहा कि कमेटी की रिर्पोट आने में काफी समय लग जाएगा. संघ के अध्यक्ष ने कहा कि संघ के प्रस्तावों पर पहले से ही मुख्यमंत्री का अनुमोदन प्राप्त है. संघ अब भी लिखित आश्वासन पर अड़ा हुआ है.

- कार्मिक सचिव भी छुट्टी पर गए, अब जल्दी में वार्ता की संभावना नहीं बनेगी
- छह मेंबर बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के साथ बैठक रही बेनतीजा नहीं मिला लिखित आश्वासन

सचिवालय संघ की क्या हैं छह मांगें

- सचिवालय सेवा के पदाधिकारी व कर्मचारी की लंबित प्रोन्नति दी जाये.
- प्रशाखा पदाधिकारी के पदों पर भूतलक्षी प्रभाव से प्रोन्नति का लाभ दें.
- प्रशाखा पदाधिकारियों को अकार्यात्मक वेतनमान की स्वीकृति दें.
- सचिवालय सेवा के उप सचिव एवं संयुक्त सचिव स्तर के पदों का सृजन हो.
- संयुक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव व प्रशाखा पदाधिकारी के रिक्त पदों पर प्रोन्नति मिले.
- शिशु शिक्षण भत्ता दें और सचिवालय सेवा के मूल कोटि के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती हो.

बी फैक्ट्री के एक्सपर्ट ने कैट की तैयारी के टिप्स दिये

संवाददाता। रांची

कैट की प्रवेश परीक्षा 24 नवंबर को आयोजित होगी. परीक्षा में अब मात्र 75 दिन बचे हैं. ऐसे में विद्यार्थियों के लिए यह समय तैयारी करने का है. तैयारी के लिए रणनीति और विषय की गंभीरता को समझने की जरूरत है. इससे परीक्षा में विद्यार्थियों को न केवल बेहतर परिणाम मिलेंगे, बल्कि बेहतर कॉलेज में जगह बनाने का अवसर भी मिलेगा. यह जानकारी बी फैक्ट्री के एक्सपर्ट नाजिश काजमी ने दी. इसके साथ ही उन्होंने कैट की तैयारी के टिप्स दिये, जो कैट के प्रतियोगियों के लिए कारगर साबित हो सकता है.

उन्होंगे कहा कि वैसे विद्यार्थी जो सैंपल टेस्ट के 70 फीसदी प्रश्नों को हल कर ले रहे हैं, उन्हें और भी मेहनत करने की जरूरत है. इससे मुख्य परीक्षा में शत प्रतिशत प्रश्नों को सही करने की काबिलियत आ सकती है. ऐसे में विद्यार्थी को सबसे पहले विषय की जानकारी हासिल कर लेनी चाहिए. बेहतर अंक के लिए पाठ्यक्रम का पुनः अध्ययन जरूरी है. ऐसे में बीते साल के प्रश्नों को हल करते वक्त वैसे विषयों को चिह्नित करना जरूरी है, जिसमें परेशानी हो रही है. इसके बाद उन पाठ्यक्रम. को दोबारा से बेहतर और नये सिरे से पढ़ लें. इससे दुविधा दूर होगी और परीक्षा में बेहतर करना आसान होगा.

198 अंक के 66 प्रश्न होंगे

उन्होंने बताया कि दो घंटे की कैट परीक्षा 198 अंकों की होगी. इसमें कुल 66 प्रश्न पूछे जायेंगे. कंप्यूटर बेस्ड ऑनलाइन परीक्षा में प्रश्न तीन खंड में पूछे जायेंगे. पहला खंड वर्बल एबिलिटी के 24 प्रश्नो का होगा. दूसरा खंड डाटा इंटरप्रिटेशन एंड लॉजिकल रीजनिंग का होगा, जिसमें 20 प्रश्न पूछे जायेंगे। वही तीसरा खंड क्वांटिटेटिव एबिलिटी का होगा, जिसमे 22 प्रश्न पूछे जायेंगे. प्रत्येक खंड के लिए 40 मिनट्स दिया जायेगा.

प्रेस कांफ्रेंस

मासस का भाकपा माले में पूर्ण विलय से मिली मजबूती

भाजपा को झारखंड से करेंगे बेदखल : दीपांकर भट्टाचार्य

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाकपा माले महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि मासस का भाकपा माले में पूर्ण विलय संपन्न हो गया है. इस प्रक्रिया के तहत मासस के पांच नेताओं को केंद्रीय कमेटी में शामिल किया गया है, जिनमें आनंद महतो, हलधर महतो, अरूप चटर्जी, आर डी मांझी, और आमंत्रित सदस्य निताई महतो शामिल हैं.

यह विलय प्रक्रिया ऐतिहासिक महत्व का है. यह झारखंड के साथ-साथ देश की राजनीति को जन आधारित मुद्दों पर संघर्ष को तेज करेगा. महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने आगामी जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के सहयोगियों का समर्थन करने की बात की और झारखंड विधानसभा में इंडिया गठबंधन के साथ मजबूत दावेदारी के साथ चुनाव लड़ने का संकेत दिया. मजदूर आंदोलन और झारखंड आंदोलन का केंद्र छोटानागपुर रहा है, और भाकपा माले और मासस का आंदोलन भी मजबूत रहा है. पलामू प्रमंडल में भी पार्टी का जनाधार मजबूत है, इसलिए पार्टी यहां भी मजबूत दावेदारी पेश करेगी और भाजपा को झारखंड से बेदखल करेगी. वे रांची में आयोजित प्रेस कांफ्रेस में बोल रहे थे.

प्रेस काफ्रेंस में दीपांकर भट्टाचार्य

झारखंड में निजीकरण और रोजगार संकट पर जताई चिंता

दीपांकर भट्टाचार्य ने झारखंड में निजीकरण और रोजगार संकट के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त की. उन्होंने कहा कि निजीकरण की वजह से आम लोगों की समस्याएं बढ़ रही हैं और रोजगार के लिए स्थायी समाधान नहीं मिल पा रहा है. केंद्र की भाजपा सरकार झारखंड की खनिज-संपदा और जल-जंगल-जमीन पर एकाधिकार जमाना चाह रही है, जिससे अशिक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, और पलायन की समस्याएं बढ़ेंगी. झारखंड की गठबंधन सरकार को विभिन्न केंद्रीय जांच एजेंसियों और राज्यपाल के माध्यम से शासन-प्रशासन को अस्थिर करने की लगातार कोशिश की जा रही है. इसके परिणामस्वरूप आरएसएस के माध्यम से धार्मिक उन्माद फैलाया जा रहा है, जिसका दुष्परिणाम कुछ स्थानों पर देखा गया है.

माले महासचिव दीपांकर और जिप अध्यक्ष-उपाध्यक्ष मिले मुख्यमंत्री से

रांची। सीएम हेमंत सोरेन से गुरुवार को अपने आवास पर भाकपा माले के नेता दीपांकर भट्टाचार्य ने मुलाकात की. इस दौरान विकास योजनाओं के कार्यान्वयन, जनहित से जुड़े मुद्दों एवं राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई. मौके पर विधायक विनोद सिंह, पूर्व विधायक अरूप चटर्जी, भाकपा माले के राज्य सचिव मनोज भक्त उपस्थित थे.

जिप प्रतिनिधियों की समस्याओं को दूर करने का आश्वासन : सोरेन से जिलों से पहुंचे जिला परिषद अध्यक्षों- उपाध्यक्षों से भी मुलाकात की. सीएम को प्रतिनिधियों ने अपनी कुछ समस्याओं एवं मांगों का ज्ञापन भी सौंपा. मौके पर सीएम ने सभी जिप अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों की बातों को गंभीरता से सुना तथा उनकी सारी समस्याओं एवं मांगों पर यथोचित कार्रवाई का भरोसा उन्हें दिलाया.

AFFIDAVIT

I, **AGHNI DEVI** W/o Nageshwar Ganjhu, resident of Purni Ray, Chuna Bhatta, P. B. Khalari P.O. Ray, District Ranchi, Jharkhand, do hereby solemnly atfirm and declare as under :-

1. That I am an Indian National by birth.
2. That my name is **AGHNI DEVI** which is written in my Voter No. **CHF6945216**.
3. That in my Aadhar Card No. **5926 5622 1294**, my name nhas been wrongly written as **ADHANI DEVI**.
4. That **AGHNI DEVI** and **ADHANI DEVI** is the name of one and same person i.e. myself.
5. That in future I will be known my name as **AGHNI DEVI**.

Affidavit No. 205
Dt. 09.09.2024

तापमान
31.2° अधिकतम | 23.4° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 13 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 156 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

15 को वंदे भारत ट्रेन की मिलेगी सौगात

रांची। पीएम नरेंद्र मोदी 15 सितंबर को देश को नयी सौगात देंगे. इसमें 11 नयी वंदे भारत का शुभारंभ होगा. इसके लिए रेलवे ने जमशेदपुर में तैयारी शुरू कर दी है. पीएम टाटानगर रेलवे स्टेशन से टाटा पटना वंदे भारत को हरी झंडी दिखा कर रवाना करेंगे. टाटानगर में वंदे भारत को हरी झंडी दिखाने के बाद पीएम मोदी सरकारी योजनाओं की सौगात भी देशवासियों को देंगे. इसी दिन प्रधानमंत्री बिष्टुपुर गोपाल मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे.

धनबाद से जम्मू के लिए ट्रेन : हावड़ा से गया के बीच वंदे भारत के साथ ही अब धनबाद से जम्मू कश्मीर की सीधी ट्रेन चलने वाली है. धनबाद चंद्रपुरा रेल मार्ग से धनबाद से उधमपुर के बीच गरीब रथ चलेगी. नयी ट्रेन के लिए रांची नई दिल्ली गरीब रथ के रैक का उपयोग होगा. इस संबंध में दक्षिण पूर्व रेलवे ने जानकारी दी है.

हाईकोर्ट की बत्ती गुल हुई, तो जताई नाराजगी, कहा- अदालत में बिजली के लिए हो वैकल्पिक व्यवस्था

मुख्य सचिव को कोर्ट में किया तलब, पूछा- ये क्या चल रहा है?

संवाददाता। रांची

- ऊर्जा सचिव ने किया आश्वस्त, अब आगे से कोई दिक्कत नहीं होगी
- 9:15 बजे से 11:00 बजे तक बिजली की सप्लाई पूरी तरह गुल रही

झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को सुबह 9:15 बजे से लेकर लगभग 11:00 बजे तक बिजली की सप्लाई पूरी तरह गुल रही. इस कारण अदालती कार्यवाही प्रभावित हुई हाईकोर्ट ने इस पर गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए राज्य के मुख्य सचिव और ऊर्जा सचिव को तत्काल तलब किया. दोनों शीर्ष अधिकारी चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने हाजिर हुए. कोर्ट ने पूछा-ये क्या चल रहा है? अंधेरे में काम कैसे होगा. कोर्ट ने मुख्य सचिव व ऊर्जा सचिव से कहा कि हाईकोर्ट में अगर किसी तकनीकी गड़बड़ी की वजह से पावर कट होता है, तो तत्काल किसी वैकल्पिक व्यवस्था के तहत बिजली बहाल हो सके और अदालती कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके, इसकी व्यवस्था होनी चाहिए. दोनों शीर्ष अधिकारियों ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि बिजली के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे. भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा.

बताया गया कि केबल में फॉल्ट की वजह से बिजली की सप्लाई ठप हो गई थी. इसकी वजह से कोर्ट रूम सहित अन्य जगहों पर अंधेरा छा गया. बता दें कि लगभग 600 करोड़ की लागत से बना झारखंड हाईकोर्ट का भवन देश का सबसे बड़ा न्यायिक परिसर है. इसका क्षेत्रफल सुप्रीम कोर्ट के कैंपस से भी साढ़े तीन गुना ज्यादा है. इसके लिए झारखंड सरकार की ओर से 165 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई गई. इसका उद्घाटन पिछले साल 24 मई को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया था.

अंधेरे में हाईकोर्ट

डेढ़ घंटे तक कामकाज रहा प्रभावित

दरअसल गुरुवार सुबह 9:15 बजे से 11 बजे तक झारखंड हाईकोर्ट में तकनीकी गड़बड़ी के कारण बिजली बाधित हो गई थी. जिसे हाईकोर्ट की खंडपीठ ने गंभीरता से लिया. कोर्ट के निर्धारित समय सुबह 10:30 बजे अधिवक्ता सुनवाई के लिए पहुंचे थे. लेकिन पावर कट होने की वजह से सभी अधिवक्ता हाईकोर्ट के कॉरिडोर में बैठे रहे. हालांकि कुछ अधिवक्ता कोर्ट की कार्यवाही में भाग लेते दिखे. लंबे समय तक बिजली बाधित होने के कारण कोर्ट की कार्रवाई वैकल्पिक व्यवस्था के जरिये शुरू की गई. इसके पहले बत्ती गुल होने के बाद कोर्ट रूम सहित अन्य जगहों पर अंधेरा छा गया. जानकारी के अनुसार, टेक्नीकल फॉल्ट की वजह से बिजली कटी थी. बिजली सप्लाई नहीं होने के कारण मुकदमों की सुनवाई कुछ देर के लिए प्रभावित रही. कई कोर्ट रूम में अधिवक्ता मोबाइल का फ्लैश जला कर रौशनी करते दिखे .वहीं बिजली नहीं रहने के कारण एस्केलेटर भी निष्क्रिय हो गया. करीब 11 बजे हाईकोर्ट में बिजली की सप्लाई शुरू हुई, जिसके बाद कोर्ट का कार्य शुरू हुआ.रांची.

बिजली विभाग ने दी सफाई

इस बीच, हाईकोर्ट में सुबह डेढ़ घंटे तक बिजली नहीं रहने पर ऊर्जा विभाग ने अपना पक्ष रखा है. विद्युत कार्य प्रमंडल के विद्युत कार्यपालक अभियंता जयकांत कुमार ने बताया कि यह समस्या बिजली वितरण या बिजली आपूर्ति सिस्टम के कारण उत्पन्न नहीं हुई. दरअसल हाईकोर्ट में थडरिंग से बचने के लिए तड़ित चालक सिस्टम लगाया गया है, जो बीती रात तेज थडरिंग के कारण उड़ गया. इसके कारण बिजली आपूर्ति और जेनरेटर का ऑटोमेटिक सिस्टम में काम करना बंद कर दिया. हाईकोर्ट में पावर कट होने पर जेनरेटर स्वतः चालू हो जाता है, मगर तड़ित चालक में आयी खराबी के कारण जेनरेटर का ऑटोमिटेक सिस्टम में आयी खराबी के कारण काम करना बंद दिया. बाद में इसे दुरुस्त करके जेनरेटर चालू किया गया और बिजली बहाल हो पाई. देर शाम तक आई खराबी को ठीक करने में अफसर एवं कर्मी जुटे रहे.

ब्रीफ खबरें

चाकू दिखा छीना मोबाइल, हुई पिटाई

रांची। अकेली लड़की को देखकर एक युवक ने चाकू दिखा कर उसका मोबाइल छीन लिया.यह मामला गुरुवार को सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के विद्यानगर स्थित श्रीनगर चौक की है. जहां के आपराधिक प्रवृत्ति के युवक ने दिनदहाड़े चाकू के बल पर लड़की से मोबाइल छीन लिया. युवक का नाम सुजीत कुमार है. घटना के बाद लड़की ने शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने दौड़ाकर युवक को पकड़ लिया. लोगों के द्वारा तलाशी लेने पर उसके के पास से मोबाइल और चाकू मिलने के बाद लोगों ने उसकी जमकर पिटाई की. इसके बाद पुलिस को सूचना दी गईं.सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया और थाना ले गई.

चुनाव में छत्तीसगढ़ के सीएम स्टार प्रचारक

रांची। विधानसभा चुनाव में बीजेपी की आदिवासी बहुल सीटों पर भाजपा की पैनी नजर है. लोकसभा चुनाव में आदिवसी सीटों में भाजपा को कम वोट मिले थे. अब इसकी भरपाई भाजपा विधानसभा चुनाव में करना चाहती है. संथाल और कोल्हान में भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है. जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय को विधानसभा चुनाव के लिए स्टार प्रचारक बनाया गया है. उन्हें 40 सीटों की जिम्मेवारी दी गई है.

36 केन बियर के साथ दो नाबालिग गिरफ्तार

रांची। आरपीएफ ने केन बियर के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है. उपनिरीक्षक दीपक कुमार ने गुरुवार को बताया कि हटिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफ़ॉर्म संख्या दो पर जांच के क्रम में 36 केन बियर बरामद की गयी. मामले में दो नाबालिगों को पकड़ा गया है. दोनों बिहार के बक्सर के रहने वाले हैं. उन्होंने बताया कि रांची मंडल के सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर ट्रेनों तथा रेलवे स्टेशनों मे शराब तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान ऑपरेशन सतर्क के तहत जारी है। इसी क्रम मे चेकिंग के दौरान दो नाबालिग के बैग की जांच करने पर 36 बियर जब्त की गई.

मां भवानी ज्वेलर्स की दीवार काट लाखों की चोरी

रांची। नामकुम थाना क्षेत्र के सिदरौल जोड़ा मंदिर के समीप मां भवानी ज्वेलर्स दुकान में चोरी का मामला गुरुवार को प्रकाश में आया है. इस संबंध में गुड्डू सोनी ने नामकुम थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है. जानकारी के अनुसार चोरों ने दीवार काटकर चोरी की घटना को अंजाम दिया है. चोर दुकान का दीवार काटकर साढ़े दस लाख का सामान लेकर फरार हो गये है. इन सामानों में एक किलो सोना और साढ़े चार किलो चांदी के सामान शामिल हैं. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की.

हेमंत सरकार का मास्टर स्ट्रोक : 15 दिन में स्कीम धरातल पर

39.44 लाख लाभुक कंज्यूमर में 38.41 लाख का बिल माफ

कौशल आनंद। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की एक और मास्टर स्ट्रोक स्कीम जमीन पर उतर आई है. वह भी मात्र 15 दिन के अंदर. जेबीवीएनएल ने एक अगस्त से 200 यूनिट फ्री बिजली स्कीम को लागू कर दिया है. इसके बाद तुरंत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घोषणा कर दी कि जो कंज्यूमर 200 यूनिट तक फ्री बिजली योजना का लाभ उठा रहे हैं, उनका पुराना बिजली बिल बकाया माफ किया जाएगा. 29 अगस्त की कैबिनेट में सरकार ने फैसला ले लिया और ऊर्जा विभाग ने 30 अगस्त को संकल्प भी जारी कर दिया. इसके बाद 12 अगस्त तक राज्य में 200 यूनिट फ्री बिजली से आच्छादित 39,44,389 लाख कंज्यूमरों से 38,41,881 लाख पुराना बिजली बिल माफ कर दिया. इस योजना को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का विधानसभा चुनावी मास्टर स्ट्रोक के रूप में देखा जा रहा है.

बाकी को जल्द राहत

- 29 अगस्त को सरकार ने लिया था फैसला
- 30 अगस्त को जारी हुआ संकल्प
- 15 दिन में योजना उतरी धरातल पर

राज्य में कुल 52 लाख डोमेस्टिक कंज्यूमर में से 39,44,389 लाख कंज्यूमर आए फ्री बिजली स्कीम में

जेबीवीएनएल के अनुसार पूरे राज्य में करीब 52 लाख डोमेस्टिक कंज्यूमर हैं. उनमें से 39,44,389 लाख कंज्यूमर 200 यूनिट फ्री बिजली स्कीम में आ गए. इतना ही नहीं इसमें से अब 38,41,881 का पुराना बिजली बिल भी माफ हो गया. यह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अति महत्वाकांक्षी स्कीम में एक है. हेमंत सोरेन सीधे तौर पर इसके जरिए करोड़ों वोटरों को साधने की है. इसलिए इसे हेमंत सोरेन का मास्टर स्ट्रोक के रूप में देखा जा रहा है. अब इसका लाभ चुनाव में कैसे मिलेगा, यह तो देखने वाली बात होगी, मगर इससे करोड़ों लोगों का सीधा फायदा पहुंचा है.

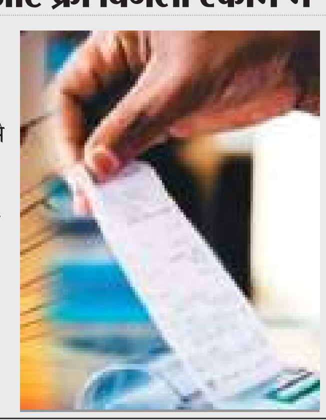

शेष बचे कंज्यूमर का भी शीघ्र होगा बिल माफ

अब तक जेबीवीएनएल ने 39,44,389 में से 38,41,881 कंज्यूमर का बिल माफ हो चुका है. शेष बचे कंज्यूमर का तकनीकी समस्या के कारण बिल माफ नहीं हो सका है. शीघ्र तकनीकी समस्या दूर करके शेष कंज्यूमर का पुराना बिल माफी कर दिया जाएगा. अब तक चाईबासा, चास, डाल्टनगंज, देवघर, धनबाद, दुमका, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, हजारीबाग, जमशेदपुर, कोडरमा, रामगढ़, रांची और साहिबगंज जिले के बिजली कंज्यूमरों बिजली बिल माफ किया जा चुका है. रांची में कुल 3,63,100 लाख कंज्यूमर का बिजली बिल माफी हो चुकी है.

तेजी से बदलेगी झारखंड की सियासी फिजां

पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री आएंगे झारखंड

रवि भारती। रांची

झारखंड में चुनावी बिगुल जल्द ही बजने वाला है. सभी राजनीतिक दलों चुनावी रणनीति बनाने में जुटे हैं. कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है. भाजपा भी उम्मीदवारों को लेकर रायशुमारी की प्रक्रिया पूरी कर रही है. इस बीच अगले सप्ताह पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह झारखंड आएंगे. पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का झारखंड दौरा कई मायनों में अहम माना जा रहा है. पीएम मोदी के सरकारी कार्यक्रमों को लेकर प्रशासन तैयारी में जुटा हुआ है. वहीं भाजपा की ओर से भी तैयारी की जा रही है.

15 को पीएम मोदी जमशेदपुर में देंगे योजनाओं की सौगात : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 सितंबर को जमशेदपुर आएंगे. वे जमशेदपुर में जनसभा को संबोधित करने के साथ रोड शो भी करेंगे. इस दिन वे लगभग 21 हजार करोड़ की विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन करेंगे. वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत भी करेंगे. एक लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों के बीच दो-दो लाख रुपए की राशि भी खाते में भेजी जाएगी. पीएम मोदी जमशेदपुर के गोपाल मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे.

19 को राष्ट्रपति रांची आएंगी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय दौरे पर रांची आ रही हैं. 19 सितंबर को राष्ट्रपति नामकुम में आईसीएआर नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ सेकेंडरी एग्रीकल्चर के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी. वे यहां एक पौधा मां के नाम से आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम की शुरुआत करेंगी. 20 सितंबर को वह भारतीय लाह अनुसंधान संस्थान, नामकुम के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगी.

अमित शाह संताल में कार्यकर्ताओं के बीच भरेंगे जोश : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 21 सितंबर को संताल परगना आएंगे. वहां वे भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगे. जानकारी के अनुसार अमित शाह संताल परगना के भोगनाडीह से परिवर्तन संकल्प यात्रा की शुरुआत करेंगे. भाजपा ने इस बार संताल और कोल्हान में फोकस किया है. भाजपा ने इन दोनों प्रमंडलों में अधिक से अधिक सीटों पर जीत हासिल करने की रणनीति भी बनाई है.

सीएम को पीएम के वंदे भारत ट्रेन शुभारंभ कार्यक्रम का आमंत्रण

रांची। 15 सितंबर को जमशेदपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा जमशेदपुर में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के शुभारंभ कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आमंत्रित किया गया है. गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड रांची स्थित आवास पर रांची रेल मंडल के डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा ने मुलाकात की. इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने 15 सितंबर को जमशेदपुर में आयोजित वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए सादर आमंत्रित किया.

आज जारी होगी मंईयां योजना की दूसरी किश्त

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करम पूर्व संध्या पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री मंईयां योजना की दूसरी किश्त की राशि जारी करेंगे. सीएम लुगुबुरु घंटाबाड़ी धोरोम गाढ़ की भूमि ललपनिया, बोकारो से योजना में शामिल राज्य की 45 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में दूसरी किश्त भेजेंगे.

इससे पहले विभिन्न चरणों में पहली किश्त सीएम जारी कर चुके है. योजना के लाभुकों अबतक 48,15,048 महिलाओं का निबंधन हुआ है. 45,36,597 सम्मान राशि से अब तक आच्छादित हुईं हैं. हर महीने की 15 तारीख तक सबके खाते में राशि भेजने का आदेश सीएम दे चुके हैं.

ऐसे बढ़ रहा योजना का कारवां : तीन अगस्त से मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए आवेदन लेना शुरू हुआ. चार को ऑनलाइन आवेदन जमा करने में आ रही परेशानी को हेमंत ने दूर कर ऑफ लाइन आवेदन लेने का आदेश दिया. 18 अगस्त को पहली बार योजना के तहत पाकुड़ की 80 हजार, 22 को पलामू प्रमंडल के लातेहार, मेदिनीनगर और गढ़वा की 2.50 लाख, 24 को उ. छोटानागपुर के रामगढ़, हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, गिरिडीह, धनबाद और बोकारो की 13 लाख 94 हजार, 27 अगस्त को संताल के देवघर, गोड्डा, पाकुड़, साहिबगंज, दुमका और जामताड़ा की 7 लाख 32 हजार, 28 को कोल्हान के पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला - खरसावां की 7 लाख 32 हजार, 4 सितंबर को द. छोटानागपुर के रांची, खूंटी, सिमडेगा, लोहरदगा और गुमला की 07 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खाते में 70 करोड़ 50 लाख का हस्तांतरण किया गया है.

18 से 50 वर्ष की बहनों को लाभ

मुख्यमंत्री के आदेश और राज्य मंत्रिपरिषद की स्वीकृति के उपरांत अब राज्य की 18 से 20 वर्ष की बेटियों को भी झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से जोड़ने की पहल शुरू हो चुकी है. जल्द इन्हें भी सम्मान राशि प्राप्त होने लगेगी. मालूम हो कि इससे पहले तक 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को योजना से जोड़ने का प्रावधान था.

चेक बाउंस मामले के दोषी को एक साल की सजा व 15 लाख का जुर्माना

रांची। न्यायिक दंडाधिकारी राजकुमार पांडे की अदालत ने गुरुवार को चेक बाउंस मामले के दोषी बिल्डर क्रिस्टोफर बा(55) को एक साल की सजा सुनाई है. साथ ही उस पर 15 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है. जुर्माना नहीं देने पर उसे अतिरिक्त दो माह का साधारण कारावास काटना होगा.बिल्डर क्रिस्टोफर डोरंडा के सचिदानंद स्कूल लेन कुसाई नामकुम रोड का निवासी है. पेशे से शिक्षिका हरिहर सिंह रोड निवासी वैदेही चारी एवं मर्चेंट नेवी में सेवारत उनके पति विवेकानंद चारी ने बिल्डर क्रिस्टोफर बा से कुछ वित्तीय आवश्यकता को बताते हुए लोन लिया था. पैसा लेते समय तय हुआ था कि बदले में या तो आरोपित बिल्डर उन्हें एक पूरी तरह से निर्मित रहने को तैयार फ्लैट देगा या पूरी राशि वापस कर देगा. जब फ्लैट तैयार हो गया तो शिकायतकर्ता ने दिए गए पैसे मांगे तो उसने पोस्ट डेटेड चेक दिया. इसमें से 10 लाख रुपए का एक चेक बाउंस कर गया. इसके बाद 14 सितंबर 2020 को अपने अधिवक्ता संजय कुमार विद्रोही के माध्यम से शिकायतवाद दर्ज कराया.

मौसम का मिजाज साइक्लोनिक सर्कुलेशन से पूरे झारखंड का बिगड़ेगा मौसम

14 से 16 तक रांची के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

शुभम किशोर। रांची

साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण झारखंड में आनेवाले दिनों में मौसम में बारिश का असर देखा जाएगा. 14 से 16 सितंबर तक पूरे राज्य में भारी बारिश की संभावना है. मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो शुक्रवार को राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्से में भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि अन्य हिस्से में मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना है. इसमें दुमका, गोड्डा, गढ़वा, पाकुड़, गिरिडीह, धनबाद, जामताड़ा, साहिबगंज में भारी बारिश की संभावना है. वहीं, 14 और 15 सितंबर को मध्य, दक्षिणी पश्चिम और उत्तर पूर्व में भारी बारिश की जानकारी दी गयी है. इसे लेकर विभाग ने ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है. इसके तहत दुमका, गोड्डा, गढ़वा, पाकुड़, गिरिडीह, धनबाद, जामताड़ा, साहिबगंज, रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां समेत अन्य जिलों में भारी बारिश की जानकारी दी गई है. इस दौरान इन जिलों में भारी बारिश के साथ ही वज्रपात के लिए भी चेतावनी जारी की गयी है. वहीं, 16 हीं सितंबर को राज्य के पश्चिमी हिस्से में भारी बारिश की चेतावनी है. इसके लिए विभाग ने येलो अर्लट जारी किया है. इस दिन पलामू, लातेहार, गढ़वा में भारी बारिश की संभावना है. मौसम विभाग के मुताबिक साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण पूरे झारखंड में 14 से 17 सितंबर तक भारी बारिश की संभावना है. मौसम विभाग के अनुसार साइक्लोनिक सर्कुलेशन से शुक्रवार को बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने कि संभावना है, जिसका असर बंगाल के साथ झारखंड में रहने कि संभावना है. पिछले 24 घंटे में राज्य में कहीं-कहीं पर हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई और राज्य में मॉनसून गतिविधि कमजोर रही. सबसे अधिक बारिश 60.0 एमएम नारायणपुर (जामताड़ा) में दर्ज किया गया. बारिश के कारण अगले 3 दिनों में तापमान में 4 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने कि संभावना है.

आज से बिगड़ सकता है मौसम

मौसम विभाग के अनुसार 13 सितंबर को राज्य के उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा होने की संभावना है. मौसम विभाग ने जारी अलर्ट में लोगों को सावधान किया है कि बारिश के दौरान घर पर ही रहें. इस दौरान वज्रपात से बच कर रहें. पूरे राज्य में जगह-जगह वज्रपात की घटनाएं घट सकती हैं. इसके साथ ही जारी आरेंज अलर्ट का मतलब है कि मूसलाधार बारिश सकती है.

शहर में नियम विरुद्ध चल रहे रूफ टॉप बार और रेस्टोरेंट का संचालन बंद कराएं

संवाददाता। रांची

- हाईकोर्ट ने निगम को दिया निर्देश, कार्रवाई के बाद एक्शन टेकेन रिपोर्ट भी कोर्ट में पेश करें, मामले की अगली सुनवाई 25 सितंबर को

हाईकोर्ट ने शहर में बिना नक्शे की मंजूरी और नियमों के विरुद्ध संचालित सभी रूफटॉप बार व रेस्टोरेंट को बंद करवाने का निर्देश दिया है. कोर्ट ने सुनवाई करते हुए को नगर निगम को मामले में कार्रवाई के बाद एक्शन टेकन रिपोर्ट भी पेश करने को कहा है.

राज्य में ड्रग्स अफीम, चरस, गांजा जैसे मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर रोक के लिए स्वतः संज्ञान के आधार पर दर्ज जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए मौखिक तौर पर कहा कि लालपुर क्षेत्र में कई रूफटॉप बार एवं रेस्टोरेंट चल रहे हैं. इन्हें तुरंत बंद कराया जाए. हरमू इलाके में कॉउज रेस्टोरेंट के पास पार्क में गांजा-चरस की बिक्री हो रही है. इसे रोकने के लिए प्रभावी उपाय किए जाने चाहिए. राज्य सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि रांची सहित पूरे राज्य में गांजा, अफीम जैसे मादक पदार्थों की बिक्री रोकने को लेकर अभियान चल रहा है. प्रतिदिन तस्कर पकड़े जा रहे हैं. इस मामले में पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार को शिक्षणों संस्थानों और मंदिरों के पास चल रही शराब की दुकानें और बार को बंद कराने और उनका लाइसेंस रद्द करने का निर्देश दिया था. कोर्ट का था कि लालपुर, डोरंडा, बिरसा चौक के आसपास, तुपुदाना में कई रेस्टोरेंट खुले हैं, जहां देर रात तक बिना लाइसेंस के शराब सर्व की जाती है. कोर्ट ने ऐसे बार-रेस्टोरेंट के खिलाफ कड़ा एक्शन लेने का भी निर्देश दिया गया था. मामले की अगली सुनवाई की तारीख 25 सितंबर मुकर्रर की गई है. कोर्ट ने राज्य आवास बोर्ड के अधिवक्ता को कावस रेस्टोरेंट के पास पार्क को नगर निगम को दो सप्ताह में हस्तांतरित करने का निर्देश भी दिया है, ताकि रांची नगर निगम द्वारा यहां जल्द से जल्द टेंडर कर पार्क का सौंदर्यीकरण संभव हो सके.

दूसरे दिन भी एसीबी ने एसडीओ व सीओ के ठिकानों पर की रेड

संवाददाता। रांची

बड़गांई अंचल में कथित जमीन घोटाला मामले में हजारीबाग एसडीओ शैलेश सिन्हा और नोवामुंडी के सीओ मनोज कुमार के ठिकाने पर छापेमारी हुई. गुरुवार को एसीबी की टीम को राधा कृष्णा अपार्टमेंट में मनोज कुमार के दो फ्लैट मिले हैं, जिसकी जांच की जा रही है. वहीं शैलेश कुमार का रांची के चिरौंदी में एक घर होने की जानकारी मिली है. गुरुवार की सुबह इन दोनों ही स्थानों एसीबी की टीम पहुंची और जांच की.

एसडीओ शैलेश कुमार के ठिकाने से क्या-क्या हुआ बरामद : उनके आवास से बरामद जमीन संबंधी कुल 11 डीड मिले हैं. वहीं कुछ नकद राशि मिलने की भी जानकारी मिली है. साथ ही मोबाइल,लैपटॉप और टैब मिलने की भी सूचना आ रही है.

एसडीओ और सीओ से हुई पूछताछ : हजारीबाग एसडीओ शैलेश सिन्हा और नोवामुंडी के सीओ मनोज कुमार को एसीबी ने बुधवार को हिरासत में लिया था, जिसके बाद दोनों को एसीबी की टीम अपने साथ रांची ले आई थी. जहां दोनों से पूछताछ की गई. गौरतलब है कि निगरानी कोर्ट से वारंट लेने के बाद एसीबी ने बुधवार की सुबह दोनों अधिकारियों के दफ्तरों, सरकारी आवासीय परिसरों और निजी आवासीय परिसरों में एक साथ छापेमारी शुरू की थी.

बड़गाईं जमीन घोटाले का मामला, नकद व अन्य सामान मिले

कहां-कहां हुई छापेमारी : एसीबी की टीम ने सीओ मनोज कुमार के नावामुंडी स्थित टाटा स्टील के अस्थायी आवास, नवामुंडी अंचल कार्यालय स्थित कार्यालय, रांची के रामेश्वरम लेन स्थित आरके एन्क्लेव स्थित फ्लैट पर एक साथ छापेमारी की. इसके अलावा एसीबी की टीम ने शैलेश सिन्हा के गिरिडीह स्थित पैतृक आवास, उनके पिता उदय सिन्हा के आवास, हजारीबाग एसडीओ कार्यालय और सरकारी आवास पर छापेमारी की थी. एसीबी की छापेमारी से पूरे महकमे हड़कंप मच गया है.

सीओ मनोज कुमार के ठिकाने से क्या क्या हुआ बरामद

- धनबाद जिले में चार डिसमिल जमीन से संबंधित कागजात.
- धनबाद जिले में छह डिसमिल जमीन का अन्य दस्तावेज
- रांची में लगभग 1.02 करोड़ का एक डुप्लेक्स संबंधी दस्तावेज.
- दो मोबाइल फोन

रांची के सदर थाना में दर्ज मामले को एसीबी ने किया टेकओवर

अप्रैल 2023 में ईडी ने बड़गाईं अंचल के राजस्व उपनिरीक्षक भानु प्रताप के आवास से बड़ी संख्या में सरकारी दस्तावेज जब्त किए थे. ईडी ने पीएमएलए की धाराओं के तहत राज्य सरकार को इससे संबंधित जानकारी दी थी, जिसके बाद रांची डीसी के आदेश पर एक जून 2023 को सदर थाना में कांड संख्या 272/23 दर्ज किया गया था. सदर थाना में दर्ज इस मामले के आधार पर ईडी ने जमीन घोटाले का नया मामला दर्ज किया था और बड़गाईं में 8.86 एकड़ जमीन की धोखाधड़ी की ईसीआईआर दर्ज की थी. जांच के दौरान ईडी ने बड़गाईं के पूर्व सीओ शैलेश सिन्हा और मनोज कुमार का बयान दर्ज किया था. ईडी ने दोनों से लंबी पूछताछ की थी, बाद में दोनों को गवाह भी बनाया गया था.

घर के शौचालय के पास केन बम मिलने से हड़कंप

लातेहार। महुआडांड़ क्षेत्र के रेगांई गांव में गुरुवार सुबह एक केन बम पाया गया. यह केन बम रोमानूस केरकेट्टा के घर के पास मिला. इससे गांव में हड़कंप मच गया. रेगांई पंचायत के मुखिया के पति ने बम की सूचना महुआडांड़ थाने को दी. डीएसपी हिमांशु मांझी व थाना प्रभारी अवनीश कुमार, आईआरबी व सीआरपीएफ के जवानों के साथ गांव पहुंचे. केन बम देखने से लगा कि जला कर विस्फोट करने का प्रयास किया गया है. घर के शौचालय के सामने केन बम रखा गया था. रोमानुस ने बताया कि वह गरीब किसान है. एसडीपीओ ने बताया, बम ब्लास्ट होने पर नुकसान हो सकता था. घर के शौचालय के पास केन बम बरामद किया गया. मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड को बुलवाया. बम निरोधक दस्ते ने बम को डिफ्यूज कर दिया. पुलिस मामले की जांच कर रही है. उन्होंने कहा कि मामला आपसी रंजिश का हो सकता है. बहरहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

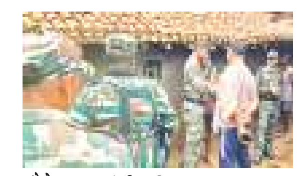

मौके पर पहुंची पुलिस.

ब्रीफ खबरें

दो अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम

रातू। थाना क्षेत्र के ललित ग्राम में गोविंद नगर निवासी अखिलेश कुमार सिंह की पत्नी चंदन सिंह से बाइक सवार दो अपराधियों ने गले से सोने की चेन झपट फरार हो गये. घटना गुरुवार को दिन के करीब 2 बजे की है. मामले को लेकर पीड़िता की ओर से रातू थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है.

बुंडू की डेकोरेटेड लाइट नहीं जलती

बुंडू। नगर पंचायत ने सड़क किनारे डेकोरेटेड लाइट लगवाई है, लेकिन योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयी. वर्तमान में सड़क किनारे लगी दर्जनों डेकोरेटेड लाइट नहीं जलती है. लाइटें खराब हो गई हैं. लाइट जितनी सुंदर दिखनी चाहिए वो नहीं दिख रही है. ठेकेदार लाइट लगाकर एक बार ताक झांकने तक नहीं आता है. कोई रखरखाव नहीं है.

युवाओं ने श्रमदान से रास्ता बनाया

राहे। राहे ब्राह्मण टोला से कोकरो नदी श्मशान घाट तक जाने के लिए सुलभ रास्ता युवाओं ने आपसी सहयोग से जेसीबी मशीन से रास्ता काट कर बनाया. इसमें मानस बनर्जी, पवित्र मुख़र्जी, बीरेंद्र रॉय, शुभम चटर्जी, कमल स्वरुप मुख़र्जी, नयन चटर्जी, सुखु चटर्जी, अभिषेक चटर्जी, गोपाल बनर्जी, कृष्णा चटर्जी आदि ने योगदान दिया.

भादो मिलन समारोह धूमधाम से संपन्न

बुंडू। पंच परगना उच्च विद्यालय ताऊ बुंडू के मैदान में गुरुवार को भादो मिलन समारोह का आयोजन किया गया. इस समारोह में पूरे पंच परगना क्षेत्र की स्थानीय सांस्कृतिक टीमों के कलाकारों ने भाग लिया. आयोजन समिति के ओर से ग्रामीण दल के टीमों स्थानीय सांस्कृतिक संगीत टीमों के साथ नाचने गाने का मौका दिया.

करम पूर्व संध्या समारोह आयोजित

लापुंग। करमा आदिवासियों और मूलवासियों की साझा संस्कृति और पूर्वजों की धरोहर है. हमें अपनी संस्कृति और परंपरा बचाए रखने की जरूरत है. उक्त बातें बेड़ो के ऐतिहासिक महादानी मैदान में प्रखंड स्तरीय 25 वीं करम पूर्व संध्या कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य अतिथि पूर्व डीडीसी डॉ परमेश्वर भगत ने कहीं.

बालिका विद्यालय का टीम ने किया परिभ्रमण

राहे। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की और से आयोजित जेसीइआरटी में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण ले रहे कस्तूरबा गांधी विद्यालय की प्रशिक्षु शिक्षकों की टीम ने पीसीआई के नवाब परवेज के नेतृत्व में राहे के झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय का परिभ्रमण किया. शिक्षकों ने कैंपस, क्लास रूम, लैब, लाइब्रेरी, जिम, साइंस लैब, छात्रावास आदि की जानकारी ली. इस दौरान टीम ने रसोईघर को भी देखा.

एनआरसी लागू करना चाहती है भाजपा : कांग्रेस

रांची। भाजपा झारखंड में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करना चाहती है. प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि केंद्र सरकार पिछले दरवाजे से झारखंड में एनआरसी लागू करना चाहती है. केंद्र सरकार ने न्यायालय में दाखिल अपने हलफनामे में जनसंख्या वृद्धि का आंकड़ा पेश कर उसे घुसपैठ से जोड़ने की कोशिश की है. केंद्र सरकार द्वारा जो आंकड़े दिए गए हैं वह सीधे अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की कोशिश में पहला कदम है.

सरकार आपके द्वार शिविर में 961 मामलों में 291 का ऑन स्पॉट निष्पादन

मुखिया की हड़ताल खत्म होते ही शिविर में उमड़ी भीड़

सुनील कुमार गुप्ता। लापुंग

लापुंग प्रखंड की सापुकेरा पंचायत सचिवालय में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी उषा मिंज ने कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से योजनाओं को लाभुकों के पंचायत और गांव तक पहुंचाया जा रहा है. सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए सरकार आपके द्वार कार्यक्रम तक लाभुकों का पहुंचना और आवेदन देना बड़ी प्राथमिकता है. नियमानुकूल सभी लाभार्थियों को उनके योग्य योजना का लाभ निश्चित रूप से दिया जाएगा. उन्होंने लाभुकों को बताया कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का पोर्टल फिलहाल बंद कर दिया गया है. लेकिन जैसे ही पोर्टल चालू होगा ऑनलाइन आवेदन सबमिट होगा.

इस मौके पर पंचायत सचिवालय में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान 961 मामलों में से 291 मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया गया. सर्वाधिक अबुआ आवास के 337 आवेदन प्राप्त किए गए. वहीं प्रखंड प्रमुख कंचन उरांव ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार बहुत ही बेहतर तरीके से कार्य कर रही है. अगर किसी योग्य व्यक्ति को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा तो यह समझना चाहिए कि लाभुक में किसी तरह की जागरूकता नहीं है. वहीं सापुकेरा पंचायत की मुखिया सविता उरांव ने कहा कि मुखिया संघ से जुड़े सभी मुखिया की हड़ताल टूट गई है. सभी मुखिया अब काम पर जुट गए हैं. इसी का असर है कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान इस वर्ष सापुकेरा पंचायत पहला पंचायत है जहां सर्वाधिक लाभुकों की उपस्थिति देखी जा रही है. मुखिया सविता उरांव ने कहा कि हम सभी जनप्रतिनिधि हाड़तोड़ मेहनत कर लोगों में जागरूकता ला रहे हैं, लेकिन उन्होंने प्रश्न उठाया कि मनरेगा कर्मियों एवं पंचायत सेवकों की हड़ताल है लेकिन सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, वन विभाग, विद्युत विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि तकनीकी विभाग सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और कर्मचारी का अनुपस्थित रहना बहुत ही गंभीर मसला है. जो अनुपस्थित है उनके ऊपर कार्रवाई होनी चाहिए. जनता बहुत उम्मीद के साथ सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में पहुंचती हैं और यहां निराशा हाथ लगती है. यह अत्यंत दुखद मामला है. कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जयंत बरला ने भी कहा कि पदाधिकारी की अनुपस्थिति पर शो-कॉज करने की जरूरत है. इस मौके पर स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सीआरपी चंद्रमोहन ठाकुर, पूर्व पंचायत समिति सदस्य नसीम आलम, सुजीत कुमार, उपेंद्र नाग, मुन्ना साहु, सीएचओ वंदना तिर्की, शिशिर बरला, जीएनएम नीलम आईंद, बीएफटी तेंबा उरांव, विनोद उरांव, गोपाल बडाईक, सौरभ जयसवाल, आंगनबाड़ी सेविका सीमा देवी, वीणा कुजूर, पौलिना सांगा, रौशन प्यारी खाखा, आशा देवी, अंजेला धान, मुनेरन टोप्पनो, कमला देवी, जेएसएलपीएस की जेंडर समन्वयक सुशीला कुमारी सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान स्टॉल का निरीक्षण करतीं मुखिया सविता उरांव.

चेहल्लुम मेले में शस्त्रों से हैरतअंगेज खेल का प्रदर्शन

मांडर। मलती पंचायत अंतर्गत सेंट्रल मुहर्रम कमिटी मलती की ओर से दुमदुमिया मेला टांड़ में गुरुवार को चेहल्लुम मेले का आयोजन किया गया. मेले में 19 गांव के मुहर्रम अखाड़ों उपस्थित हुए और लाठी तलवार व अन्य शस्त्रों के हैरतअंगेज खेल का प्रदर्शन किए. आयोजन कमिटी की ओर से बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीमों को नगद व तलवार देकर सम्मानित किया गया. इससे पहले मेला की शुरुआत मांडर थाना के दरोगा अरविंद कुमार व जिला परिषद प्रतिनिधि रबुल अंसारी ने तलवार भांजकर की. रबूल ने अखड़ा धारियो को संबोधित करते हुए कहा यह त्यौहार मुसलमानों को इमाम हुसैन के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरणा लेने और एक बेहतर इंसान बनने का संदेश देता है.

साइंस विजन में सम्मान समारोह का आयोजन

बुढ़मू। साइंस विजन पब्लिक स्कूल मारवा में रंगारंग कार्यक्रम सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया. मौके पर 2013 से 2024 तक मैट्रिक में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी और शिक्षकों को मोमेंटम और शाल देकर सम्मानित किया गया. इस दौरान विद्यालय के छात्र व छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया. विद्यालय के निदेशक आसिम अख्तर ने कहा कि अभिभावक और शिक्षकों के सहयोग से यहां के विद्यार्थी देश में बेहतर जगहों पर कार्य कर रहे हैं. समारोह के सफल आयोजन में प्रधानाध्यापिका बिना देवी, मोइनुल इस्लाम, मसीयुला अंसारी, मनोज कुमार, सुनील कुमार, दिया दमयंती सिंह, मौसमी देवी, मनीता देवी, रोशन आरा आदि की अहम भूमिका रही.

न्यूज अपडेट

चतरा में दो पक्ष भिड़े, हुई एक महिला की हुई मौत

चतरा। हंटरगंज थाना क्षेत्र के गेजना पंचायत के ग्राम गेंजना में दो पक्षों में हुई मारपीट की घटना में एक महिला की मौत हो गई. मृतक युवती का नाम शकुंती देवी है. बताया जाता है कि दोनों पक्षों के लोग किसी बात को लेकर आपस तू-तू, मैं-मैं कर रहे थे. बात बढ़ कर मारपीट तक पहुंच गई. इस घटना में 3 लोगों ने मिलकर शकुंती देवी को बुरी तरह से मारपीट कर दिया. मारपीट से सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलते ही हंटरगंज थाना प्रभारी मनीष कुमार मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया.

किचेन का शेड गिरा, दबने से एक की हुई मौत

विष्णुगढ़। बरांय में स्कूल के किचेन शेड की दीवार गिरने से पंचायत के मुखिया राजेंद्र मंडल के भाई विशाल मंडल की दब कर मौत हो गई. घटना बुधवार की है. मृतक वहां वायरिंग का काम रहा था. इसी क्रम में शेड की दीवार गिर गयी और दबने से उसकी मौत हो गई. बगोदर के पूर्व विधायक नागेंद्र महतो ने परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया. जिप सदस्य शेख तैयब ने भी शोक जताया. शेड का निर्माण कराने वाले ठेकेदार पर भी सवाल खड़े हुए. शेड का घटिया निर्माण इस दुर्घटना की वजह बताई गई. ठेकेदार से मुआवजा दिलाने पर पूर्व विधायक ने समझौता करवाया. इस दौराने इलाके के मानिंद लोग भी मौजूद थे.

लोहरदगा में कुएं से चार शव मिलने से हड़कंप

लोहरदगा। कुड़ु एवं कैरो थाना क्षेत्र के मकरा घाट के पास कुंए में गुरुवार को महिला समेत तीन बच्चों के शव मिलने से हड़कंप मच गया. पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया. जानकारी के अनुसार कैरो थाना क्षेत्र के हुदू के फूलदेव मुंडा की पत्नी बच्चों के साथ मंगलवार को मायके जाने के लिए घर से निकली थी, जिसके बाद वापस नहीं लौटी. वहीं गुरुवार को कुएं में शव होने की खबर आई. जिसके बाद कैरो पुलिस शवों को बाहर निकाला. इधर शव बाहर निकाले जाने के बाद मृतक की पहचान हुदू निवासी फूलदेव उरांव की पत्नी ऊषा मुंडा के रूप में हुई है. उसके साथ-साथ सात वर्ष, चार वर्ष व एक वर्ष का बच्चा भी मां के साथ बंधा हुआ था.

प्रेमी जोड़े को जूतों की माला पहना कर घुमाया

साहिबगंज। बोरियो के मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र युगल प्रेमी को गले में जूते-चप्पल की माला पहना कर गांव में घुमाने का मामला प्रकाश में आया है. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वाकया मंडरो प्रखंड की बच्चा पंचायत के खैरवा गांव का है. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस खैरवा गांव पहुंचकर दोषियों की पहचान में जुट गई है. पुलिस का कहना है कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है. इस प्रकार की घटना को अंजाम देने वालों के खिलाफ जल्द कार्रवाई होगी. पुलिस ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है.

अमर बाउरी ने परिजनों को दी सहायता राशि

चान्हो। प्रखंड के टांगर गांव में गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी पहुंचे और मृतिका आरती कुजूर के परिजन से मिलकर एक लाख रपये की सहायता राशि दी. उन्होंने कहा कि राज्य में अगर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो उत्पाद सिपाही भर्ती प्रतियोगिता परीक्षा में जान गंवाने वाले सभी अभ्यर्थियों के परिजनों को 50 लाख रुपये और आश्रितों को एक-एक सरकारी नौकरी उपलब्ध कराई जाएगी. पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर ने कहा कि घटना की जितनी भी निंदा की जाए कम है. मौके पर युवा भाजपा नेता सन्नी टोप्पो, जिप सदस्य आशुतोष तिवारी, नीतू कुजूर, प्रदीप महली आदि उपस्थित रहे.

गणपति बप्पा के भंडारा में उमड़ी हजारों की भीड़

बेड़ो। श्री राधे-कृष्ण यूथ संगम के तत्वावधान में आयोजित छह दिवसीय गणपति बप्पा के महोत्सव के पांचवें दिन गुरुवार को ढोल नगाड़ा गाजा बाजा एवं शंख की प्रतिध्वनि के बीच गणपति बप्पा का सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया. भंडारा कार्यक्रम के दौरान हजारों श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों की भीड़ उमड़ पड़ी. पूर्व शिक्षा मंत्री नीरा यादव, पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की, मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की,अनुसूचित जनजाति मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव, हिंदु वादी नेता भैरव सिंह, झारखंड राज्य स्वास्थ्य विभाग के पूर्व निदेशक प्रमुख डॉ प्रवीण चन्द्रा, डॉ परमेश्वर भगत, पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर आदि ने गणपति बप्पा का दर्शन किया.

करम पूर्व संध्या में दिखी आदिवासी परंपरा की झलक

रातू। प्रखंड मुख्यालय परिसर में आयोजित करम पूर्व संध्या महोत्सव में सैकड़ों की भीड़ उमड़ी. गीत-नृत्य से आदिवासी परंपरा की झलक देखने को मिली. युवक-युवती मांदर की थाप पर थिरक उठे. कार्यक्रम में माधुरी मंजरी, राज्य सभा सांसद दीपक प्रकाश, विधायक नवीन जायसवाल, आजसू के भरत कांशी, जिप अध्यक्ष निर्मला भगत, जिप सदस्य मनीषा कांशी व जोहार पार्टी के विजय महतो बतौर अतिथि थे. उन्होंने खोड़हेधारियों को पुरस्कृत कर त्योहार की अग्रिम बधाई दी. कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि बिमल उरांव, भाजपा एसटी मोर्चा के कृष्णा उरांव समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए.

करम पूर्व संध्या कार्यक्रम में हुए पारंपरिक नृत्य

चान्हो। थाना क्षेत्र के चोरेया गांव में गुरुवार को करम पूर्व संध्या का आयोजन किया गया. इसका आयोजन 21 पड़हा बनगंवा, चान्हो, मांडर और बुढ़मु की ओर से किया गया था, जिसमें विभिन्न गांवों से 28 खोढ़ा उपस्थित हुए. आयोजन समिति की ओर से मुख्य अतिथि के रूप में युवा भाजपा नेता सन्नी टोप्पो तथा विशिष्ठ अतिथि जिला परिषद सदस्य चान्हो पूर्वी सह आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव आशुतोष तिवारी को आमंत्रित किया गया था. कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष दिलीप उरांव, 21 पढ़हा दीवान मनोज किसपोट्टा, सचिव मनोहर उरांव, पूर्व मुखिया भंगा उरांव, एतवा पाहन, महादेव उरांव, अगनू उरांव, मनोज उरांव, नेहरू उरांव, महादेव उरांव, राजू उरांव, सुखदेव उरांव, प्रभू उरांव, बुधवा उरांव, महावीर उरांव, बुधदेव उरांव, चंद्रमोहन उरांव आदि का योगदान रहा.

डॉ. विनीता बुंडू कॉलेज के नए प्रिंसिपल बनीं

बुंडू। रांची विश्वविद्यालय रांची ने पांच परगना किसान कॉलेज बुंडू का नया प्राचार्य डॉ. विनीता कुमारी को बनाया. नया प्राचार्य ने गुरुवार को कॉलेज में पदभार ग्रहण किया. उनका कॉलेज के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने स्वागत किया. इधर पांच परगना किसान कॉलेज छात्र संघ के नेता राजू कुमार उर्फ राजीव के नेतृत्व में छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने डॉ.विनीता कुमारी को बुके भेंट कर उनका स्वागत किया. छात्र नेता राजू कुमार ने कॉलेज में गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण, बीएड तथा बाक़ी विषयों में स्नातकोत्तर की पढ़ाई शुरू करने तथा बेहतरीन शैक्षणिक माहौल बनाने की मांग की. प्राचार्य डॉक्टर विनीता कुमारी ने छात्रों की मांग को विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष ले जाने का आश्वासन दिया. प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से केशव महतो, अनिल कुमार, नरसिंग महतो, राजेश महतो, रौशन कुमार, विष्णु प्रसाद आदि मौजूद थे.

टिकेतरी गांव के लोगों ने लगाया बैनर शराब पीते पकड़े जाने पर 5000 जुर्माना

डकरा। टिकेतरी गांव के निवासी लंबे समय से शराबियों की हरकतों से परेशान होकर सख्त कदम उठाने पर मजबूर हो गए हैं. गांव की मुख्य सड़क पर एक बैनर लगाया गया है, जिसमें स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि गांव में शराब पीते हुए पकड़े जाने पर 5000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा. गांववालों ने बताया कि शराबी अक्सर सड़क किनारे शराब पीकर बोतलें तोड़ते हैं, जिससे जानवरों के पैरों में कांच चुभने और आसपास गंदगी फैलने की घटनाएं बढ़ गई हैं. इसके अलावा, शराबियों की वजह से गांव का वातावरण भी दूषित हो रहा है, जिससे ग्रामीणों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है. गांव की पंचायत और स्थानीय लोगों ने मिलकर यह निर्णय लिया कि शराब पीते हुए किसी को पकड़ा गया तो उस पर 5000 का जुर्माना लगाया जाएगा और साथ ही उसे चेतावनी भी दी जाएगी. इस नियम को सख्ती से लागू करने के लिए गांव के मुख्य रास्ते पर बैनर लगा दिया गया है ताकि शराबी वहां आने से बचें और गांव का वातावरण स्वच्छ रहे. ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस कदम से गांव में शांति और स्वच्छता बनी रहेगी.

चोर गिरोह के और दो गुर्गे चढ़े पुलिस के हत्थे, चोरी के सामान हुए बरामद

संवाददाता। खूंटी

खूंटी शहर में बंद घरों और दुकानों में ताबड़तोड़ चोरी की घटना को अंजाम देने वाले चोर गिरोह के और दो गुर्गे पुलिस के हत्थे चढ़ गये. गिरफ्तार आरोपितों में खूंटी महादेव टोली निवासी नितिन नायक और अजय नायक शामिल हैं. पुलिस ने दोनों को गुरुवार को जेल भेज दिया. पुलिस ने उनके पास से चोरी का टीवी बरामद किया है. यह जानकारी गुरुवार को खूंटी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक ने प्रेस कांफ्रेंस में दी. उन्होंने बताया कि आरोपितों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है. उन्होंने बताया कि पकड़े गये चोर अपने सहयोगियों के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देते थे. नितिन नायक जतन ज्वेलरी, कर्रा और तोरपा रोड चेक नाका के पास बंद घर से चोरी की घटना में शामिल था. उन्होंने बताया कि एक अन्य आरोपित राज नायक उर्फ रीझा नायक अब तक फरार है. गिरोह के चार सदस्य बिट्टू नायक, मयंक नायक, मिठू नायक उर्फ कार्तिक और सोनू महतो को बुधवार को जेल भेजा गया. आरोपितों की गिरफ्तारी में खूंटी थाना प्रभारी मोहन कुमार, पुअनि नितेश कुमार गुप्ता, मंटु कुमार, अगुस्टन लुगुन और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे.

चोरी करते रंगे हाथों पकड़े गये व्यक्ति को भेजा गया जेल

कर्रा रोड नवाटोली के एक निर्माणाधीन मकान में चोरी करते नागरिकों द्वारा पकड़कर पुलिस को सौंपे गये नीरज वर्मा को पुलिस ने गुरुवार को जेल भेज दिया. गिरफ्तार आरोपित नीरज वर्मा की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी का तांबा तार और चोरी में प्रयुक्त सामान को बरामद किया है. एसडीपीओ वरूण रजक ने बताया कि आरोपित ने चोरी करने की बात स्वीकार कर ली है.

प्राचार्य पद सृजन हेतु घोषित आंदोलन का आगाज

संवाददाता। सोनाहातू

सरकारी 2 विद्यालयों में प्राचार्य पद सृजन के मांग को लेकर झारखण्ड 2 शिक्षक संघ ने राज्यव्यापी आंदोलन प्रारंभ किया है. इसके तहत राज्य के सभी प्लस टू विद्यालयों में कार्यरत सभी पीजीटी, प्रयोगशाला सहायक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों ने "काला बिल्ला" लगाकर कार्य किया. संघ के प्रांतीय अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद ठाकुर ने कहा कि "एक तरफ सरकार 2 विद्यालयों को उत्कृष्ट और आदर्श विद्यालय बनाने का दावा कर रही है तो वहीं दूसरी ओर इन विद्यालयों का प्रशासन संभालने वाले प्राचार्य पद की नियुक्ति तो दूर की बात उन पदों का दशकों से सृजन भी नहीं किया है. प्रांतीय कोषाध्यक्ष उदय शंकर मंडल ने कहा कि राज्य में गुणात्मक शिक्षा की सुनिश्चितता एवं 2 विद्यालयों के समुचित संचालन हेतु आवश्यक है कि सभी 2 विद्यालयों में नियमावली के अनुरूप प्राचार्य पद का सृजन तथा नियुक्ति हो. 2 विद्यालयों के संचालन का दायित्व 2 शिक्षक को ही दिया जाय. प्रांतीय संरक्षक सुनील कुमार ने कहा कि संघ पिछले कई वर्षों से लगातार उक्त दोनों विषयों को, जिला कार्यालय से लेकर सचिवालय तक प्रखरता से रखता आया है, परंतु विडंबनापूर्ण स्थिति है कि विभाग द्वारा इस पर सार्थक एवं धरातलीय कार्रवाई नहीं की जा रही है.

ओरमांझी में नेत्रदान जागरूकता रैली निकाली गई

ओरमांझी। झारखंड नेत्र सोसाइटी व फ्लोरेंस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब और कश्यप मेमोरियल आई बैंक के संयुक्त तत्वाधान में नेत्रदान जागरूकता अभियान चलाया गया. इसके अंतर्गत कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल के नेत्र विशेषज्ञों ने फ्लोरेंस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्रशिक्षु नर्स, फार्मा छात्रगण एवं अन्य पारा मेडिक्स को आई डोनेशन के महत्व के बारे में समझाया और बताया कि किस परिस्थिति में मृत्यु उपरांत अपने परिजन का नेत्रदान कर सकते हैं और किस परिस्थिति में मृत्यु उपरांत नेत्रों का दान नहीं किया जा सकता. मौके पर फ्लोरेंस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की 700 की संख्या में प्रशिक्षु नर्स, फार्मा छात्रगण, अन्य पारा मेडिकल एवं कर्मचारियों के द्वारा नेत्रदान जागरूकता की एक रैली भी निकली. साथ में कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल के नेत्र विशेषज्ञों ने फ्लोरेंस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की डायरेक्टर डॉ. शाहीन के साथ मिल कर इस रैली का नेतृत्व किया.

आयोजन कांग्रेस का संवाद आपके साथ कार्यक्रम के तहत पीसीसी अध्यक्ष पहुंचे धनबाद

गठबंधन सरकार के कार्यों के साथ जाएं चुनाव में : महतो

विशेष संवाददाता। रांची/धनबाद

संवाद आपके साथ कार्यक्रम के तहत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने धनबाद मे कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि झारखंड में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. आपकी पूरी कोशिश होनी चाहिए कि महागठबंधन सरकार के किए कार्यों के आधार पर जनता के बीच जाएं और इस जिले की तमाम विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज करने में अपनी अहम भूमिका निभाएं। झारखंड में आज विपक्ष के पास हमारी सरकार के खिलाफ बोलने को कुछ नहीं वह सिर्फ जनता की आंखों पर झूठ की पट्टी चढ़ाना चाहते हैं. महागठबंधन सरकार ने जनहित के कई कार्य किए हैं जिससे विपक्ष विचलित है उन्हें जनता को बरगलाने का कोई मौका नहीं मिल रहा है इसलिए वह झूठ का जाल बुनने में लगे हैं हमें इस जाल को काटना है.

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने धनबाद में नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया.

देश तोड़ने वाली शक्तियों से मिलकर सामना करना है

उन्होंने कहा कि अनुशासन ही मनुष्य को आगे बढ़ाने का काम करता है,संगठन में किसी व्यक्ति के प्रति निष्ठा नहीं बल्कि संगठन और नेतृत्व के प्रति निष्ठा और आस्था रखनी चाहिए .इससे संगठन के सिद्धांतों के अनुपालन मजबूती मिलेगी .आप उस कांग्रेस के निष्ठावान सदस्य हैं जिसका त्याग, तपस्या और बलिदान का इतिहास है. देश के एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति कांग्रेस नेतृत्व ने दिया है,आज देश को तोड़ने वाली शक्तियां सक्रिय हैं हमें मिलकर उनका सामना करना है और उनके मंसूबों को असफल करना है. इस मौके पर इस अवसर पर पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह, बृजेंद्र सिंह,मदन महतो,विजय सिंह,रवींद्र वर्मा,सोशल मीडिया चेयरमैन गजेंद्र सिंह,सुनील सिंह,ओबीसी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अभिलाष साहू,राजेश चंद्र राजू,ज़िला अध्यक्ष संतोष सिंह , कार्यकारी अध्यक्ष रसीद रजा, ज़िला पदाधिकारीगण, अग्रणी संगठन ज़िला अध्यक्ष सहित सहित कई उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

15 बुजुर्ग कैंसर सर्वाइवर किये गये सम्मानित

रांची। एचसीजी अब्दुर रज्जाक अंसारी कैंसर हॉस्पिटल, रांची के तत्वावधान में गुरुवार को 15 बुजुर्ग कैंसर सर्वाइवर सम्मानित किये गये. इस अवसर पर अस्पताल परिसर में आयोजित इवेंट में चीफ गेस्ट अनिल पाल्टा, आईपीएस (एडीजी), झारखंड के साथ गेस्ट ऑफ ऑनर मिस्टर सईद अहमद अंसारी, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एचसीजी अब्दुर रज्जाक अंसारी कैंसर हॉस्पिटल, रांची और अरुण मिश्रा, जो कैंसर सर्वाइवर्स में से एक हैं, मौजूद थे. सौरभ कांति मंडल, सीओओ एआरए कैंसर हॉस्पिटल, रांची ने कहा, "कैंसर केयर के लीडिंग प्रोवाइडर के रूप में, हम बुजुर्ग पेशेंट्स की यूनिक जरूरतों को एड्रेस करने के लिए समर्पित हैं. इन सर्वाइवर्स की रेजिलिएंस को देखना और उनकी रिमार्केबल जीत का जश्न मनाना एक सम्मान की बात है.

ग्रामीण विकास के लिए सरकार और नाबार्ड के बीच एमओयू शीघ्र

रांची । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके कांके रोड स्थित आवास पर झारखंड क्षेत्रीय कार्यालय नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक एसके जहांगीरदार ने मुलाकात की. इस दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) राज्य में ग्रामीण आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिए प्रतिबद्ध है. राज्य सरकार एवं नाबार्ड के बीच जल्द एक एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम आयोजित किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री के साथ उनकी विस्तृत चर्चा हुई. मुख्यमंत्री सोरेन से जहागीरदार ने कहा कि एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम सम्पन्न होने के पश्चात नाबार्ड द्वारा प्राथमिकता के साथ राज्य में ग्रामीण आधारभूत संरचनाओं के विकास हेतु अतिरिक्त फंड उपलब्ध कराया जा सकेगा. इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने नाबार्ड इन झारखंड पुस्तक का विमोचन भी किया. इस पुस्तक में वित्तीय वर्ष 2023-24 में नाबार्ड द्वारा राज्य में किए गए विकास कार्यों का पूर्ण ब्योरा समाहित है.

पंचायत सचिवों की हड़ताल खत्म, मंत्री का जताया आभार

रांची। लंबे समय से हड़ताल पर गये पंचायत सचिवों ने सरकार के साथ सहमति बनने के बाद गुरुवार को हड़ताल वापस ले ली. ग्रामीण विकास मंत्री इरफान अंसारी और विभागीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रोजेक्ट भवन में हुई वार्ता के बाद यह फैसला हुआ. पंचायत सचिव संघ द्वारा दो प्रमुख मांग सरकार से की जा रही थी. मूल ग्रेड पे 2400 रुपए करना, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी के पद पर 25% में वरीयता के आधार पर प्रोन्नति तथा आरक्षित 25% पद पर सीमित प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से रिक्तियों को भरना. मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने महत्वपूर्ण घोषणाएं की. मंत्री ने बताया कि इन मांगों को लेकर विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया है. इसे विधि सम्मत कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों के परामर्श के बाद आगे बढ़ाया जाएगा. साथ ही, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी के पद पर प्रोन्नति के संबंध में विभागीय अधिसूचना संख्या 1963/प0, दिनांक 02.07.2015 का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि 25% पद वरीयता के आधार पर और शेष 25% पद सीमित प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से भरे जाएंगे.

श्रद्धा-भक्ति : स्वयं जगदंबा की प्रतिमा गढ़ी, सजाया मां का दरबार और पा ली लोकप्रियता

भक्ति ऐसी कि प्लंबर से कलाकार बन गया अंजित नायक

राजन बॉबी। रांची

राजधानी में यूं तो दर्जनों स्थानो पर लाखों खर्च कर ताम-झाम से दुर्गोत्सव मनाया जाता है, लेकिन पिस्का मोड़, देवी मंडप रोड के नायक चौक की पूजा की बात ही कुछ अलग है. यहां लाखों खर्च तो नहीं किए जाते, पर मां दुर्गा की भक्ति से लबरेज प्लंबर अंजित नायक की कलाकारी से पूजा स्थल का कोना-कोना दमकता है. यही कारण है कि मोहल्ले के लोग भी दिल खोल कर सहयोग करते हैं.

तन-मन और धन से समर्पित होकर कलश स्थापना से विसर्जन तक पूर्ण सहयोग देते हैं. मां दुर्गा के पूजनोत्सव का छोटा पौधा अब वट वृक्ष का रूप ले चुका है. नायक चौक में भी अब भव्य और बड़े पैमाने पर मां दुर्गा और अन्य देवी-देवताओ की प्रतिमा स्थापित कर दुर्गोत्सव मनाया जा रहा. इस बार भी कुछ अनूठा करने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है.

रोचक ढंग से हुई थी पूजा की शुरुआत : पूजा की शुरुआत की कहानी भी अत्यधिक रोचक है. अंजित बालपन से ही मां दुर्गा का अनन्य भक्त है. वह बताता है कि दस साल की अवस्था में नवरात्र के दौरान शहर में दुर्गा पूजा पंडाल बनता देख, उसके मन में भी इच्छा जागृत हुई कि दुर्गोत्सव पर प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जाए, फिर क्या था 1998 में कुछ दोस्तो के साथ मिट्टी का घरौंदा बनाया, प्रतिमा गढ़ी और पूजा की शुरुआत कर दी. पहली बार में ही कला के धनी अंजित ने जुगाड़ टेक्नोलॉजी से चलंत प्रतिमाओं का प्रदर्शन कर सबको अचंभित कर दिया. छोटी-छोटी प्रतिमा पौराणिक प्रसंगों को जीवंत करती प्रतीत हुईं. लोगों ने बाल कलाकार की खूब सराहना की.अंजित बताता है कि पहली पूजा सौ रुपये खर्च कर की गयी थी. दूसरे बरस से तो मदद को लोग आगे आते गए और कारवां बनता गया. सब के योगदान से नायक चौक के दुर्गा पूजा की अलग पहचान बन गयी. अंजित ने बताया कि इस बार पूजा का बजट पांच लाख रुपये है.

पूजा समिति में शामिल हैं : अध्यक्ष विजय नायक, मंटू नायक, चंदन यादव, विशाल पाठक, पवन नायक, पुनित नायक, चिकू नायक, छोटू नायक, सनी नायक, राजू लोहरा, रोहित नायक, निकू नायक आदि पूजा समिति में शामिल हैं.

काल्पनिक मंदिर में विराजेंगी मां

काल्पनिक मंदिर के प्रारूप पर आधारित पूजा पंडाल में मां दुर्गा अन्य देवी-देवताओ संग विराजेंगी. 50 फीट उंचा, 70 फीट लंबा और 60 फीट चौड़ा पंडाल को रंग-बिरंगे कपड़ो से सजाया जाएगा. अंजित प्रतिमा गढ़ने के साथ इस बार राजदरबार के रूप में पंडाल के अंदर की साज-सज्जा करने में व्यस्त है. पूजा स्थल पर दूर तक आकर्षक विद्युत सज्जा भी की जाएगी. दर्शनार्थियों के स्वागत को तोरण द्वार भी बनाए जाएंगे.

शहर के पूजा पंडाल

आकर्षक होगा इंद्रपुरी नवयुवक संघ दुर्गा पूजा समिति का पंडाल

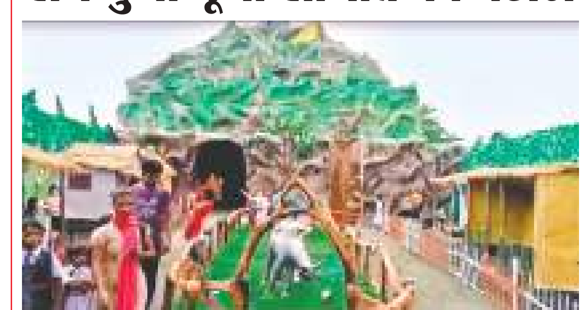

संवाददाता।रांची

इंद्रपुरी नवयुवक संघ दुर्गा पूजा समिति इस बार दुर्गोत्सव की 50वीं वर्षगांठ मनाएगी. इसको लेकर खास तैयारी की जा रही है. यहां ग्रामीण परिवेश के थीम पर बना पंडाल लुभाएगा. गांव जल और जंगल का मनोहारी दृश्य देखते ही बनेगा. साथ ही गुफा में आभा बिखेरती मां दुर्गा का भी अलग आकर्षण रहेगा. अन्य देवी-देवताओ की प्रतिमाओं के क्या कहने. अलग अंदाज में गढ़ी गयी प्रतिमाओं की खूबसूरती देखते ही बनेगी. बांस, लकड़ी, कपड़ा आदि से सजे-संवरे पंडाल में प्रवेश करते ही ऐसा प्रतीत होगा जैसे मानो किसी समृद्ध गांव में चले आए हों. दैनिक कार्य करते महिला और पुरुष, विचरण करते पशु-पक्षी के साथ पहाड़ और झरना का मनोरम दृश्य का मनभावन नजारा देखते ही बनेगा. स्थानीय कारीगर ललित रंगीला 25 कलाकारों के साथ 100 फीट लंबे, 75 फीट चौड़े और 65 फीट ऊंचे पंडाल को मूर्त रूप देने में लगे हैं.

पंडाल का ढांचा खड़ा किया जा चुका है. साज-सज्जा का काम दो माह पहले से चल रहा है. उन्होंने बताया कि गांव और गुफा के दृश्य को मूर्त देने के लिए रात-दिन काम चल रहा है. नवरात्र की पंचमी तिथि तक सारा काम पूरा करने का लक्ष्य है. उन्होंने बताया कि मां की प्रतिमा बैल गाड़ी में विराजमान दिखायी जाएगी, ग्रामीण ढोल-झाल और अन्य वाद्ययंत्रो के साथ झूमते हुए मां को पूजा के लिए ले जाते नजर आएंगे. समिति के अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष श्रवण साहू ने बताया कि शिल्पकार अमित पाल प्रतिमा गढ़ रहे हैं. उन्होंने बताया कि पूजा स्थल में दूर तक आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी. तोरण द्वार भी ग्रामीण परिवेश की थीम पर आधारित रहेगा. सप्तमी के दिन पूजा-अर्चना के साथ आम भक्तों के लिए पंडाल के पट खोल दिए जाएंगे. पूजा का बजट लगभग दस लाख रुपये निर्धारित है.

गठित समिति में हैं शामिल : मुख्य संरक्षक रमेश सिंह, अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष श्रवण साहू, कार्यालय प्रभारी शिवबालक पंडित, नीरज प्रसाद, निखिल, बाला सिंह, अंकित सिंह, अमित चौधरी, राजू चौधरी, राजेशजी, संदीप साहू, पंकज साहू, प्रकाश दुबे, बंटी साव आदि सौ सदस्य पूजा के सफल आयोजन में मुख्य योगदान दे रहे हैं.

देवड़ी मंदिर पहुंचे जनजाति सुरक्षा मंच के प्रतिनिधि, बोले

धर्मगुरु समाज को सही दिशा में ले जायें, चर्च में नहीं

खास बातें

- मंच के प्रतिनिधियों ने पहले मंदिर में की पूजा-अर्चना
- कहा, आदिवासी समाज में कोई धर्मगुरु व धर्म-बहन नहीं होता

संवाददाता।रांची

जनजाति सुरक्षा मंच का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को देवड़ी मंदिर प्रकरण में पहुंच कर जायजा लिया. वहां पहुंचकर सबसे पहले सभी लोगो ने मां देवड़ी की पूजा-पाठ किया.

आशीर्वाद प्राप्त कर आरती एवं भोग का प्रसाद ग्रहण किया. पहले से मंदिर मे मौजूद मुख्य पहान सुखराम मुंडा पहान, मनोज कुमार पंडा, आचार्य गोपाल चंद्र भट्टाचार्य, ट्रस्ट के सक्रिय सदस्य, संचालन समिति के सदस्य लक्ष्मण सिंह मुंडा और तुलसी मुंडा से भेंट की. मंदिर विवाद पर हो रही समस्याओ को जानने का प्यास किया. इस अवसर पर जनजाति सुरक्षा मंच के लोगों ने कहा कि धर्म गुरु बंधन तिग्गा को मंदिर में नही आना चाहिए था, क्योकि वे चर्च का एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं. वह चर्च का एजेंट बन चुका है. समाज को सही दिशा में ले जाएं. चर्च में नहीं. अन्यथा जनजाति सुरक्षा मंच की ओर से धर्म गुरु बंधन तिग्गा पर केस किया जाएगा.

देवड़ी मंदिर में पूजा पाठ के बाद पंडा और पाहन के साथ जन सुरक्षा मंच के प्रतिनिधि.

मंदिर में अशांति फैलाने का हो रहा प्रयास

पर्यटन विभाग ने देवी मंदिर और आसपास के क्षेत्र का विकास के लिए आठ करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत हुई है. उसके बाद से मंदिर में विवाद शुरू हो गया है. मंदिर मे अशांति फैलाने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि जमीन से संबंधित निर्णय पूर्व में ही किये जा चुके हैं. जमीन का मामला है तो उसके लिए पदाधिकारी नियुक्त किये गये हैं. मंदिर में विवाद बताकर आदिवासी और हिंदू धर्मावलंबी को तोड़ने का षड्यंत्र रच रहे हैं. सच्चाई यह है कि मंदिर के विकास के लिए 2021-22 में ट्रस्ट का निर्माण किया गया. जिसमें स्थानीय पहान, ग्राम प्रधान एवं जनप्रतिनिधि, पूर्व में संचालन समिति के सदस्य, एसडीओ और पदाधिकारी को शामिल किया गया, जहां लेखा-जोखा का हिसाब सही से किया जा सके, जो अभी तक सही तरीके से हिसाब पत्र सही होते आ रहा है.

प्रतिनिधि मंडल में शामिल सोमा उरांव ने कहा कि आदिवासी समाज में कोई धर्मगुरु और धर्म-बहन नहीं होता है. सामाजिक व्यवस्था में पहान, महतो, कोटवार पईनभोरा, रैयत को ऊंचा स्थान दिया गया है. आज भी इन्हीं लोगों के द्वारा समाज संचालित हो रहा है.

उन्होंने कहा कि धर्मगुरु के नाम पर आज चर्च के एजेंट के रूप में काम किया जा रहा है. इसके बाद जनजाति सुरक्षा मंच का प्रतिनिधिमंडल ने अनुमंडल पदाधिकारी बुंडू मोहनलाल मरांडी से भी भेंट कर वस्तु स्थिति की जानकारी ली. प्रतिनिधिमंडल में जनजाति सुरक्षा मंच के क्षेत्रीय संयोजक संदीप उरांव, प्रवक्ता मेघा उरांव, तुलसी प्रसाद गुप्ता, रवि प्रकाश उरांव ,मीडिया प्रभारी सोमा उराव समेत अन्य शामिल थे.

डीएसई ने करमटोली मवि का निरीक्षण किया

रांची। रांची जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) बादल राज ने गुरुवार को राजकीय मध्य विद्यालय करमटोली का निरीक्षण किया. इस विद्यालय में कुल 281 छात्रों का नामांकन है एवं उपस्थिति संतोषजनक पाई गई. यहां केवल तीन शिक्षक पदस्थापित हैं, शिक्षकों की कमी के बावजूद विद्यालय में पढ़ाई का स्तर संतोषजनक पाया गया. डीएसई के सवाल करने पर छात्र आत्मविश्वास के साथ जवाब दे पा रहे थे. विद्यालय में संसाधनों की कमी पाई गई. साथ ही कक्षाओं के लिए कमरे का अभाव पाया गया. किचन कक्ष साफ सुथरा पाया गया. डीएसई ने पोषण वाटिका को व्यवस्थित तरीके से विकसित करने का निर्देश दिया एवं विद्यालय परिसर की भी साफ सफाई कराने को कहा गया. प्राचार्य कक्ष को व्यवस्थित करने का निर्देश दिया गया.

तीन साहित्यकार श्रीनाथ द्वारा में होंगे सम्मानित

रांची। राजस्थान के सुप्रसिद्ध तीर्थ श्रीनाथद्वारा साहित्य मंडल के तत्वावधान में 14 सितंबर को आयोजित विशेष साहित्यिक समारोह में रांची के तीन साहित्यकार सम्मानित किये जाएंगे. उन साहित्यकारों में डॉ. प्रशांत गौरव को हिंदी साहित्य विभूषण तथा डॉ. तारामणि पाण्डेय एवं डॉ. विनय कुमार पाण्डेय को हिंदी काव्य भूषण की मानद उपाधि से विभूषित करने का निर्णय किया गया है. इस कार्यक्रम में देश भर दर्जनों साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा. उल्लेखनीय है कि श्रीनाथद्वारा देश का सुप्रसिद्ध तीर्थ है, जिसके द्वारा साहित्य मंडल की ओर से सालों भर साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियां चलायी जाती हैं.

न्यूज अपडेट

महानगर श्रीदुर्गा पूजा समिति की हुई बैठक

रांची। बिहार क्लब, कचहरी रोड में गुरुवार को महानगर श्रीदुर्गा पूजा समिति की बैठक हुई. इसमें दुर्गोत्सव की तैयारी को लेकर विचार-विमर्श किया गया. साथ पूजा सिमिति के पदाधिकारियो से अपील की गयी कि पूजा आयोजन को लेकर हो रही परेशानियो से संबंधित शिकायत पत्र तत्काल कार्यालय में जमा करा दें, तांकि वक्त रहते समाधान निकाला जा सके. अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष चंचल चटर्जी ने कहा कि बिजली की आंख मिचौली, वर्षा होने के कारण स्टोन डस्ट की जरूरत, पंडाल के आसपास साफ-सफाई, सड़कों की मरम्मती आदि विविध समस्याओं के निराकरण के लिए महानगर समिति जिला प्रशास और संबंधित विभागों से समन्वय बनाकर सार्थक पहल करेगी. कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप रॉय बाबू ने महानगर समिति से संबद्ध सभी पूजा समितियो से 30 सितंबर तक सदस्यता नवीकरण कराने की बात कही. मुख्य संयोजक डॉ अजीत सहाय, रमेश सिंह,राजन वर्मा ,रविंद्र वर्मा, संजय मिनोचा, राणा रणधीर,अमरनाथ साहू, संजय सिन्हा गोपू, समीर सिंह, प्रो.अरुण सिंह, शैलेश्वर दयाल सिंह, भरत प्रसाद, अमित वर्मा,अशोक यादव, कमलेश यादव, संजय तिवारी, ध्रुव राय मौजूद थे.

तैयारी को लेकर आरआर स्पोर्टिंग क्लब की हुई बैठक

रांची। कृष्ण इन, रातू रोड में गुरुवार को आरआर स्पोर्टिंग क्लब दुर्गा पूजा समिति बैठक हुई. इसमें तैयारियो का जायजा लिया गया. साथ ही दर्शनार्थियों को हरसंभव सहयोग देने को लेकर चर्चा की गयी. अध्यक्षता कर रहे संरक्षक विक्की यादव ने बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसका खास ख्याल रखा जाएगा. समिति के पदाधिकारी और सदस्य पूजा स्थल पर मुस्तैद रहेंगे. बच्चों और बुजुर्गो का खास ख्याल रखा जाएगा. अध्यक्ष राहुल यादव, कोषाध्यक्ष रोहित यादव, कार्यकारिणी अध्यक्ष अभिमन्यु सिंह यादव, मुख्य पुजारी संतोष पाठक, सचिव अजित कुमार, महासचिव धर्मेंद्र कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बबलू सिंह, मनोज अग्रवाल, उपाध्यक्ष अभिषेक तिवारी, सूरज वर्मा, अमित यादव, साहिल यादव, विकास सिंह, सचिन चौधरी, साजन, दीपक वर्मा, राजा, प्रचार मंत्री राजू राय, सुभाष राय, महामंत्री संजीव कुमार, विडू चौधरी, शुभम चौधरी, रवि यादव, मंत्री आयुष पाठक, सौरभ, प्रचार मंत्री विद्ध साही और मीडिया प्रभारी आयुष राज वर्मा, राजवीर चौधरी मौजूद थे.

विशेषज्ञों ने नागपुरी गीतों के रागों के बारे में बताया

डीएसपीएमयू में संगोष्ठी का उद्घाटन करते समन्वयक एवं अन्य अधिकारी.

संवाददाता।रांची

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के नागपुरी विभाग में गुरुवार को एक दिवसीय संगोष्ठी सह शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. संगोष्ठी का विषय "नागपुरी गीतों में राग रागिनी" था. कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग के समन्वयक डॉ. विनोद कुमार ने किया. इस विषय पर विभिन्न विभागाध्यक्षों एवं विशेषज्ञों ने नागपुरी गीतों के विभिन्न रागों के बारे में बताया गया. इस अवसर पर डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि गीत में राग-रागिनी होते हैं.

विशेषज्ञ मनीष बरवार ने कहा कि नागपुरी गीतों को आधुनिकता से बचाने की जरूरत है. हवादक दीनबंधु ठाकुर ने मौसम आधारित राग के बारे में बताया. प्राध्यापिका डॉ. मालती ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन परिचय के बारे में जानकारी दी. डॉ. मनोज ने कहा कि नागपुरी गीत संगीत को अच्छे से सीखना चाहिए.

पर्वराज पर्युषण के पांचवें दिन उत्तम सत्य धर्म की हुई पूजा

संवाददाता।रांची

दिगंबर जैन धर्मावलंबियो के लिए पर्वराज पर्युषण तप-तपस्या के साथ भक्ति का सौगात लेकर आया है. अनुयायी सामर्थ्य के अनुरूप व्रत-उपवास कर भक्ति में रमे हैं. सभी नेम-निष्ठा से नित्य दशलक्षण में से एक धर्म की पूजा-अर्चना कर रहे हैं. गुरुवार को पांचवें दिन दोनो मंदिरों में सुबह शांतिधारा के साथ विशेष पूजन-अर्चना की गयी. संगीतमय वैदिक मंत्रोच्चार से वातावरण रह-रह कर गूंजता रहा. नरेंद्र कुमार, मनोज कुमार गंगवाल परिवार और विमल कुमार, आदित्य सोगानी परिवार ने जेजे रोड स्थित मंदिर में शांति धारा किया, कांति कुमार, विकाश कुमार गंगवाल और सुनील कुमार, प्रिंस गंगवाल परिवार ने वासुपूज्य जिनालय, रातू रोड में शांति धारा कर श्रीजी के श्रीचरणो में श्रद्धा अर्पित की. दोपहर बाद तक पूजन-अनुष्ठान चला. इसके बाद सांझ ढलते श्रीजी की आरती उतारी गयी. सत्य धर्म पर शास्त्री जी का प्रवचन हुआ. फिर जैन युवा जागृति की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमो की शृंख्ला में कौन बनेगा धर्म शिरोमणि प्रतियोगिता करायी गयी. उपस्थित धर्मावलंबियों से धार्मिक प्रश्न पूछे गए. बाद में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया.अब पर्व के छठे दिन उत्तम संयम धर्म की पूजा और आराधना की जाएगी.

सागर से आए विद्वान पंडित निखिल शास्त्री ने अनुयायियों को आशीर्वचन प्रदान करते हुए उत्तम सत्य धर्म का विस्तार से मर्म समझाया. कहा कि जैन दर्शन में सत्य का अर्थ मात्र ज्यों का त्यों बोलने से नहीं है, बल्कि हित, मित और प्रिय वचन बोलने से है. जिस बात से किसी का अहित होता हो, वह सत्य होकर असत्य के समान है. मीठा बोलें. कटु और व्यंगात्मक वचन का प्रयोग नहीं करें. सत्यमेव जयते का उदाहरण देते हुए शास्त्री जी ने कहा कि सत्य की हमेशा विजय होती है.

त्योहार **करम पर्व कल, संध्या सात बजे होगी विशेष पूजा, शुरू हुई विशेष तैयारी**

जावा तैयार, सजाये जा रहे अखरा, गूंजेगा संगीत

संवाददाता।रांची

आस्था का महापर्व करमोत्सव 14 सितम्बर को रांची में मनाया जाएगा. इसकी तैयारी सरना धर्मावलंबियो ने शुरू कर दी है. करम पूजा में उपयोग होने वाला जावा भी तैयार हो रहा है. रांची के सभी अखरा को सजाने में युवा जुटे हुए है. शाम सात बजे मुख्य अखरा हातमा , करमटोली, नगडा.टोली और चडरी में पाहन द्वारा विशेष पूजा होगी.15 सितम्बर को पारंपरिक वाद्ययंत्र केसाथ नाचते गाते करमडाली का तालाब और नदी में विसर्जन कर दिया जाएगा.इससे पहले अखरा को साफ सुथरा और रंग रोगन किया जा रहा है.अखरा तक जोड़ने वाले सड़को मे बना गढा को भरा जा रहा है. वही आदिवासी हॉस्टलो मे भी करम पूजा को लेकर छात्र और छात्राए ने जोर शोर से तैयारी शुरू कर दी है.इसके लिए शाम सात बजे से रात 10 बजे तक आदिवासी हॉस्टलों में गीत संगीत का अभ्यास शुरू कर दिया गया है. अखरा में संगीत गूंज उठेगा और एक से बढ़कर एक राग प्रस्तुत किये जाएंगे. इसके साथ ही करम धरमा की कहानी पढ़ने और पाहन बनने की होड़ युवाओं में मची हुई है. पाहन महासंघ के अध्यक्ष जगदीश पाहन ने बताया कि मुख्य अखरा में सबसे पहले पूजा होगी.उसके बाद अन्य अखरा में रात नौ बजे तक पारंपरिक तरीके से पूजा होगी.

चडरी सरना समिति : केंद्रीय सरना समिति चडरी के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने बताया कि मुख्य छटु पाहन द्वारा शाम सात बजे पूजा अर्चना होगी. इसकी तैयारी जोर-शोर चल रही है.अखरा को फूल ,माला और थ्रीडी लाइटों से पूरी तरह से सजाया जाएगा. पारंपरिक वाद्ययंत्र का उपयोग होगा, जिसमें महिला ,पुरुष और बच्चे एक साथ पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते दिखेंगे.

नगड़ा टोली अखरा : जय आदिवासी केंद्रीय परिषद के अध्यक्ष निरंजना हेरेंज ने बताया कि शाम सात बजे चंदन हलधर पाहन करमडाली की विशेष पूजा करेंगे. इसके लिए अखरा की साफ-सफाई हो रही है. अखरा के चारों ओर सरना झंडा का पताका लगाया जाएगा. मुख्य गेट से अखरा तक आने के लिए लाइट का विशेष प्रबंध हो रहा है. श्रद्धालुओं के लिए बैठने का पूरा ध्यान रखा जा रहा है.

करमा पूजा आयोजन समिति चुनवा टोली : आयोजन समिति के अध्यक्ष पवन तिर्की ने बताया कि करमोत्सव की विशेष तैयारी हो चुकी है. इसके लिए मेहमानों को निमंत्रण कार्ड देने का सिलसिला शुरू हो चुका है.

चैंबर चुनाव की नामांकन प्रक्रिया संपन्न, तीन ने लिया नाम वापस

संवाददाता।रांची

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सत्र 2024-25 के कार्यकारिणी समिति व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया गुरुवार को संपन्न हुई. नामांकन वापसी के अंतिम दिन कुल चार प्रत्याशियों (तीन कार्यकारिणी समिति अनिश बुधिया, गौतम कुमार, राकेश जैन और एक क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पद के) ने नाम वापस लिया. चुनाव पदाधिकारी ललित केडिया और को चेयरमेन अंचल किंगर ने कार्यकारिणी समिति के प्रत्याशियों की सूची दी. कहा कि चैंबर की 60 वीं वार्षिक आमसभा 21 सितंबर को चैंबर भवन में और 22 सितंबर को चुनाव गुरुनानक स्कूल के हॉल में संपन्न होगा. नामांकन वापसी की स्क्रूटनी के बाद सभी 35 प्रत्याशियों को सीरियल नंबर भी एलॉट किया गया. आसन्न चुनाव के दिन कार्यकारिणी समिति के साथ ही पलामू प्रमंडल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष का भी चुनाव होगा. बताते चलें कि क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के लिए दो प्रमंडलों में दो-दो प्रत्याशियों के आवेदन प्राप्त हुए थे.

35 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला

आदित्य मल्होत्रा, अमित कुमार अग्रवाल, अमित शर्मा, अनिल अग्रवाल, अनीश कुमार सिंह, आस्था किरण, डॉ. अभिषेक कुमार रामाधीन, ब्रजेश कुमार, ज्योति कुमारी, माला कुजूर, मुकेश अग्रवाल, नवीन कुमार अग्रवाल, नवजोत अलंग, परेश गट्टानी, प्रवीण लोहिया, राहुल साबू, राज कुमार अग्रवाल, राम बांगर, रामचन्द्र तिवारी, रमेश कुमार साहू, रोहित अग्रवाल, रोहित पोद्दार, साहित्य पवन, शैलेश अग्रवाल, संजय अखौरी, संजय कुमार सिंह, संतोष उरांव, शैलेन्द्र कुमार सुमन, श्रवण कुमार, सुनील केडिया, सुनील कुमार अग्रवाल, सुनील कुमार सरावगी, विजय शंकर, विकाश विजयवर्गीय, विमल कुमार फोगला.

मरीजों के इंसाफ का सवाल

सर्वोच्च अदालत के आदेश के बावजूद ड्यूटी पर बहाली को लेकर आरजी कर अस्पताल के प्रदर्शनकारी रेजिडेंट डॉक्टरों और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच गतिरोध बना हुआ है. डॉक्टरों ने राज्य सरकार के साथ बातचीत के लिए नई शर्तें रखीं. पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पूछा कि रेजिडेंट डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के लिए न्याय चाहते हैं या राजनीति प्रेरित अभियान चलाना. बंगाल सरकार ने बिना शर्त वार्ता की पेशकश की है. कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में सहकर्मी से दुराचार व हत्या के विरोध में आंदोलित जूनियर डॉक्टरों को देशव्यापी समर्थन मिलता रहा है. राज्य में भी उन्हें व्यापक सहानुभूति मिली है. निस्संदेह कार्यस्थल पर महिला डॉक्टरों की सुरक्षा व न्याय की उनकी मांग तार्किक ही है. लेकिन इसके बावजूद लंबे समय तक चिकित्सा सेवाओं को ठप नहीं किया जा सकता. यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सरकारी अस्पतालों में वे ही मरीज उपचार के लिये आते हैं, जो महंगे अस्पतालों में इलाज नहीं करा पाते. पश्चिम बंगाल सरकार कह रही है कि हड़ताल शुरू होने के बाद उपचार के अभाव में 23 मरीजों की जान चली गई है. ऐसे में हड़ताली डॉक्टरों को तुरंत काम पर लौटना चाहिए. उन्हें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करना चाहिए था. लेकिन विडंबना है कि हड़ताली जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार तक काम पर लौटने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को नजरअंदाज किया. एक माह से जारी हड़ताल से चिकित्सा सुविधाओं का बाधित होना स्वाभाविक है. सार्वजनिक सेवाओं में, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र गहन जिम्मेदारी की मांग करता है. असंख्य रोगियों का जीवन चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर निर्भर करता है. लंबे समय से डॉक्टरों की अस्पतालों में अनुपस्थिति से हजारों मरीजों को दर-दर की ठोकरें खाते देखा गया है. राज्य सरकार का दावा है कि करीब छह लाख से अधिक मरीज इस हड़ताल के कारण आवश्यक उपचार से वंचित हो गए. निस्संदेह, ये आंकड़े सोचने को विवश करते हैं कि किसी हड़ताल का यथार्थ में कितना व्यापक नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. वैसे सुप्रीम कोर्ट ने हड़ताली डॉक्टरों की प्रति सहानुभूति व्यक्त की है, लेकिन साथ ही चेताया भी कि उनका विरोध प्रदर्शन उनकी ड्यूटी की कीमत पर नहीं हो सकता. साथ ही आश्वासन भी दिया है कि अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरा लगाने तथा महिला कर्मचारियों के लिये अलग ड्यूटी रूम बनाये जाने जैसे सुरक्षा उपायों को अविलंब क्रियान्वित किया जाएगा. निस्संदेह, डॉक्टरों को देश की न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास कायम रखना चाहिए और अपनी ड्यूटी को अविलंब आरंभ कर देना चाहिए.

> सार्वजनिक सेवाओं में, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र गहन जिम्मेदारी की मांग करता है. असंख्य रोगियों का जीवन चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर निर्भर करता है. लंबे समय तक डॉक्टरों की अस्पतालों में अनुपस्थिति से हजारों मरीजों को दर-दर की ठोकरें खाते देखा गया है.

सुभाषित

उपार्जितानां वित्तानां त्याग एव हि रक्षणम्।
तडागोदरसंस्थानां परीवाह इवाम्भसाम्॥

कमाए हुए धन का त्याग करने से ही उसका रक्षण होता है. जैसे तालाब का पानी बहते रहने से साफ रहता है. संत कवि कबीरदास ने कहा है, जो जल बाढ़े नाव में घर में बाढ़े दाम, दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम. यानी नाव में पानी बढ़ जाये और घर में धन बढ़ जाये तो दोनों हाथों से उसे उलीच देना चाहिए.

इहलौकिकता और सर्वधर्म समभाव

सच्चे अर्थों में इहलौकिक या सेक्युलर वह होता है, जो किसी पारलौकिक सत्ता में यकीन नहीं करता. पुराने जमाने में भी ऐसे लोग थे, जो किसी कर्तावाद में यकीन नहीं करते थे. उनके पास साक्ष्य कम, अनुमान और तर्क अधिक थे. भारत में वहां लोकायत पंथ कहते थे. लोकायत मत के लोग ईश्वर की उपेक्षा कर के जीवन और जगत पर विचार करते रहे हैं. विज्ञान के व्यवस्थित अध्ययन ने जगत और जीवों के विकास की एक वैज्ञानिक अवधारणा और उसके समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत किये.

देश-काल

प्रेमकुमार मणि

आम तौर पर धर्मनिरपेक्षता, इहलौकिकता और सर्वधर्मसमभाव को एक ही चीज माना जाता रहा है. यह धारणा सबसे अधिक गांधीवादियों ने विकसित की. भारत का संविधान स्टेट को सेक्युलर अथवा इहलौकिक घोषित करता है. संविधानसभा ने इस पर ही अपनी मुहर लगाई थी, लेकिन कांग्रेस के अधिकांश नेता सर्वधर्मसमभाव में यकीन करते थे, सेकुलरवाद में नहीं. गांधी इसके अगुआ थे. यह भी सच्चाई है कि बड़ी संख्या में वहां इहलौकिक-धर्मनिरपेक्ष तबीयत के लोग भी थे. जवाहरलाल नेहरू और सुभाष बोस जैसे लोग साइंटिफिक टेंपर और स्टेट की धर्म से निरपेक्षता में यकीन करते थे. कांग्रेस की छतरी से बाहर काम करने वाले भगत सिंह भी इसी विश्वास के थे. दलित प्रश्न पर सक्रिय डॉ अम्बेडकर तनिक भिन्न तबीयत के थे. मनुष्य के लिए वह धर्म की जरूरत समझते थे, किन्तु उनका धर्म ईश्वरनिरपेक्ष और वैज्ञानिक चेतना से संपन्न था. यह विचार धर्म की प्रचलित अवधारणा से भिन्न है. इसके लिए उन्होंने पुराने बौद्ध धर्म को कुछेक संशोधनों के साथ स्वीकार किया था. उनकी धर्म-क्रांति एक दिलचस्प विषय है, जिस पर उस तरह चर्चा नहीं हुई, जैसी होनी चाहिए थी.

सच्चे अर्थों में इहलौकिक या सेक्युलर वह होता है, जो किसी पारलौकिक सत्ता में यकीन नहीं करता. पुराने जमाने में भी ऐसे लोग थे, जो किसी कर्तावाद में यकीन नहीं करते थे. उनके पास साक्ष्य कम, अनुमान और तर्क अधिक थे. भारत में इसे लोकायत पंथ कहते थे. लोकायत मत के लोग ईश्वर की उपेक्षा कर के जीवन और जगत पर विचार करते रहे हैं. विज्ञान के व्यवस्थित अध्ययन ने जगत और जीवों के विकास की एक वैज्ञानिक अवधारणा और उसके समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत किये. इस तरह इहलौकिकता के विश्वास को वैज्ञानिक आधार मिल गया. जो प्रकृति और जीवों के विकासवादी सिद्धांत की जगह किसी सृष्टिकर्ता के होने में विश्वास करता है, वह इहलौकिक अथवा सेक्युलर नहीं हो सकता. बौद्ध और जैन मत को छोड़ कर दुनिया के प्रायः सभी संस्थागत धर्म-मजहब किसी न किसी तरह के कर्तावाद में यकीन करते हैं. सेमिटिक या इब्राहिमी धर्म तो ईश्वर को जगत से पृथक अवस्थित बताते हैं. भारत के सनातनी मत में द्वैत के साथ एकात्म या अद्वैत की भी अवधारणा है जिसके अनुसार ईश्वर और जीव अलग नहीं, एक साथ है. इस्लामी सूफीवाद में इस अवधारणा को अनलहक कहा जाता है, जो इस्लाम की मूल अवधारणा के अनुसार गलत है. इस तरह धर्म-मजहब ईश्वर के विचार से इतना गुत्थम-गुत्था हो गया कि इहलौकिकता और सर्वधर्मसमभाव को एक ही अर्थ में रखना मुश्किल हो गया. आधुनिकता और लोकतांत्रिक विश्वासों ने जब राजनीतिक सक्रियता को प्रभावित किया, तो वहां धर्म और उससे समाज की निरपेक्षता के विचार सामने आये. राजनीति में इसका अर्थ हुआ स्टेट का किसी मजहब से अलग होना. यह ख्याल धीरे- धीरे विकसित हुआ. दुनिया के विभिन्न हिस्सों में यह अपने हिसाब से हुआ. हमारे देश में भी. अंग्रेजों के भारत में राजनीतिक स्तर पर मजबूत होने के साथ यहां की रजवाड़ी-सामंती राजनीतिक व्यवस्था कमजोर हुई. ब्रिटिश संसदीय लोकतंत्र किसी न किसी रूप में यहां चर्चित हुआ. 1947 तक भारत का दो तिहाई क्षेत्र ब्रिटिश कॉलोनी था, तो एक तिहाई देशी रजवाड़ा व्यवस्था के तहत था. कश्मीर, हैदराबाद, ग्वालियर, जूनागढ़ जैसी दर्जनों बड़ी रियासतें तो थीं ही, सैंकड़ों छोटी रियासतें भी थीं. जैसे राजस्थान का लगभग नब्बे फीसद हिस्सा इन छोटी रियासतों से भरा था. इन तमाम देशी रियासतों में सामाजिक पिछड़ापन बना रहा और लोकतांत्रिक आधुनिक गतिविधियां सुस्त रहीं. इसका प्रभाव आज भी देखा जा सकता है. यूरोप में धर्मनिरपेक्षता और इहलौकिकता के विचार अधिक तेजी से फैल रहे थे. जैसा पहले बतलाया कम से कम राजसत्ता को धर्मनिरपेक्ष रखने का आग्रह तो मजबूत होता जा ही रहा था. पोप और चर्च की ताकत सिमट रही थी. प्रथम विश्वयुद्ध के साथ जब उस्मानिया राज का अंत हुआ तब एक मुस्लिम देश तुर्की में भी एक सामाजिक क्रांति हुई और एक धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक व्यक्तित्व अतातुर्क कमाल पाशा का अभ्युदय हुआ. भारत की परेशानी यह रही कि इसी वक्त खिलाफत आंदोलन आरम्भ हो गया, जो उस्मानिया राज और खिलाफत के समर्थन में था. गांधी इसका नेतृत्व कर रहे थे. खिलाफत के समर्थन में हजारों कट्टर मुसलमान ब्रिटिश राज को शत्रु भूमि मान कर इस से बाहर (हिजरत पर) चले गए. ऐसे लोगों को मुजाहिर कहा जाता है. लगभग बीस हजार मुजाहिर इस क्रम में गए. कमाल तो यह था कि इन्हीं धर्मांध मुजाहिरों में से तीन (सफीक सिद्धकी, अहमद हसन और शौकत उस्मानी) ताशकन्द में गठित (1920) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक भी बने. ऐसे में जहां राष्ट्रीय और वाम आंदोलन शुरू से ही विचार के स्तर पर दिग्भ्रमित रहा, वहां दूसरी गतिविधियां कितना सेकुलर हो सकती थीं. आधुनिकता के वैश्विक प्रभाव में हमारा संविधान जरूर सेकुलर हुआ, लेकिन साइंटिफिक टेंपर को वहां व्यवस्थित करना संभव नहीं हुआ. व्यवहार में (आंशिक तौर पर ही सही) सर्वधर्मसमभाव ही स्वीकार हुआ. धर्मनिरपेक्षता और इहलौकिकता पर व्यापक विमर्श आज भी हमारी सामाजिक-राजनीतिक जरूरत है. नयी पीढ़ी को तो इसमें रुचि लेनी ही चाहिए. पुरानी धार्मिक मान्यताओं (इस में सभी धर्मों को रखा जाना चाहिए) के साथ हम भविष्य की यात्रा नहीं कर सकते. मनुष्य जाति को धर्म और आध्यात्म की जरूरत होगी. लेकिन

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बोधि-वृक्ष | डॉ. एसके पाण्डेय

ताकि जीवन व्यर्थ न हो

जीवन व्यर्थ के काम करने के लिए नहीं बल्कि सार्थक काम करने के लिए मिलता है. सकारात्मक कार्य करने के बजाय निंदा जैसे नकारात्मक कार्य से पाप नहीं तो और क्या होगा? जिह्वा को रसना भी कहते हैं. जिह्वा नाना पदार्थों का रस लेती है. लेकिन इसे कभी तृप्ति नहीं मिलती. यह रस ढूढ़ती रहती है. निंदा रूपी रस से भी इसकी तृप्ति नहीं होती. वास्तव में इसे राम नाम रुपी रस चाहिए होता है. राम नाम रुपी रस छककर पी ले तो फिर अन्य रस या निंदा रस इसके लिए बेरस हो जाता है. जिह्वा को राम नाम रुपी रस पिलाने जैसा सार्थक और सकारात्मक कार्य और क्या हो सकता है ? निंदा रस में गोते लगाकर लोग राम नाम रुपी रस से बंचित रहते हैं. और उनका समय इसी में जाया होता रहता है कि अब किससे और कैसे और किसके बारे में क्या कहें ? निंदा करने से नकारात्मक सोच बढ़ती जाती है. इससे मन और मस्तिष्क प्रभावित होता है. विकास अवरुद्ध होता है. जिसकी निंदा की जाती है, उसका पाप निंदा करने वाल प्राप्त करता रहता है. गोस्वामी जी ने सारगर्भित बात कही है- अघ कि पिसुनता सम कोई आना. पिशुनता का आशय हुआ चुगली करना. क्या चुगली करने के समान दूसरा कोई पाप है? मतलब चुगली करना बड़ा पाप होता है. इसलिए हमें चुगली नहीं करनी चाहिए. चुगली से भी परपीड़ा होती है. चुगली से झगड़ा, क्लेश, टकराव आदि पैदा हो जाते हैं. लोगों में अलगाव हो जाता है. जबकि हमें मिलजुल कर रहना चाहिए. इस कारण से भी यह पाप हुआ. चुगली से बड़े-बड़े अनर्थ हो जाते हैं. चुगली तो पति-पत्नी को भी अलग करा सकती है. फिर इसके समान और पाप क्या हो सकता है? गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज एक ऐसा देश-समाज चाहते थे जिसमें सभी लोग सकारात्मक काम करें. निर्माणकारी कार्य करें. जिससे देश समाज का उत्थान हो. सकारात्मक काम करने के लिए सकारात्मक सोच चाहिए. जो चुगली और पर निंदा से नहीं आएगी. जब लोग एक दूसरे से लड़ते रहेंगे, क्लेश, झगड़ा-लड़ाई, मार-काट, परपीड़ा आदि व्याप्त रहेंगी तो क्या होगा? जब हम अच्छा सोचेंगे. तभी अच्छा करेंगे. अच्छा करेंगे तो देश-समाज में तरक्की होगी. खुशुहाली आएगी. सब लोग एक दूसरे की मदद करेंगे तो प्रेम बढ़ेगा. कोई किसी को पीड़ा नहीं देगा तो सुख-शांति रहेगी.

इंसानी बुद्धिमत्ता बेहतरी का पूरक

एआई

मुकुल व्यास

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंसानी बुद्धिमत्ता का पूरक बन कर लोगों के जीने और काम करने के तरीकों को बेहतर बनाने के अवसर प्रदान करती है. अपने व्यापक अनुप्रयोगों के साथ, एआई और मशीन लर्निंग हमारे जीवन के लगभग सभी तकनीकी पहलुओं में मौजूद हैं. वृहद स्तर पर देखें तो एआई और मशीन लर्निंग ने कृषि, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों पर व्यापक प्रभाव डाला है. आज पूरी दुनिया में एआई हावी है. इस क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास को देखते हुए भविष्य भी एआई का ही होगा. भारत को इस क्षेत्र की अपार क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने के लिए अभी बहुत कुछ करना है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की असीम संभावनाओं, हजारों एआई स्टार्टअप्स और देश में प्रौद्योगिकी प्रतिभाओं के विशाल भंडार को लेकर तमाम उत्साह के बावजूद, भारत एआई अनुसंधान में अमेरिका और चीन से बहुत पीछे है. अग्रणी शिक्षाविद इसके लिए फंडिंग की कमी और शोध के लिए बुनियादी ढांचे को जिम्मेदार ठहराते हैं. एआई एक्सेलेरेटर और इकोसिस्टम बिल्डर चेंज इंजन द्वारा किए एक अध्ययन के अनुसार दुनिया के शीर्ष 10 एआई सम्मेलनों में पेपर योगदान के मामले में देश एआई अनुसंधान में 14वें स्थान पर है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी सिर्फ 1.4 प्रतिशत है. अध्ययन के अनुसार, अमेरिका और चीन क्रमशः 30.4 प्रतिशत और 22.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एआई अनुसंधान पर हावी हैं. अध्ययन में यह भी कहा गया है कि भारत को पांच साल में 5 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी पाने और विश्व स्तरीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए एआई अनुसंधान को कम से कम 40 प्रतिशत प्रति वर्ष बढ़ाने की आवश्यकता है. अध्ययन में यह भी पता चला है कि भारत की एआई वृद्धि दर 15.5 प्रतिशत है, जो एशियाई टाइगर इकॉनमी वाले देशों में देखी गई 20 प्रतिशत प्लस वृद्धि दर से काफी कम है. संयुक्त राज्य अमेरिका की वृद्धि दर अग्रणी देशों में सबसे कम है, जिसका मुख्य कारण इसका पहले से ही पर्याप्त योगदान आकार है. चीन 29.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का दावा करता है, हांगकांग 23.6 प्रतिशत हासिल करता है, जबकि दक्षिण कोरिया 29.3 प्रतिशत का प्रभावशाली प्रदर्शन करता है. दरअसल, अध्ययन से एआई सम्मेलनों में भारत के विभिन्न संस्थानों द्वारा किए गए योगदान का भी पता चलता है. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी), बेंगलुरू और आईआईटी मुंबई कुल भारतीय योगदान का क्रमशः 15.6 प्रतिशत और 10.3 प्रतिशत योगदान देकर सबसे आगे हैं. 2018 से 2023 तक इन सम्मेलनों में भारत के एआई योगदान के 70 प्रतिशत के लिए आठ संस्थान जिम्मेदार हैं. इनमें आईआईएससी के अलावा सात आईआईटी शामिल हैं. रिपोर्ट में इन संसाधनों को एआई लीडर्स बताया गया है. इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट में 'एआई राइजिंग स्टार्स' के एक समूह की पहचान की गई है, जिनकी वृद्धि दर पिछले दशक में 15 प्रतिशत से अधिक हो गई है और अगले पांच वर्षों में उनके द्वारा उल्लेखनीय रूप से योगदान दिए जाने की उम्मीद है. ये उभरते संस्थान हैं आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी जोधपुर, डीटीयू, आईएसआई कोलकाता, आईआईटी रुड़की और आईआईटी पटना. अध्ययन में एआई के क्षेत्र में ज्ञान साझा करने के लिए शीर्ष 20 भारतीय संस्थानों और अमेरिका, यूरोप और दक्षिण पूर्व एशिया के विश्वविद्यालयों के बीच संयुक्त पीएचडी कार्यक्रमों के निर्माण की वकालत की गई है. आईआईटी कानपुर के न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के साथ मौजूदा सफल कार्यक्रम को ऐसी पहलों के लिए एक मॉडल के रूप में उजागर किया गया है. एक अच्छी बात यह है कि भारत सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन के लिए 10372 करोड़ मंजूर किए हैं. यह धनराशि अगले पांच वर्षों के दौरान खर्च की जाएगी. सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय को उच्च प्रदर्शन वाले ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की खरीद सहित एआई के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए केंद्रीय बजट 2024-25 में 551.75 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं. उम्मीद की जानी चाहिए कि मिशन के लिए आवंटित राशि का सदुपयोग भारत में एक मजबूत एआई कम्प्यूटिंग बुनियादी ढांचा निर्मित करने के लिए किया जाएगा. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> एआई एक्सेलेरेटर और इकोसिस्टम बिल्डर चेंज इंजन द्वारा किए एक अध्ययन के अनुसार दुनिया के शीर्ष 10 एआई सम्मेलनों में पेपर योगदान के मामले में देश एआई अनुसंधान में 14वें स्थान पर है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी सिर्फ 1.4 % है. अध्ययन के अनुसार, अमेरिका और चीन क्रमशः 30.4 % और 22.8 % हिस्सेदारी के साथ एआई अनुसंधान पर हावी हैं.

मणिपुर : आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां

सामयिकी

बीएल वोहरा

मणिपुर में मैतेयियों पर हमला करने के लिए कुकी विद्रोहियों द्वारा रॉकेट और बम ले जाने में सक्षम ड्रोनों का इस्तेमाल किया जाना, सूबे की अशांति में एक नया खतरनाक आयाम दर्शाता है. इनका इस्तेमाल न केवल मैतेयी बल्कि पूर्वोत्तर के अन्य उग्रवादी संगठनों के अलावा जम्मू-कश्मीर एवं भारत भर में सक्रिय उग्रवादियों, विद्रोहियों, नक्सलियों और अंदरूनी-बाहरी ताकतों को भी नया तरीका सुझाएगा. जहां इन ड्रोनों का इस्तेमाल ज्यादातर हमास और हिजबुल्लाह जैसे अत्यधिक संगठित उग्रवादी समूहों द्वारा इस्राइल के खिलाफ किया जाता है, वहीं इस्राइल, रूस और यूक्रेन जैसे देशों की सेना भी युद्धों में करती आई हैं, लेकिन अब अपराधियों के हाथों में, ये घातक हथियार का रूप धर सकते हैं. मणिपुर सरकार, सुरक्षा बल और केंद्रीय सरकार, ये सभी, हिंसा की अप्रत्याशित ताजा लहर से घिरे पाए गए हैं. या तो खुफिया एजेंसियां इस इजाफे का अनुमान लगाने में विफल रहीं या फिर प्रतिक्रिया यथेष्ट नहीं रही, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है. हालांकि, केंद्र सरकार के पास इस खतरे का मुकाबला करने के लिए तमाम संसाधन हैं. सेना, असम राइफल्स और भारतीय वायु सेना को तुरंत एकीकृत अभियान से इस नए खतरे पर लगाम लगानी चाहिए. उम्मीद है कि वे जल्द ही ऐसा करेंगे भी. लेकिन मणिपुर पुलिस को प्रशिक्षित करना और सुसज्जित करना एक चुनौती होगी, क्योंकि यह पूरी तरह से अलग खेल है. राज्य पुलिस की विगत कारगुजारी का लेखा-जोखा खराब रहने के कारण उसे पुनर्गठित करना होगा. आंतरिक और बाहरी, दोनों तरह की खुफिया एजेंसियों को भी अपने काम में काफी चुस्ती लानी होगी. कुकी उग्रवादी हाल के हमलों को अंजाम देने में इसलिए सक्षम हुए हैं, क्योंकि उन्हें नशा माफिया से भारी मदद मिलती है, जो पिछले साल से मणिपुर में चल रही उथल-पुथल के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं. चूड़ाचांदपुर और आसपास के इलाकों में अफीम की खेती में उछाल आया है जो कि मुख्य रूप से कुकी करते हैं- क्योंकि म्यांमार में सेना द्वारा बढ़ाए दबाव के कारण उनके रिश्तेदारों की मणिपुर में आमद हुई है. मणिपुर तस्करी के लिए कुख्यात 'गोल्डन ट्राइंगल' के छोर पर स्थित है और इस कारोबार का रास्ता भारत एवं अन्य देशों के लिए यहीं से होकर गुजरता है. इसलिए, नशा माफिया मणिपुर पर संपूर्ण नियंत्रण चाहता है. कुकियों की गतिविधियों की वित्तीय सहायता करने को उनके पास पैसे की कोई कमी नहीं है. पिछले वर्ष मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह आदेश, जिसमें राज्य सरकार से मैतेयियों के लिए अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर विचार करने और आगे यह सिफारिश केंद्र सरकार को पहुंचाने के लिए कहा गया था, इसका उपयोग जान-बूझकर अर्थ गलत पेश करके कुकी-मैतेयी के बीच संघर्ष की चिंगारी भड़काने में किया गया.कुकी अब न केवल एक अलग राज्य चाहते हैं, बल्कि एक अलग देश, 'कुकीलैंड' चाहते हैं, इसमें वे संपूर्ण पूर्वोत्तर और बांग्लादेश का कुछ इलाका बताते हैं. दूसरी ओर, नागा लोग भी अपने लिए अलग राष्ट्र के रूप 'ग्रेटर नागालैंड' बनाना चाहते हैं, जिसमें मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के कुछ हिस्से दर्शाते हैं. फिर, असम का 'उल्फा' (यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम) भी यही कुछ चाहता है. चीन, बांग्लादेश और पाकिस्तान अपने हितों की पूर्ति हेतु इन टकरावों को हवा दे रहे हैं. चीन पहले ही अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता रहा है. गौरतलब है कि 1962 में चीन ने भारत पर दो तरफ से हमला किया था–एक था, नॉर्थईस्ट फ्रंटियर एजेंसी इलाके में (जिसमें फिलहाल अरुणाचल प्रदेश और असम के कुछ हिस्से हैं) और दूसरा मोर्चा लद्दाख क्षेत्र के आसपास खोला था. जिस वक्त पाकिस्तान वजूद में आ रहा था, तब भी कुछ मुस्लिम नेताओं की मांग थी कि पूर्वोत्तर पूर्वी पाकिस्तान में शामिल किया जाए. उनके मुताबिक असम इस नए देश का 'नैसर्गिक विस्तार'है. यह विचार अभी भी बांग्लादेश में कहीं न कहीं जिंदा है. मणिपुर में बिगड़ते हालात- जिसने न केवल राज्य के निवासियों बल्कि पूरे देश के लोगों को परेशान कर रखा है, चिंता का विषय है. अन्य देश अवश्य ही भारत के घटनाक्रम पर नज़र रखे हुए होंगे. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> उम्मीद है कि वे जल्द ही ऐसा करेंगे भी. लेकिन मणिपुर पुलिस को प्रशिक्षित करना और सुसज्जित करना एक चुनौती होगी, क्योंकि यह पूरी तरह से अलग खेल है. राज्य पुलिस की विगत कारगुजारी का लेखा–जोखा खराब रहने के कारण उसे पुनर्गठित करना होगा. आंतरिक और बाहरी, दोनों तरह की खुफिया एजेंसियों को भी अपने काम में काफी चुस्ती लानी होगी.

मीडिया में अन्यत्र

लोक लेखा : नवगठित लोक लेखा समिति

बीते एक दशक से सामान्य बहुमत से ज़्यादा सीटों के साथ संसद पर काबिज केंद्र सरकार ने संसदीय जिम्मेदारी की सार्थकता से लगातार कन्नी काटती रही. हालांकि, अब गठबंधन के साथ बीजेपी केंद्र की सत्ता में है और काफी हद तक उसकी निर्भरता अपने सहयोगी दलों के ऊपर है. साथ ही, विपक्ष भी पहले के मुकाबले ज्यादा मजबूत है. बदले हुए हालात ने कार्यपालिका के काम-काज पर संसदीय निगहबानी का एक अवसर तैयार किया है. ताजा-ताजा गठित हुई लोक लेखा समिति (पीएसी) की सक्रिय शुरुआत इसकी बानगी है. इसने 2 सितंबर को अपने कार्यकाल के दौरान विचार-विमर्श के लिए चुने गए 161 विषयों की सूची जारी की, जिसमें से ज्यादातर विषय सीएजी की रिपोर्ट पर आधारित हैं. पैनल ने पांच विषयों को स्वतः संज्ञान लेते हुए चुना है- बैंकिंग और बीमा क्षेत्रों में सुधार, केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्यवन की समीक्षा, ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव के लिए चल रहे नीतिगत उपाय, संसद के अधिनियमों द्वारा स्थापित नियामक निकायों के प्रदर्शन की समीक्षा और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और अन्य सार्वजनिक उपयोगिताओं पर शुल्क, टैरिफ, उपयोगकर्ता शुल्क की वसूली और विनियमन. कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल की अध्यक्षता वाली पीएसी ने उस नियम का इस्तेमाल किया है जिसमें यह साफ तौर पर बताया गया है कि इसके काम-काज का दायरा 'खर्च की औपचारिकता से परे, इसकी बुद्धिमत्ता, निष्ठा और मितव्ययिता' तक जा सकता है. इस नियम का इस्तेमाल कभी-कभार ही हुआ है और हुआ भी है तो अक्सर राजनीतिक मुद्दा बनाने के लिए. हालांकि, पीएसी ने जो विषय चुने हैं उनके भी राजनीतिक निहितार्थ हैं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इन विषयों से जनहित का बड़ा मुद्दा जुड़ा हुआ है.इस संवैधानिक समिति की मूल कल्पना यही है कि देश के वित्त को भारतीय संसद नियंत्रित करती है. कोई भी कर कानून पारित करके ही लगाया जा सकता है. सरकार को अपने सभी खर्चों के लिए विनियोग विधेयक पेश करके संसद से पहले ही मंजूरी लेनी होती है. सीएजी एक संवैधानिक निकाय है, जो सरकार के सभी विभागों के वित्तीय कामकाज की जांच और उसकी ऑडिट करता है. इसकी सभी रिपोर्ट पीएसी को भेजी जाती है, जो सबसे पुराने और सबसे महत्वपूर्ण संसदीय पैनलों में से एक है. अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर डालने वाले लोगों और योजनाओं को चुनने के सरकारी तौर-तरीकों पर हाल के वर्षों में 'क्रोनी कैपटलिज्म' के कई गंभीर आरोप लगे हैं. सरकार ने सेबी की अध्यक्ष माधबी पी. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

संधि/समास

दो शब्द जब आपसी भेदभाव भूल कर एक साथ चल पड़ते हैं तो जो जोड़ी बनती है, वह संधि या समास कहलाती है. शब्दकोशों में इन दोनों को एक दूसरे का समानार्थी माना गया है. शब्दकोशों के अनुसार संधि का मतलब है मिलना, जुड़ना, मेल, संयोग, ऐसा स्थान जहां अनेक चीजें आपस में जुड़ी हों, जोड़, जहां कई हड्डियां आपस में जुड़ी हों, गांठ, ज्वाइंट, खाली जगह, अवकाश, दरार, दोस्ती, मित्रता, भेद रहस्य. इसी प्रकार समास का अर्थ है योग, मिलाप, मेल, युति, संधि, व्याकरण के अनुसार दो या अधिक पदों को मिलाकर एक शब्द बनाना, शब्द संयोजन, समर्थन, संग्रह, संक्षिप्त करना. मुख्य समानता यह है कि दोनों जोड़ने का भाव रखते हैं. अब अंतर पर नजर डालते हैं. संधि का शाब्दिक अर्थ– 'मेल' है, जबकि समास का शाब्दिक अर्थ– 'संक्षेपण' है. संधि में वर्णों का योग होता है, जबकि समास में पदों का. संधि में जिन शब्दों का योग होता है, उसका मूल अर्थ परिवर्तित नहीं होता, जबकि समास में बने शब्दों का मूल अर्थ परिवर्तित हो जाता है. संधि में वर्णों का अतिशय सामीप्य होता है, जबकि समास में पद सामीप्य होने पर भी पदों में परस्पर अन्वय की इच्छा बनी रहती है. संधि में दो वर्णों के मेल से विकार की संभावना रहती है, जबकि समास में दो पदों के मेल से उनमें संयोजक चिह्न ही लुप्त हो जाता है. संधि में विभक्ति या शब्द का लोप नहीं होता, जबकि समास में विभक्ति या पद का लोप हो सकता है. समास में जब समस्त पद बनते हैं तो उसमें विभक्ति चिह्न या अन्य पद लुप्त हो जाते हैं, इसके विपरीत संधि में वर्णों का रूप परिवर्तन होता है. संधि केवल तत्सम पदों में होती है, जबकि समास संस्कृत, हिंदी एवं उर्दू सभी पदों में होता है. समास होने पर संधि अवश्य होती है, जबकि संधि होने पर समास का होना अनिवार्य नहीं है. समास में पूरे शब्द या वर्ण का लोप होता है, जबकि संधि में एक मात्रा या व्यञ्जन का लोप होता है.

जितने रंग के जूते, उतने रंग के फीते

तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

फीतों के रंग जूतों के हिसाब से बदलते रहते हैं. काले जूतों में काला फीता ही फबता है. ब्राउन जूते में ब्राउन फीता ही डाला जाता है. किरमिच के स्पोर्ट्स जूते प्रायः सफ़ेद और पीले रंग के होते हैं, उनमें ज़ाहिर है क्रमशः सफ़ेद और पीले फीते पड़ते हैं. किस्सा कोताह, जिस रंग का जूता उसी रंग का फीता. असल बात मैचिंग की है. जूते और फीते की यह मैचिंग साड़ी के फ़ाल की तरह कठिन तो नहीं होती, लेकिन उसी की तरह ज़रूरी तो होती ही है. दफ्तर के लिए मैं तैयार हो रहा था. जैसे ही जूता कसने लगा की फीता टूट गया. मुझे बड़ा ताज्जुब हुआ कि मुझमें इतनी ताकत कहां से आ गई कि वह जूते के फीते जैसी मज़बूत चीज़ तोड़ दे. मरता क्या न करता, फटे-पुराने ब्राउन जूतों में से ब्राउन रंग का एक फीता निकाला गया और उसी को काले जूते में पिरो कर काम चलाया गया. दफ्तर में खूब भद्द उडी. काले जूते में ब्राउन फीता, वाह ! क्या 'मैच' है ! कितनी दादागीरी है. आप चाहें इसे ज़बरदस्ती कहें या फीताशाही. लेकिन है तो है ! फीते के रंग तो तरह तरह के होते ही हैं, काम के हिसाब से उसके कई प्रकार हैं. अभी हमने जूते के फीतों की बात की, लेकिन गोटे-किनारों की तरह कपड़ों के हाशिए पर लगने वाले सूत या रेशम की पतली पट्टी के रूप में भी फीते ही होते हैं. और निवाड़ की वह पतली धज्जी भी फीता ही होती है, जिससे फाइलें, बांधी जाती हैं. वह दफ्तर ही क्या जिसमें फाइलें न हों और वो फाइल ही क्या जो फीते से न बंधी हो. फाइलों के फीते अधिकतर लाल रंग के होते हैं. ये लाल रंग के क्यों होते हैं, ये आजतक किसी को पता नहीं चला. इस पर रिसर्च होनी चाहिए. वे यदि लाल रंग के न भी हों तो भी उन्हें लाल रंग का ही माना जाता है – फाइलों के फीतों के लाल रंग का इतना आतंक है ! इसीलिए तो इसे 'लाल फीताशाही' नाम से नवाज़ा गया है. लाल रंग, जैसा कि आप सभी जानते हैं, एक उभयमुखी, क्या कहते हैं उसे अंग्रेज़ी में, 'अम्बीवलेंट', रंग है – एक साथ प्रेम का प्रतीक भी है और आतंक का द्योतक भी है. लाल फीते वाली फाइलें दफ्तर को बड़ी प्रिय होती हैं, वे बाबुओं को "प्रसन्न" कर देती हैं. उनमें यह ताकत होती है कि वे प्रसन्न कर सके, लेकिन वे डराती भी खूब हैं. उनमें ऐसे उत्साही और साहसी लोग होते हैं जो यह जोखिम उठा लेते हैं. पकडे गए तो जोखिम की कमाई की रकम से ही भरपाई भी कर देते हैं. ऐसे लोगों की संख्या आजकल दिन ब दिन बढ़ती ही जा रही है. भारत के विकास में उनका बड़ा योगदान है. सुना है आजकल सरकार सख्त फीतों के साथ बेरहम होती जा रही है और उनका रंग बदलने पर आमादा है. वह लाल फीताशाही समाप्त करना चाहती है. एक बड़े दफ्तर के बाबू से मेरी मुलाकात हुई. कहने लगे सरकार के चाहने से क्या होता है? लाल फीताशाही तो सनातन है और हमेशा बनी रहेगी.

धर्म अध्यात्म

संपूर्ण ब्रह्मांड के स्वामी अनंत

आचार्य अजय मिश्रा

अनंत भगवान ने सृष्टि के आरंभ में चौदह लोकों की रचना की थी. इन लोकों के पालन के लिए वह चौदह रूपों में प्रकट हुए. भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को भगवान विष्णु को समर्पित अनंत चतुर्दशी का पर्व मनया जाता है. इस पूजा में भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की आराधना की जाती है. अनंत यानी जो कभी समाप्त नहीं होता. ऐसी मान्यता है कि अनंत पूजा करने से जीवन के कष्ट, संकट और दुःखों का नाश होता है और भगवान विष्णु की कृपा से सुख, समृद्धि और शांति प्राप्त होती है. विशेष रूप से विष्णु भक्तों के लिए इस पूजा का महत्व अधिक होता है.

- **भगवान विष्णु का प्रतीक है सूत्र**

अनंत पूजा में अनंत धागे का विशेष महत्व होता है. यह एक रेशमी धागा होता है, जिसमें 14 गांठें होती हैं. इसे पुरुष अपनी दाहिनी कलाई पर और महिलाएं अपनी बाईं कलाई पर बांधती हैं. ऐसा माना जाता है कि इस धागे को बांधने से भगवान विष्णु की कृपा से व्यक्ति के जीवन में संतुलन, सुख, और समृद्धि आती है और वह अनंतकाल तक सुरक्षित रहता है. यह सूत्र भगवान विष्णु का प्रतीक होता है और माना जाता है कि इसे बांधने से उनके जीवन में सुख, समृद्धि और सुरक्षा बनी रहती है.

- **ग्रह दोष होते दूर**

अनंत पूजा के माध्यम से ग्रह शांति प्राप्त करने की भी मान्यता है. सनातन धर्म में, ग्रहों की स्थिति का जीवन पर गहरा प्रभाव माना जाता है, और ग्रहों की अनुकूलता के लिए विभिन्न पूजा-अनुष्ठान किए जाते हैं. अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से ग्रह दोष और जीवन में आने वाली समस्याओं का निवारण होता है. अनंत भगवान को अनंत काल और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उनकी पूजा से जीवन के कष्ट, रोग और ग्रह दोषों से मुक्ति पाने की आस्था होती है. विशेष रूप से कुंडली में यदि शनि, राहु, या केतु जैसे ग्रहों की अशुभ स्थिति हो, तो अनंत पूजा से उनकी नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम होता है और व्यक्ति के जीवन में शांति, स्थिरता और सफलता प्राप्त होती है. इस पूजा में भगवान विष्णु से विशेष रूप से ग्रहों की अशुभ दशाओं से मुक्ति और जीवन में समृद्धि तथा शांति की प्रार्थना की जाती है. अनंत पूजा से राज्य सुख और वैभव की प्राप्ति होती है. भगवान विष्णु को सृष्टि का पालनहार और समृद्धि का दाता माना जाता है. राजयोग, आर्थिक, समाजिक, और राजपद की प्राप्ति होती है.

- **समाज में मिलती प्रतिष्ठता**

अनंत चतुर्दशी के दिन उनकी आराधना से व्यक्ति को न केवल व्यक्तिगत जीवन में सुख और शांति मिलती है, बल्कि उसे सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में भी सफलता और वैभव की प्राप्ति होती है. ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति श्रद्धा और भक्ति से अनंत पूजा करता है, उसकी आर्थिक स्थिति में सुधार होती है और उसे समाज में प्रतिष्ठा और सम्मान मिलता है. यदि कोई व्यक्ति शासन या उच्च पद पर है, तो उसे राज्य सुख और वैभव की प्राप्ति होती है. यह पूजा भगवान विष्णु की अनंत कृपा से व्यक्ति के जीवन में स्थिरता, समृद्धि, और दीर्घकालिक सफलता लाने में सहायक मानी जाती है. इस पूजा से राज्य से जुड़ी बाधाएं और समस्याएं भी दूर होती हैं, जिससे शासन में स्थिरता और विकास होता है. इस प्रकार, अनंत पूजा के माध्यम से राज्य सुख, वैभव और समृद्धि की प्राप्ति संभव होती है.

पितृपक्ष

व्यक्ति को सृष्टि से जोड़ने का अनुष्ठान

आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक की अवधि में मृत पितरों का अपने रिश्तेदार के साथ सबसे नजदीक का एक आत्मीय संबंध बनता है. प्रकृति और परिवार से ऊपर उठकर अपने संबंध को अखिल सृष्टि से जोड़ने का यह श्रेष्ठ काल एवं अवसर होता है. इसमें कर्मकांडीय अनुष्ठान के माध्यम से व्यक्ति अपने पितरों को तर्पण करता है.

डॉ मयंक मुरारी
चिंतक और आध्यात्मिक लेखक

श्राद्ध मानव जीवन का एक बहुत ही महत्वपूर्ण कर्म है. अपने पितरों को श्रद्धा से किए जाने वाले कर्म और अनुष्ठान के कारण इस अनुष्ठान को श्राद्ध कहा गया है. आश्विन में पृथ्वी चंद्रमा के नजदीक होती है, तब सूर्य की अधिकतम रोशनी चंद्रमा के उर्ध्व भाग पर पड़ने के कारण पितृ के प्राण जाग्रत हो जाते हैं. इसी अवधि में चंद्रमा दक्षिणायन होकर परिक्रमा एवं घूर्णन प्रारंभ करता है. संक्रमण के इस अवधि में पितृगण अधोमुखी होकर पृथ्वी पर अपने परिवार एवं संबंधियों के आसपास चक्कर काटने लगते हैं. आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक की अवधि में मृत पितरों का अपने रिश्तेदार के साथ सबसे नजदीक का एक आत्मीय संबंध बनता है. प्रकृति और परिवार से ऊपर उठकर अपने संबंध को अखिल सृष्टि से जोड़ने का यह श्रेष्ठ काल एवं अवसर होता है. इसमें कर्मकांडीय अनुष्ठान के माध्यम से व्यक्ति अपने पितरों को तर्पण करता है. यह पितृऋण से मुक्ति का एक अवसर है. इसलिए यह पितृपक्ष भी कहलाता है. सूर्य के उर्ध्वभाग पर तीखी रोशनी से पितरों के शुष्क शरीर पर जल अर्पण से प्राण एवं जीवन में सरसता आती है. यह अनुष्ठान है. लेकिन यह व्यक्ति को सृष्टि से जोड़ने का ऐसा अनुष्ठान है जिसमें श्रद्धा और भक्ति ही केंद्रीय क्रिया होती है.

पितृपक्ष का एक आध्यात्मिक विधान है. भारतीय ज्योतिष में वर्ष का निर्धारण नौ प्रकार से किया गया है जिनमें दिव्य मान, ब्रह्म, पितृ, प्रजापति, गौरव, सौर, चंद्र, सावन और नक्षत्र प्रमुख है. इन सभी के समन्वय एवं सामंजस्य से ही साल का निर्धारण किया जाता है. पितरों या मृत आत्माओं के लोक और उनकी कार्यविधि के लिए पितृवर्ष का प्रावधान किया गया है. हमारी संस्कृति में पितरों का निवास स्थल चंद्रमा के उर्ध्वभाग को माना गया है, जो पृथ्वी से कभी नहीं दिखायी देता है. यह पितरों यानी मृत आत्माओं का निवास स्थल है. यह भाग पृथ्वी से दृश्यमान नहीं है. इस चंद्रमा की गति के कारण होता है. चंद्रमा का घूर्णन और परिक्रमा की अवधि लगभग समान होती है. जितने समय में वह अपने अक्ष पर घूमती है, उतने ही समय पर यानी 27 दिन, सात घंटे और 43 मिनट तथा 11.6 सेकेंड में पर पृथ्वी की परिक्रमा भी करती है. इस कारण चंद्रमा का एक भाग सदैव पृथ्वी के समक्ष रहता है. और जो भाग कभी नहीं दिखता है, उसे मृत आत्माओं का लोक मान लिया गया.

ये तीन पहर

एक चंद्र मास में अमूमन 30 दिन होता है. इसमें दो पक्ष क्रमशः 14 से 15 दिनों के होते हैं. यह चंद्रमा की कलाओं के घटने और बढ़ने के आधार पर निर्धारित होता है. जब चंद्रमा की कलाएं घटती हैं, तो वह कृष्ण पक्ष और जब कला यानी रोशनी बढ़ती है, वह शुक्ल पक्ष होता है. कृष्ण पक्ष में चंद्रमा के उर्ध्वभाग में सूर्य की रोशनी रहती है, अतएव वह पितरों का दिन होता है. इसी प्रकार शुक्ल पक्ष पितरों के लिए रात्रि होती है. यही कारण है कि कृष्ण पक्ष पितरों के श्राद्ध का काल है. इस अवधि में 15 दिनों तक सूर्य की रोशनी चंद्रमा पर होने के कारण वह पितरों के लिए दिन बना रहता है. अमावस्या के दिन सूर्य चंद्रमा के निकटतम आ जाता है. वह पितरों के लिए दिन का मध्याह्न काल होता है. इस कारण अमावस्या को पितरों को भोजन देने की परिपाटी है. इसलिए कहा गया है कि पितर लोक में कृष्णाष्टमी को सूर्यादय, अमावस्या को मध्याहन और शुक्लाष्टमी को सूर्यास्त होती है.

पितरों के वास का प्रतीक चंद्रमा

चंद्रमा को पितरों के वास का प्रतीक माना गया है. यह परंपरा बन गयी कि जिस अवधि में चंद्रमा हमारी पृथ्वी के सबसे समीप रहेगी, उस समय पितरों को परोसा गया भोजन सहज ही प्राप्त हो जायेगा. आश्विन मास में पृथ्वी चंद्रमा के सबसे नजदीक होती है. इस अवधि में सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करता है. आश्विन के कृष्ण पक्ष में महालय श्राद्ध यानी पितरों को तर्पण करने का विधान है. चंद्रमा के उर्ध्व भाग में रहनेवाले पितृगण कृष्णाष्टमी से लेकर शुक्लाष्टमी तक यानी 15 दिनों तक सूर्य की रोशनी में रहते हैं, अत उनका 15 दिनों के सूर्य दर्शन की अवधि को पितरों का दिन कहा जाता है.

पुनर्जन्म या मुक्ति में सहायक

पुनर्जन्म पर विश्वास के कारण ही मृत्यु के पश्चात भी व्यक्ति के शरीर को याद रखा जाता है. यह एक ऋण है. जीवन में और जीवन के बाद इस ऋण को सदैव ही चुकाने का प्रयास किया जाता है. ताकि व्यक्ति की यात्रा तब तक जारी रहे, जबतक की मुक्ति प्राप्त न हो जाए. कर्मकांडीय भाषा में वैतरणी पार करना कहा गया है. हमारा यह मानना है कि धरती एक मृतलोक है, जहां से व्यक्ति को अमृत की यात्रा का अवसर मिलता है. मृतक व्यक्ति को पृथ्वीलोक से यमलोक और फिर बैकुंठ, कैलाश या स्वर्ग की यात्रा का आरोहण ही पितृपक्ष में श्राद्ध के अनुष्ठान का आधार है. यह भारतीय जीवन का भरोसा है कि हमारी इच्छाओं की पूर्ति के साथ ही हमारा आरोहण होता है. आरोहण केवल मुक्ति के लिए नहीं बल्कि यह पुनर्जन्म के लिए भी होता है. मृतकों का हमारे जीवन पर ऋण रहा कि उसके कारण यह शरीर मिला. यह जीवन मिला ताकि यात्रा को जारी रखा जाए. अतएव व्यक्ति का दायित्व है कि वह अपने मृतक के पुनर्जन्म या मुक्ति में सहयोगी बने.

श्राद्ध से बढ़ती श्रद्धा

श्राद्ध और श्रद्धा का अटूट संबंध है. श्राद्ध में व्यक्ति को यह विश्वास होता है कि पितरों के कल्याण के लिए किया गया हरेक अनुष्ठान उनको प्राप्त होता है. परंपरा से समाज और परिवार में निष्ठा का भाव मजबूत होता है. पितृपक्ष के अनुष्ठान वर्तमान समय में अपने बुजुर्गों के प्रति सम्मान की भावना जागृत करने का एक सशक्त माध्यम है. श्राद्ध से समाज में श्रद्धा की उत्पति होती है. इससे जीवित पितरों एवं समाज के प्रति श्रद्धा का भाव बढ़ता है. इन अनुष्ठान का मूल आधार अपनी कृतज्ञता और आत्मीयता की सात्विक प्रवृतियों को जगाये रखना है. इस प्रवृति का जिंदा रहना संसार की सुख और शांति के लिए आवश्यक है.

डोली पर आएंगी मां

स्वामी आगमानंद जी महाराज

मां का आगमन एवं प्रस्थान सामाजिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर दोनों का परिणाम शुभ नहीं है. भक्तजनों को श्रद्धा, निष्ठा एवं भक्ति से मां की करनी होगी आराधना, तभी होगा कल्याण.

शारदीय नवरात्र 3 अक्टूबर से प्रारम्भ हो रहा है. 12 अक्टूबर को विजयादशमी है. परम शक्ति मां दुर्गा की आराधना के लिए नवरात्र को सर्वोत्तम समय माना जाता है. इसमें भी शारदीय नवरात्र का सर्वाधिक महत्व है. कहा जाता है कि भगवान राम ने भी नवरात्र कर देवी को प्रसन्न कर विजयादशमी के दिन रावण का संहार किया था. श्रद्धा विश्वास से ऊर्जा और शक्ति की देवी दुर्गा की उपासना से आज भी भक्त शांति और आत्मबल प्राप्त करते हैं. शारदीय नवरात्र प्रारंभ होने के पूर्व लोगों के दिलों में यह जिज्ञासा बनी रहती है कि मां दुर्गा किस वाहन पर सवार होकर आएंगी ओर किस वाहन से लौटेंगी. मां दुर्गा के आगमन एवं प्रस्थान से ही आगामी वर्ष के अच्छे-बुरे फल का अंदाजा लगाया जा सकता है.

श्रीशिवशक्ति योगपीठ नवगछिया (बिहार) के पीठाधीश्वर एवं श्री उत्तरतोताद्रि मठ विभीषणकुंड अयोध्या के उत्तराधिकारी रामचंद्राचार्य परमहंस स्वामी आगमानंद जी महाराज ने बताया कि इस वर्ष नवरात्र कलश स्थापना अश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 3 अक्टूबर गुरुवार को होने के कारण शास्त्रों में मां दुर्गा का आगमन डोली (पालकी) पर है. जिसका फल होता है महामारी एवं अन्य कारणों से अधिकाधिक मृत्यु. विजयादशमी शनिवार 12 अक्टूबर को है. मां दुर्गा अपने पूरे परिवार के साथ चरणायुध (मुर्गा) पर सवार होकर लौटेंगी. जिसका फल होता हैं, राष्ट्र ओर जनमानस के बीच विकलता, अन्तर युद्ध, अशांति, क्षोभ आदि. आगमन एवं प्रस्थान सामाजिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर दोनों का परिणाम शुभ नहीं है. सामाजिक एवं राजनैतिक विसंगतियां भी फैलेंगी. इस बार दस दिनों का नवरात्र होगा. कुल मिला कर असुर पर सुर, बुराई पर अच्छाई के विजय का प्रतीक नवरात्र आत्मसाधना है. मां दुर्गा का आगमन एवं प्रस्थान वार (दिन) से जुड़ा हुआ है.

- **किस दिन आगमन से क्या फल**

यदि रविवार व सोमवार को पूजा प्रारंभ होती है, तो मां दुर्गा हाथी पर, शनिवार व मंगलवार को घोड़े पर, गुरुवार व शुक्रवार को डोली पर, और बुधवार को पूजा प्रारंभ होने पर मां दुर्गा नौका पर सवार होकर आती हैं. गज (हाथी) पर आना पानी की बढ़ोतरी, घोड़ा पर आना युद्ध की आशंका, राजनेता की मृत्यु, नौका पर आना मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं. डोली पर आना आक्रांत रोग, मृत्यु का भय बना रहता है.

- **किस दिन प्रस्थान से क्या फल**

रविवार व सोमवार को विजयादशमी होती है, तो मां दुर्गा भैंसा पर, शनिवार व मंगलवार को मुर्गा पर, बुधवार व शुक्रवार को गज पर एवं गुरुवार को नर वाहन पर प्रस्थान करती हैं. भैंसा पर प्रस्थान करना शोक का माहौल, मुर्गा पर जन मानस में विकलता, गज पर शुभ वृष्टि, नरवाहन पर शुभ सौख्य होता है. इस बार मां दुर्गा डोली पर सवार होकर आएंगी ओर मुर्गा पर सवार होकर लौटेंगी. कुल मिला कर इस वर्ष जो भक्त श्रद्धा- निष्ठा से मां की आराधना करेंगे, उनका कल्याण होगा.

जैसा कि मुकेश कुमार मिश्र से बातचीत के दौरान चंद्राचार्य परमहंस स्वामी आगमानंद जी महाराज ने बताया..

शारदीय नवरात्र की प्रमुख तिथियां

3 अक्टूबर	पहला दिन	मां शैलपुत्री
4 अक्टूबर	दूसरा दिन	मां ब्रह्मचारिणी की पूजा
5 अक्टूबर	तीसरा दिन	मां चंद्रघंटा की पूजा
6 अक्टूबर	चौथा दिन	मां कूष्मांडा की पूजा
7 अक्टूबर	पांचवां दिन	मां स्कंदमाता की पूजा
8 अक्टूबर	छठा दिन	मां कात्यायनी की पूजा
9 अक्टूबर	सातवां दिन	मां कालरात्रि की पूजा
10 अक्टूबर	आठवां दिन	मां सिद्धिदात्री की पूजा
11 अक्टूबर	नौवां दिन	मां महागौरी की पूजा
12 अक्टूबर	विजयादशमी	दुर्गा विसर्जन

भगवद् गीता में मोक्ष प्राप्ति का संदेश

ज्ञान-योग, कर्म-योग एवं भक्ति-योग से मिलती जीने की दिशा

चम्पा भाटिया

श्रीमद्भगवद् गीता एक संपूर्णग्रंथ है. गीता को गीतोपनिषद् भी कहा गया है. यह वैदिक ज्ञान से युक्त समस्त उपनिषदों का सार है. गीता के निष्ठा पूर्वक गहन अध्ययन से ज्ञान-योग कर्म-योग एवं भक्ति-योग से जुड़ कर जीवन को जीने की दिशा मिलती है. जहां इस सनातन ग्रंथ से निष्काम कर्म करने की प्रेरणा मिलती है वहीं भगवान श्री कृष्ण जी ने इसमें कहा है कि मनुष्य शरीर मात्र नहीं है, शरीर नाशवान है, इस शरीर को चलाने वाली आत्मा जो कि परमात्मा का अंश है, इसका नाश नहीं होता. परमात्मा सर्वव्यापि है, हर स्थान पर समान रुप में व्यापक है. आत्मा इससे अनभिज्ञ होकर अंधकार में ग्रस्त अपने आपको शरीर ही मान बैठती है. भगवान श्री कृष्ण जी ने अर्जुन को दिव्यदृष्टि देकर, ज्ञान यक्षु देकर इस अज्ञानता को दूर किया तो अर्जुन इस विराट प्रभु के चारो ओर दर्शन कर सका.

निराकार ईश्वर जिसका कोई आकार, रंग-रूप नहीं, जिसे शस्त्र काट नहीं सकता, अग्नि जला नहीं सकती, पानी भिगोता नहीं, पवन उड़ा नहीं सकती, ऐसा विराट स्वरुप देखने के बाद अर्जुन चारों दिशओं में बार बार नमस्कार करता है. परमात्मा को जान लेने के बाद उसके सारे भ्रम दूर हो जाते हैं. गीता में भगवान श्री कृष्ण जी ने कहा है कि जो मुझे हर जगह देखता है, उसकी सोच उसके भाव में परिवर्तन हो जाता है. उसे हरेक में मैं नजर आता हूं. गीता के 6वें अध्याय के 30वें श्लोक में लिखा है-

यों मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति।
तस्य अहं न प्रणष्यामि स च मे न प्रणष्यति।।

जो मुझे सर्वत्र देखता है, वह सबको मुझमें देखता है. उससे मैं दूर नहीं होता और वह मुझसे दूर नहीं होता. भाव जिसे परमात्मा का ज्ञान मिल जाता है. परमात्मा की प्राप्ति हो जाती है. वह हर क्षण इसी प्रभु में विचरण करता है. परमात्मा की प्राप्ति हर युग में सभव है. तभी गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा ''संभवामि युगे युगे'' मैं हर युग में संभव हूं. इस परम पिता परमात्मा को जानने की विधि भी गीता में लिखी हैः-

तत् विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया।
उपदेक्ष्यन्ति ते ज्ञानं ज्ञानिनः तत्वदर्षिनः।। 4 गीता

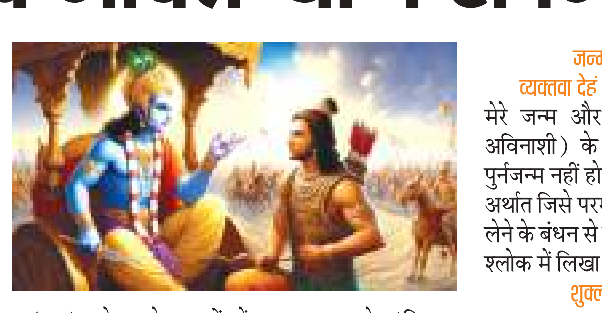

इस (प्रभु) को जानो, चरणों में नमस्कार करके (विनय पूर्वक) प्रश्न करके, सेवा से जो ज्ञानी हैं (जिनके पास परमात्मा का ज्ञान है) जिन्होंने तत्व परमात्मा के दर्शन किए हैं, वे तुझे ज्ञान का उपदेश देंगे.

भगवान श्री कृष्ण जी ने जहां यह बताया कि मनुष्य बार बार जन्म लेता और मृत्यु को प्राप्त होता है जैसे हम वस्त्र बदलते हैं. वहां ज्ञान प्राप्त करके बार बार जन्म लेने से मुक्त होता है, मोक्ष प्राप्त करता है, ब्रह्म में ही समा जाता है. जन्म मरण के बंधन से छुटकारा पा लेता है. गीता में कहा है -

जन्म कर्म च में दिव्यं एव यो वेक्षि तत्वतः।
व्यक्तवा देहं पुर्नजन्म नैति मां एति सो अर्जुन।। 4-9 गीता

मेरे जन्म और कर्म दिव्य होते हैं जो तत्व (निराकार, अविनाशी) के रुप में जानता है, देह त्यागते हुए उसका पुर्नजन्म नहीं होता, मुझमें समा जाता है.

अर्थात जिसे परमात्मा की प्राप्ति हो जाती है, वह बार बार जन्म लेने के बंधन से मुक्त हो जाता है. गीता के 8वें अध्याय के 26वे श्लोक में लिखा हैः-

शुक्ल-कृष्णे गति हवेते जगतः शाष्वते मते।
एकया याति-अनावृतिम् अन्यया आवर्तते पुनः।।

दुनिया से जाने के दो ही मार्ग हैं अंधकार, प्रकाश. एक (प्रकाश में जाने वाले जिन्हें परमात्मा का ज्ञान है, रौशनी है) जाते हैं तो वापिस नहीं आते. दूसरे (जिन्हे परमात्मा की प्राप्ति नहीं हुई) बार-बार आते हैं. भाव कोई कोई ही परमात्मा के अविनाशी को जान पाता है. अन्य एक श्लोक में लिखा हैः-भगवद्गीता अध्याय 7 श्लोक 3

मनुष्याणाम् सहस्त्रेषु कष्चित् यतति सिद्धये।
यततामपि सिद्धानां कष्चित् मां वेसि तत्वतः।।

हजारों मनुष्यों में कोई एक मेरी प्राप्ति का यत्न करता है. उन हजारों यत्न करने वालों में कोई एक मुझे जान पाता है (प्राप्त करता है).

परमात्मा को जानने के बाद ही इन्द्रियां संयमित कर्म करती हैं. इसके बारें में भगवान श्री कृष्ण ने अध्याय 4 के 39 वें श्लोक में लिखाः-

श्रद्धावान् लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः।
ज्ञानं लब्धवा परां शान्तिं अचिरेण अधिगच्छति।।

जो (दिव्य ज्ञानसे युक्त) श्रद्धावान ज्ञान प्राप्त करते हैं, उसके बाद (उनकी) इन्द्रियां संयंमित होती हैं. ज्ञान प्राप्त करके (वे) तुरंत परम शान्ति को प्राप्त करते हैं. अर्थात हमारी आत्मा (जो कि परमात्मा का अंश है) अपने मूलको, अपने अस्तित्व को नहीं जान लेती तब तक अशांत है. शान्ति केवल परम सत्ता को जान कर ही प्राप्त होती है. फिर सारी इन्द्रियां संयमित होकर कर्म करती हैं. अर्जुन को भी जब विराट स्वरुप को ज्ञान प्राप्त हुआ तो फिर उसके सभी कर्म प्रभु के निर्देश अनुसार संयमित होते गए और प्रभु को समर्पित थे.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

डेविस कप फाइनल्स : कार्लोस अल्काराज, रॉबर्टो बतिस्ता की शानदार शुरुआत

चेक गणराज्य के खिलाफ शानदार प्रदर्शन की बदौलत स्पेन चमका

एजेंसी। वेलेंसिया

कार्लोस अल्काराज के एकल और युगल मैचों में शानदार प्रदर्शन की बदौलत स्पेन ने डेविस कप फाइनल्स ग्रुप चरण में चोटों से जूझ रही चेक गणराज्य के खिलाफ जीत से शुरुआत की. रॉबर्टो बतिस्ता ने स्पेन के लिए सिंगल्स में पहला अंक जिरी लेहेका पर 6-2, 6-3 से जीत कर हासिल किया. इससे अल्काराज को जीत हासिल करने का मौका मिला, लेकिन टॉमस मचैक के तीसरे सेट में रिटायर होने के कारण घरेलू टीम को निर्णायक दूसरा अंक दे दिया. मचैक के लिए यह और भी निराशाजनक था कि अल्काराज के खिलाफ पहला सेट टाईब्रेक में जीतने के बाद उन्हें चोट

लग गई. दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी ने शुरुआती चरणों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया. उन्होंने शुरुआती सेट में 21 अनफोर्स्ड एरर किए, जो 2022 के बाद से उनका पहला डेविस कप प्रदर्शन था. मचैक उस बढ़त का फायदा उठाने में असमर्थ रहे. इसके बाद अल्काराज ने अगले चार गेम जीतकर निर्णायक सेट तक मैच का रूख तय किया, लेकिन मचैक शुरुआती गेम में ही रिटायर हो गए. 6-7(3) 6-1 पर वह कोर्ट पर ठीक से मूव करने में संघर्ष कर रहे थे.

इस मुकाबले का यह एक दुखद अंत था, जो एक रोमांचक मैच हो सकता था. स्पेन की जीत सुनिश्चित होने के बाद, अल्काराज को आराम दिए जाने की उम्मीद थी, लेकिन वह मार्सेल ग्रैनोलर्स के साथ डबल्स के लिए कोर्ट पर उतरे.

अल्काराज ने तीसरे सेट के

टाईब्रेक में शानदार प्रदर्शन किया और चेक गणराज्य के जैकब मेन्सिक और एडम पावलेसेक पर 6-7(2) 6-3 7-6(2) से जीत दिलाई. अमेरिकी ओपन में दूसरे दौर में बाहर होने के बाद से ये अल्काराज का कमबैक था. उन्होंने कहा, मैंने यूएसए में अपनी हार में भी सकारात्मक बातें याद रखने की कोशिश की.

इसे ढूंढना वास्तव में कठिन था, लेकिन मेरी कोशिश यही रही. अल्काराज ने आगे कहा, मैं अपने स्तर और मानसिक पक्ष के बारे में वही गलतियां न करने की कोशिश कर रहा हूं. मैं यहां बहुत ऊर्जा, उत्साह और प्रेरणा के साथ आया हूं, ताकि मैं अपनी टीम स्पेन के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकूं और एक टीम के रूप में जितना संभव हो सके उतनी जीत हासिल कर सकूं.

अफगानिस्तान बनाम न्यूजीलैंड टेस्ट

बारिश की वजह से लगातार चौथे दिन का खेल भी रद्द

एजेंसी। ग्रेटर नोएडा

अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट मैच के शुरू होने का इंतजार जारी है. दिल्ली-एनसीआर में लगातार बारिश के कारण लगातार चौथे दिन एक भी गेंद फेंके बिना खेल रद्द कर दिया गया. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी. इसमें आगे बताया गया है कि शुक्रवार सुबह आठ बजे मैच शुरू करने का निर्णय स्टेडियम का आकलन करने के बाद किया जाएगा. पिछले हफ्ते से शहर में लगातार बारिश हुई है और पहले दो दिन मैदान में खराब ड्रेनेज सिस्टम के कारण खेल बाधित रहा. फिर, तीसरे और चौथे दिन बारिश के कारण खेल नहीं हो पाया. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पहले कहा था कि उन्हें इस टेस्ट की मेजबानी के लिए कानपुर और बेंगलुरु की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने ग्रेटर नोएडा को इसलिए चुना क्योंकि अन्य दो स्थानों का उपयोग बीसीसीआई मैचों (आगामी भारत-बांग्लादेश दूसरा टेस्ट और हाल ही में संपन्न दलीप ट्रॉफी का पहला राउंड) के लिए किया जा रहा था. मौजूदा टेस्ट विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है, लेकिन आने वाले महीनों में श्रीलंका और भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले कीवी टीम के पास परिस्थितियों के अनुकूल होने का मौका जरूर है. दूसरी ओर, अफगानिस्तान जिसने इस साल की शुरुआत में श्रीलंका और आयरलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेले हैं.

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज 19 सितंबर से, नहीं खेल पाएंगे शोरफुल

बांग्लादेश की टीम का ऐलान

एजेंसी। ढाका

भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश ने अपनी टेस्ट टीम का ऐलान कर दिया है. पाकिस्तान दौरे पर कमर में लगी चोट के कारण बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शोरफुल इस्लाम भारत में होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर रहेंगे. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को यह घोषणा की. पाकिस्तान में पहली बार 2-0 से टेस्ट सीरीज जीतने के बाद बांग्लादेश की टीम के हौसले सातवें आसमान पर हैं. रावलपिंडी में पहले टेस्ट में 3 विकेट लेने वाले 23 वर्षीय तेज गेंदबाज शोरफुल इस्लाम चोटिल हो गए थे और वह दूसरे मैच में भी नहीं खेल पाए थे.

टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान : भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान करते समय बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कई अपडेट्स दिए हैं. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अनुसार बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शोरफुल इस्लाम अभी भी कमर की चोट से उबर रहे हैं और सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं. हालांकि लिटन दास से उम्मीद की जा रही है कि वह भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे. हालांकि जाकेर अली अनिक को बैकअप विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गया है. 19 सितंबर को चेन्नई में पहला टेस्ट मैच शुरू होगा.

बांग्लादेश की टेस्ट टीम

नजमुल हसैन शंटो (कप्तान), शादमान इस्लाम, जाकिर हसन, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास, मेहदी हसन मिराज, जाकेर अली, तस्किन अहमद, हसन महमूद, नाहिद राना, तैजुल इस्लाम, महमदुल हसन जॉय, नईम हसन और खालेद अहमद.

भारत की टेस्ट टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल.

भारत बनाम बांग्लादेश टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

पहला टेस्ट मैच – 19 सितंबर से 23 सितंबर, सुबह 9.30 बजे से चेन्नई में

दूसरा टेस्ट मैच – 27 सितंबर से 1 अक्टूबर, सुबह 9.30 बजे, कानपुर

सैयद खालिद अहमद की वापसी

नजमुल हुसैन शांतो टेस्ट सीरीज में बांग्लादेशी टीम की अगुवाई करेंगे. बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज महमदुल हसन जॉय ने पाकिस्तान टेस्ट सीरीज से बाहर रहने के बाद टीम में वापसी की है. महमदुल हसन जॉय को कमर में चोट लगी थी, जिसे ठीक होने में करीब दो सप्ताह लगे. भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए तेज गेंदबाज सैयद खालिद अहमद की बांग्लादेश की टीम में वापसी हुई है. सैयद खालिद अहमद चोटिल शोरफुल इस्लाम की जगह पर आए हैं.

आज से शुरू हो सकता है टीम इंडिया का अभ्यास कैंप

एजेंसी। चेन्नई

भारत और बांग्लादेश के बीच 19 सितंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी. सीरीज का पहला मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा. इस मुकाबले से पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा समेत पूरी टीम इंडिया चेन्नई में इकट्ठा होगी. फिर शुक्रवार से अभ्यास कैंप की शुरुआत होगी, जो 18 सितंबर तक चलेगा. बता दें कि रोहित शर्मा और विराट कोहली श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद से ब्रेक पर हैं. दोनों ही दिग्गज इन दिनों खेली जा रही दिलीप ट्रॉफी में भी हिस्सा नहीं ले रहे हैं. इसके अलावा टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद लगातार ब्रेक पर चल रहे जसप्रीत बुमराह की भी बांग्लादेश टेस्ट के जरिए वापसी होगी. पूरी टीम के साथ बुमराह भी अभ्यास कैंप का हिस्सा होंगे. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ब्रेक के दौरान फिटनेस पर काफी काम करते हुए दिखाई दिए. उन्हें कई बार में जिम में देखा गया. इसके अलावा हिटमैन टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर के साथ भी कई बार नजर आए. वह जिम में जमकर पसीना बहा रहे हैं. गौरतलब है कि बीसीसीआई ने फिलहाल बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ही टीम इंडिया का एलान किया है. पहले टेस्ट की टीम में अनकैप्ड तेज गेंदबाज यश दयाल को रखा गया है. इसके अलावा टीम में कई ऐसे युवाओं को मौका दिया गया है, जिन्होंने भारत के लिए ज्यादा टेस्ट नहीं खेले हैं. बाकी बांग्लादेश टेस्ट के जरिए ऋषभ पंत की टेस्ट टीम में वापसी होगी.

गौरव के पल : भारत ने पेरिस पैरालंपिक में 7 स्वर्ण, 9 रजत व 13 कांस्य पदक अपने नाम किये

पीएम ने भारतीय पैरा-एथलीटों से की मुलाकात

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पेरिस पैरालंपिक से लौटे भारतीय दल से अपने आवास पर मुलाकात की. इस बार भारतीय एथलीटों ने टोक्यो के रिकॉर्ड प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक मंच पर अपनी छाप छोड़ी और पैरालंपिक में देश के लिए अब तक के सर्वोच्च पदक जीतकर इतिहास रचा. भारत ने 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक के साथ कुल 29 पदकों के साथ पदक तालिका में 18वां स्थान हासिल किया. इस दल ने 2020 टोक्यो पैरालंपिक (कुल मेडल 19) में भारत द्वारा बनाए गए अब तक के सर्वश्रेष्ठ पदकों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है. पैरालंपिक खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 शूटिंग स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ अपना खिताब बरकरार रखते हुए पीएम मोदी को अपनी जर्सी भेंट की. इस पर लिखा था, आपके समर्थन के लिए... धन्यवाद सर. इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने कपिल परमार के कांस्य पदक पर साइन किए, जो उन्होंने पैरा जूडो पुरुषों की 61 किग्रा जे1 श्रेणी में जीता था.

हरविंदर ने दिया खास गिफ्ट

पैरालंपिक गेम्स में आर्चरी का गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने हरविंदर सिंह ने पीएम को अपना ऐरो यानि गेम्स तीर गिफ्ट किया, जिसका इस्तेमाल उन्होंने इन गेम्स के दौरान किया था. पीएम से मुलाकात के बाद हरविंदर ने बताया कि पीएम ने सिर्फ मेडल विजेताओं से ही नहीं, बल्कि गेम्स में हिस्सा लेने वाले हर खिलाड़ी से बात की और साथ ही सपोर्ट स्टाफ के सदस्यों के साथ भी चर्चा की. मोदी ने उनका हौसला भी बढ़ाया.

दलीप ट्रॉफी में ईशान किशन ने लगाई सेंचुरी

नयी दिल्ली। ईशान किशन ने एक बार फिर अपने बल्ले की धमक दिखा दी है. बाएं हाथ के इस तूफानी बल्लेबाज ने दलीप ट्रॉफी में सेंचुरी लगाई है. इंडिया सी के लिए खेल रहे ईशान किशन ने ताबड़तोड़ बैटिंग करते हुए इंडिया बी के खिलाफ सेंचुरी लगाई. बड़ी बात ये है कि इंडिया सी टीम ने अपने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को चोट की वजह से खो दिया था वो मैच की दूसरी गेंद पर ही रिटायर्ड हर्ट हो गए थे लेकिन इसके बाद ईशान किशन ने ताबड़तोड़ अंदाज में अपनी सेंचुरी पूरी की. ईशान किशन ने लगभग 90 के स्ट्राइक रेट से सैकड़ा जड़ा. ये फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका 7वां शतक है. ईशान किशन का ये शतक इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने दो साल के बाद फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सैकड़ा जड़ा है.

मैं अभी गेंद को आसानी से हिट करने में सक्षम हूं : ट्रेविस हेड

एजेंसी। साउथम्पटन

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला रोमांचक रहा. ट्रेविस हेड ने 23 गेंदों पर 59 रनों की धमाकेदार पारी खेली और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई. ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. वे हर फॉर्मेट में टीम को फ्रंट से लीड कर रहे हैं, खास तौर पर टी20 में उनका कोई मुकाबला नहीं. साउथम्प्टन में हेड ने 19 गेंदों में अर्धशतक बनाया, जो इस साल टी20 में उनका चौथा पचास से ज्यादा का स्कोर था. इस पारी के दौरान उन्होंने इंग्लिश स्टार गेंदबाज सैम करन के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाया. हेड ने करन के एक ओवर में 30 रन (4,4,6,6,6,4) बटोरे. पिछले हफ्ते हेड ने स्कॉटलैंड के खिलाफ 25 गेंदों में 80 रन बनाए थे, जहां उन्होंने सिर्फ 17 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया. क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने हेड के हवाले से कहा, ''''मैंने पिछले 12 महीनों तक बहुत अधिक टी20 क्रिकेट नहीं खेला है. अपने खेल पर और मेहनत करते हुए, मैंने थोड़ा बहुत अपनी तकनीक में भी बदलाव किया.

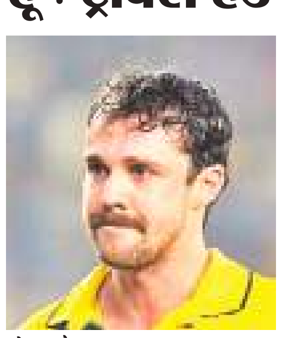

भारत की आलोचना करने का जवाब आक्रामकता से देना होगा :गावस्कर

नयी दिल्ली। दिग्गज सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारत की आलोचना करने का जवाब आक्रामकता से देना होगा. उन्होंने हाल ही में जो रूट के टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ने की संभावना पर की गई टिप्पणियों का हवाला दिया. इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा था कि यह बस समय की बात है कि रूट टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनेंगे. बीसीसीआई यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा कि यह रिकॉर्ड किसी भारतीय बल्लेबाज के नाम रहे.

ऑस्ट्रेलिया की इंग्लैंड पर दमदार जीत

- पहला टी20 मैच : हेड ने एक ओवर में बनाए 30 रन

एजेंसी। साउथम्पटन

ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 23 गेंदों पर 59 रनों की पारी के दौरान सैम करन के एक ओवर में 30 रन बटोरे. इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पहले टी20 मैच में 28 रन से हरा दिया. बुधवार को खेले गए तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गेंदबाजी चुनी. हेड ने ऑस्ट्रेलिया की पारी के पांचवें ओवर में करन की गेंद पर तीन चौके और तीन छक्के जड़े, जिससे आस्ट्रेलिया ने 179 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. जवाब में मेजबान टीम 151 रनों पर सिमट गई. हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और पावरप्ले में 50 रन बना लिए. उन्होंने मैथ्यू शॉर्ट (41) के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए तेजी से 86 रन जोड़े. मैच में एक समय ऑस्ट्रेलिया 200 से अधिक का स्कोर बनाने की राह पर तेजी से बढ़ रहा था, लेकिन लियाम लिविंगस्टोन (3-22) ने मेहमान टीम को 179 रन तक सीमित कर दिया.

अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (2/32) ने नई गेंद से ऑस्ट्रेलिया के लिए अच्छी गेंदबाजी की. एडम जम्पा (2/20) और सीन एबॉट (3/28) ने भी इंग्लिश टीम पर दबाव बनाया और उन्हें लक्ष्य से बहुत दूर रखा. इस जीत से ऑस्ट्रेलिया को तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त मिल गई है. अगला मैच शुक्रवार को कार्डिफ में होगा. हेड ने करन के खिलाफ जो 30 रन बनाए, उन्होंने एक टी20 अंतरराष्ट्रीय ओवर में सर्वाधिक रन बनाने का आस्ट्रेलियाई पुरुष रिकॉर्ड बना लिया.

ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह पक्की करने को बेताब मैथ्यू शॉर्ट

साउथम्पटन । इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दमदार शुरुआत की. टॉप ऑर्डर बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट ने कहा कि वह टी20 टीम में सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह पक्की करने के लिए हर मुमकिन कोशिश करने को तैयार हैं. मैथ्यू शॉर्ट ने साउथम्पटन में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 26 गेंदों पर 41 रनों की तूफानी पारी खेली और ट्रेविस हेड के साथ 86 रनों की मजबूत साझेदारी की थी. इस पारी में उन्होंने चार चौके व् दो छक्के लगाए. इंग्लैंड पर 28 रन की जीत के साथ तीन मैचों की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 की बढ़त मिली. शॉर्ट ने संवाददाताओं से कहा, डेविड वॉर्नर के बाहर होने से, आपको पता चल जाता है कि जगह खाली हो गई है.

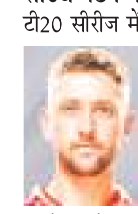

ऐतिहासिक क्षण | 1966 में ही मिहिर सेन ने पांच महाद्वीपों के महासागरों को तैरकर पार किया था

जब मिहिर सेन ने डार्डेनेल्स स्ट्रेट को तैरकर पार किया

एजेंसी। नयी दिल्ली

नीले पानी के भीतर, जहां सपने गहराई में उतरते हैं और इच्छाशक्ति लहरों से भी मजबूत होती है, वहां लंबी दूरी के तैराक अपनी कहानी लिखते हैं. डायना न्याड ने 64 साल की उम्र में ऐसी कहानी लिखी थी और भारत के मिहिर सेन ने 12 सितंबर 1966 को कुछ ऐसी ही उपलब्धि हासिल की थी. ये एथलीट केवल तैराकी नहीं करते वे विशाल समुद्रों को पार करते हैं, और मानवीय क्षमता की सीमाओं को चुनौती देते हैं. भारत के लंबी दूरी के तैराक मिहिर सेन ने 12 सितंबर को डार्डेनेल्स स्ट्रेट को पार किया था. स्ट्रेट जिसे

जलडमरूमध्य कहते हैं और आसान भाषा में समझें तो दो बड़े जल निकायों के बीच का संकरा खंड. स्ट्रेट दो महासागरों को जोड़ सकता है. ऐसे ही एजियन और मरमारा सागर को जोड़ने वाला स्ट्रेट है डार्डानेल्स. इसको साल 1966 में मिहिर सेन ने पार किया था. उन्होंने साल 1966 में सिर्फ डार्डानेल्स स्ट्रेट ही नहीं, बल्कि कई और स्ट्रेट्स को भी तैरकर पार किया था. मिहिर सेन ने उस साल पांच महाद्वीपों के महासागरों को तैरकर पार किया था. उसमें में एक था 12 सितंबर को पार किया गया डार्डेनेल्स स्ट्रेट. इससे पहले वह 5-6 अप्रैल को पाक स्ट्रेट को पार कर चुके थे.

24 अगस्त को जिब्राल्टर स्ट्रेट को पार किया था. यानि एक ही साल में करीब तीन महीनों में ही बड़ी उपलब्धि हासिल की. 12 सितंबर को डार्डेनेल्स को, 21 सितंबर को बोस्फोरस स्ट्रेट को और 29-30 अक्टूबर को पनामा नहर को तैरकर पार किया था. इससे पहले वह 27 दिसंबर, 1958 को इंग्लिश चैनल को तैरकर पार कर चुके थे. लेकिन यह 1966 का कारनामा था जिसने उन्हें अमर बना दिया.

एक कैलेंडर ईयर में पांच महाद्वीपों के महासागरों को पार करने वाले वह पहले व्यक्ति थे. यह एक ऐसी अविश्वसनीय उपलब्धि थी जिसने उन्हें गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान दिलाया था. इस चमत्कार को संभव करके दिखाने वाले मिहिर सेन का जन्म 1930 में बंगाल में एक मिडिल क्लास फैमिली में हुआ था. तब तैराकी न तो उनके दिमाग में थी और न ही परिवार में. पिता पेशे से चिकित्सक थे और साधारण ग्रामीण जीवनशैली थी. तैराकी में तब मिहिर ऐसे ही थे जैसे गांव के बाकी युवा.

टेनिस प्रीमियर लीग सीजन 6 में डेब्यू करेंगे ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना

एजेंसी। मुंबई

टेनिस प्रीमियर लीग का बहुप्रतीक्षित छठा संस्करण आने वाला है और पूर्व विश्व नंबर 1 रोहन बोपन्ना दिसंबर में मुंबई में होने वाले टूर्नामेंट का हिस्सा होंगे. वर्तमान में, बोपन्ना पुरुष युगल में विश्व नंबर 6 पर हैं. भारत के सबसे मशहूर और लोकप्रिय टेनिस खिलाड़ियों में से एक, बोपन्ना टेनिस प्रीमियर लीग में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं, जिसका उद्देश्य खेल के खेलने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाना है. टीपीएल ने 5 बेहद सफल सीजन पूरे किए हैं, और सीजन 6 के लिए

तैयार हो रहा है. 44 वर्षीय बोपन्ना, जिन्होंने 2 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं (पुरुष युगल में 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और मिश्रित युगल में 2017 में फ्रेंच ओपन), ने तीन ओलंपिक खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें 2016 में रियो में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चौथा स्थान रहा था. बेंगलुरु से आने वाले इस दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी के नाम दुनिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड भी है, जब उन्होंने साल की शुरुआत में जनवरी के अंत में यह मुकाम हासिल किया था.

8उन्होंने अपने करियर में 25 से ज़्यादा खिताब जीते हैं और लिएंडर पेस, महेश भूपति और सानिया मिर्जा के बाद टेनिस रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले चौथे भारतीय टेनिस खिलाड़ी हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष धर्म कर्म में आस्था बढ़ेगा. ससुराल से सुख का सामान मिलेगा. साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है. स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा. दांपत्य जीवन में विश्वास बढ़ेगा. कामकाज की गति बनी रहेगी.

वृष समय सामान्य है. किसी से विवाद हो सकता है. कुछ मानसिक उलझन होगा. घर की चिंता रहेगी. विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे. कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं. सरकारी राज्यपक्ष के कामों में पर्याप्त सावधानी रखें.

मिथुन जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का योग है. कोई नये कार्य में जोखिम न उठाएं. व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी. पुराने झंझटों से राहत रह पाएगी. क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखना होगा.

कर्क मौसमी बीमारियों से बचें, वैसे समय बहुत ही अनुकूल है. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे. अपने व्यसनों पर काबू रखना चाहिए. किसी से भी बोलने से पहले विचार कर लें.

सिंह कार्य में बिलंब होने से मन खिन्न होगा. शिक्षा में सुधार का समय आ गया है. बस प्रयास करें. रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. प्रसन्नता-वर्धक समाचार मिलेंगे. व्यापार में इच्छित लाभ होगा.

कन्या सुख का सामान एकत्र होगा. किसी बात को लेकर मन में प्रसन्नता बढ़ेगी. कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना कुछ कम रहेगी. विवेक से निर्णय करने पर लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकेगी. नए कार्य का आरंभ लाभदायी रहेगा.

तुला अपनों के कार्य को लेकर भागदौड़ रहेगी. कुछ हानि भी हो सकती है, धैर्य रखें. काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बांटना आवश्यक है. आर्थिक कामों में परेशानी आने की संभावना है. इत्र का दान और प्रयोग करें.

वृश्चिक जुबान पर नियंत्रण रखें. जो विद्यार्थी होंगे, शिक्षा में सफल रहेंगे. धनार्जन होगा. पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें. आत्मविश्वास बना रहेगा. कारोबार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें.

धनु मानसिक शांति मिलेगी. कार्य बनने से मानसिक शांति मिलेगी. भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें. अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं. परिश्रम के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी. संतान की इच्छा पूरी होगी. अन्न दान करें.

मकर समय सामान्य है. खर्च अधिक होगा. कुछ विवाद भी हो सकता है. व्यवसाय ठीक चलेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे. सही समय पर लिए गए फैसले लाभ दिला सकते हैं. आवास संबंधी समस्या हल होने के योग हैं.

कुंभ आय के लिए दिन उत्तम है, पर किसी से विवाद न करें. उतावली में कोई काम न करें. पुरानी संपत्ति के रख-रखाव पर धन खर्च हो सकता है. सामाजिक, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. विद्यार्थियों को पढ़ाई की चिंता रहेगी. पर मेहनत से विजय पाया जा सकता है.

मीन दिन का समय बहुत ही अच्छा है. सत-कर्म में रुचि बढ़ेगी. लाभ में वृद्धि होगी. कुसंगति से बचें. परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है. संतान की रोजी-रोटी की चिंता समाप्त होने के योग हैं. घर परिवार में खुशहाली होगा.

बहरागोड़ा में साबुआ हांसदा का 37वां शहादत दिवस मनाया गया

सभी गोलीकांड कांग्रेस सरकार के काल में हुआः चंपाई

संवाददाता | बहरागोड़ा

चाकुलिया प्रखंड अंतर्गत एनएच 18 किनारे स्थित केरूकोच चौक पर साबुआ हांसदा का 37वां शहादत दिवस मनाया गया. इसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने गुरुवार की सुबह से ही माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि कांग्रेस सरकार के शासन काल में जल, जंगल, जमीन की रक्षा करते हुए साबुआ हांसदा ने शहादत दी थी. कांग्रेस सरकार के शासनकाल में कोल्हान प्रमंडल में सबसे ज्यादा गोली कांड हुआ है. यह जल, जंगल, जमीन का आंदोलन था, लेकिन झारखंड आंदोलन कहिए या जल, जंगल, जमीन का आंदोलन कहिए,आंदोलन को कुचलने का काम अगर किसी ने किया है तो वह कांग्रेस सरकार है. साबुआ हांसदा को जिस जगह पर श्रद्धांजलि दे रहे हैं वहां भी गोली कांड हुआ था. इस बार साबुआ हांसदा का आशीर्वाद लेकर आगे की रणनीति तय की जाएगी. इससे पहले झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो ने कोकपाड़ा टोल गेट से भारी संख्या में बाइक के साथ रैली निकाल कर नयाग्राम अवस्थित साबुआ हांसदा की मूर्ति तथा केरुकोचा में अवस्थित मूर्ति पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. मौके पर सरना समिति के अध्यक्ष कृष्ण मुंडा, सौमित्र ओझा, सांसद प्रतिनिधि गौरव पुष्टि, राजकुमार कर ,चंदन सीट तथा हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे.

शहादत दिवस समारोह के दौरान पूर्व सीएम चंपाई सोरेन. साथ हैं जमशेदपुर के सांसद विद्युतवरण महतो

पुलिस मुख्यालय का आदेश

मातृत्व अवकाश अब शिशु देखभाल अवकाश कहलाएगा

संवाददाता | रांची

मातृत्व अवकाश को अब शिशु देखभाल अवकाश के नाम से जाना जायेगा. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी कर दिया है. गौरतलब है कि राज्य सरकार ने झारखंड सेवा संहिता 2000 के प्रारूप को स्वीकृति दी है. इसके तहत महिला कर्मियों के साथ पुरुष कर्मियों को भी पितृत्व अवकाश मिलेगा. राज्य सरकार ने छठे केंद्रीय वेतन आयोग की अनुशंसा के आलोक में यह निर्णय लिया है. इस प्रारूप में राज्य सरकार ने सरकारी महिला कर्मियों के मातृत्व अवकाश की अधिसीमा में वृद्धि करने के साथ पुरुष कर्मियों के लिए पितृत्व अवकाश का प्रावधान किया है.

जानें क्या है प्रावधान

- महिला कर्मियों के लिए समस्त सेवाकाल में दो अवयस्क संतानों की देखभाल के लिए कुल 730 दिनों की "शिशु देखभाल अवकाश" का प्रावधान किया गया है.
- इस अवकाश के दौरान महिला एकल पुरुष कर्मचारी को यह छुट्टी वेतन प्राप्त होगा, जो छुट्टी पर प्रस्थान करने के ठीक पहले वो प्राप्त कर रही या रहा हो.
- झारखंड सेवा संहिता 2000 के नियम 220 के बाद नया नियम 220 (ए) शिशु देखभाल अवकाश के रूप में स्थापित किया जायेगा.

दिसंबर के विस चुनाव में झारखंड से भाजपा की निकाली जाएगी अंतिम यात्रा

चंपाई 15 को पीएम से झारखंड का बकाया दिलवा दें : सुप्रियो

- प्रधानमंत्री मोदी से सरना धर्म कोड की भी घोषणा करा दें
- जितनी आग लगानी है लगा लो, झारखंड जलेगा नहीं, जलाएगा

विशेष संवाददाता | रांची

पूर्व सीएम और झामुमो के वरिष्ठ, अनुभवी नेता रहे चंपाई सोरेन पार्टी के प्रखर वक्ता रहे हैं. झामुमो के नीति-सिद्धांत और झारखंडी मुद्दों और मांगों को हमेशा से प्रमुखता से उठाते रहे हैं. अब वे भाजपा में चले गए हैं, इसलिए उनकी झारखंडी मुद्दों और मांगों की जिम्मेवारी और अधिक बनती है. झारखंडी जनता उनसे आपेक्षा भी करती है. इसलिए आगामी 15 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी औद्योगिक लौह नगरी जमशेदपुर आ रहे हैं. यह उनका सरकारी कार्यक्रम भी है. वे कुछ झारखंड के कुल 2100 करोड़ रूपये की कुछ सौगात भी देने जा रहे हैं, ऐसी सूचना है. मगर इसके साथ ही चंपाई सोरेन मंच से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 2025 में होने वाले राष्ट्रीय जनगणना के पूर्व झारखंड के बहुप्रतीक्षित मांग सरना धर्म कोड, सरना आदिवासियों की गणना और झारखंड का बकाया 1 लाख, 36 हजार करोड़ देने की घोषणा भी करा दें. इतना ही मंच पर कई पूर्व सीएम रहेंगे, इसलिए यह उनकी भी जिम्मेवारी बनती है कि वह प्रधानमंत्री से इसकी घोषणा कराएं. 21 को गृह मंत्री भी संथाल जा रहे हैं. फिर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी 19 को झारखंड आ रही हैं. जब पीएम और गृह मंत्री घोषणा करेंगे तो फिर उसे राष्ट्रपति ही मंजूरी प्रदान करेंगे, क्योंकि इसके पहले भी झारखंड की राज्यपाल रहते हुए उन्होंने पूर्ववर्ती रघुवर सरकार द्वारा सीएनटी-एसपीटी एक्ट संशोधन को पेनडाउन करके आदिवासी-मूलवासियों के हितों की रक्षा की थी. अगर ऐसा नहीं होता है, तो फिर से झारखंड और झारखंडी ठगा का ठगा रही रह जाएगा. क्योंकि झारखंड देश को बहुत कुछ देता है, मगर इसके एवज में झारखंड और झारखंडियों को कुछ मिलता नहीं है. यह बातें झामुमो के केंद्रीय महासचिव व प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने गुरुवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

घुसपैठ को लेकर केंद्र सरकार की एफिडेविट भ्रम पैदा करने वाली : सुप्रियो भट्टाचार्य ने घुसपैठ को लेकर केंद्र सरकार द्वारा जमा किए गए एफिडेविट पर सवाल खड़ा किया. कहा कि यह भ्रम पैदा करने वाली स्थिति है. एफिडेविट में कहीं भी घुसपैठ शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया है. केवल 1961 से लेकर 2011 तक मुस्लिमों ओर ईसाई की स्थिति बतायी गयी है. उन्होंने मौलाना आजाद और एपीजी अब्दुल कलाम जैसी हस्तियों को जिक्र करते हुए कहा कि यह तो घुसपैठिए नहीं थे ना. अगर फिर भाजपा वालों को लगता है तो इसकी जिम्मेवारी गृह मंत्री, रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री लें. क्योंकि सीमा पर तैनात बीएसफ के जवान क्या करते रहे, क्यों रोका नहीं गया. विदेश मंत्री ने अब तक इसे राष्ट्रीय मंचों पर क्यों नहीं उठाया.

धार्मिक धुर्वीकरण से बाज आए भाजपा : सुप्रियो भट्टाचार्य ने असम के सीएम का जिक्र करते हुए कहा कि दरअसल पूरे मसले पर भाजपा धार्मिक धुर्वीकरण का प्रयास में जुटी है. इन्हें मणिपुर नजर नहीं आता है, जहां पर आग लगायी गयी. अब खुद वहां की सरकार इसमें झुलसती नजर आ रही है. वहां की सरकार केंद्र को पत्र लिखकर केंद्रीय फोर्सेस को वापस करने की मांग कर रही है. भाजपा नेताओं को जवाब देना चाहिए कि मणिपुर देश का हिस्सा या नहीं. वहां पर आदिवासी निवास करते या नहीं. उन्होंने कहा कि झारखंड में जितनी भी आग लगानी है लगा लें, झारखंड जलेगा नहीं बल्कि जलाएगा. झारखंड की जनता दिसंबर को लेकर तैयार बैठी है. जब झारखंड से भाजपा की अंतिम यात्रा निकाली जाएगी.

झारखंड के आदिवासी-मूलवासी की अस्मिता खतरे मेंः बाउरी

- अफसरों को आगे कर राजनीति न करे सरकार
- झारखंड की डेमोग्राफी पूरी तरह से चेंज हुई है

प्रमुख संवाददाता | रांची

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा है कि झारखंड के आदिवासी-मूलवासी की अस्मिता खतरे में है. राज्य की डेमोग्राफी चेंज हुई है. खास कर संथाल परगना के पाकुड़ और साहेबगंज में भयंकर घुसपैठ हो रहा है. घुसपैठ को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है. इस पर लगातार सुनवाई भी हो रही है. हाईकोर्ट ने इस पर संज्ञान लेते हुए कहा कि संताल के छह जिलों के डीसी और एसपी रिपोर्ट दें, कि उसके लिए वे क्या कर रहे हैं. बाउरी गुरुवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार घुसपैठियों की संरक्षक है. इस पर लीपापोती की जा रही है. राज्य सरकार ने डीसी और एसपी के माध्यम से जो एफिडेविट दायर किया था उसे हाईकोर्ट ने भी खारिज कर दिया थी.

एसपीटी एक्ट का भी हुआ है उल्लंघन : बाउरी ने कहा कि अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाईकोर्ट में एक एफिडेविट दायर किया है. इसमें इस बात को स्वीकार किया है कि घुसपैठ संताल परगना के लिए बड़ा खतरा उभर कर सामने आया है. इसके कारण डेमोग्राफी चेंज हुई है. एसपीटी एक्ट का भी उल्लंघन हुआ है. इसमें कहीं न कहीं राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त है.

आधार कार्ड सिर्फ यूनिक आइडेंटिफिकेशन के लिए

बाउरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने कहा है कि आधार कार्ड सिर्फ यूनिक आइडेंटिफिकेशन के लिए है. एनआरसी ही किसी को रजिस्टर्ड नागरिकता से जोड़ सकता है. बाउरी ने कहा कि अफसरों को आगे कर राजनीति नहीं होनी चाहिए. गृह सचिव इस बात में व्यस्त हैं कि इस तुष्टिकरण की सरकार को कैसे बचाएं और कैसे आगे लेकर जाएं. बाउरी ने राज्य सरकार से कहा कि राजनीति में अपने अफसरों को न झोंके. अफसरों को उनका काम करने दें. अफसरों को राजनीति में आगे करना लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है.

धुरकी पुलिस ने छापामारी कर नकली हार्पिक जब्त की

संवाददाता | धुरकी

धुरकी पुलिस ने थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी अभियान चलाया गया. इस दौरान सगमा स्थित एक दुकान से 200 एमएल का भरा हुआ डब्बा 720 पीस, 200 एमएल का खाली डब्बा 751 पीस, 200 एमएल का रैपर 6500 पीस, नकली ढक्कन 651 पीस, केमिकल 8 लीटर, इआइपीआर अधिकृत पी एंड जी कंपनी का टाइड प्लस नकली भरा पैकेट 95 ग्राम का 900 पीस, ईआइपीआर अधिकृत पी एंड जी कम्पनी का टाइड प्लस नकली खाली पैकेट 1100 पीस को जब्त कर दुकानदार हरी दर्शन यादव के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है.

200 एमएल का भरा हुआ डब्बा 720 पीस, 200 एमएल का खाली डब्बा 751 पीस, 200 एमएल का रैपर 6500 पीस, नकली ढक्कन 651 पीस, केमिकल 8 लीटर जब्त

थाना प्रभारी उपेन्द्र ने बताया कि रेकिट बेनसिकर प्रा. लि के प्रमुख जांचकर्ता रंजीत कुमार सिंह द्वारा सूचना प्राप्त हुई थी कि सगमा में एक दुकान में अवैध रूप से रेकिट बेनसिकर के हार्पिक की जगह पर उसी लोगो का इस्तेमाल कर नकली हार्पिक का निर्माण कर खरीद बिक्री की जा रही है. इसके बाद उक्त सूचना का सत्यापन कर हरी दर्शन यादव के दुकान में छापामारी की गई, जिसमें भारी मात्रा में नकली भरा हुआ 200 एमएल के हार्पिक, 200 एमएल नकली हार्पिक का खाली डब्बा, उसमे प्रयोग होने वाला ढक्कन, नकली रैपर आदि को जब्त कर प्रमुख जांचकर्ता रंजीत सिंह के लिखित आवेदन के आधार पर कांड अंकित किया गया है.

दो दिवसीय एनईपी-2020 की कार्यशाला का शुभारंभ

एनईपी से विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल विकास को मिलेगा बढ़ावा : कुलपति

संवाददाता | मेदिनीनगर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 में न केवल शिक्षा व्यवस्था बदलने की शक्ति है, बल्कि पूरे राष्ट्र, उसकी सोच, उसकी दृष्टि को बदलने की ताकत है. उक्त बातें प्रमंडलीय आयुक्त सह एनपीयू के प्रभारी कुलपति बाल किशुन मुंडा ने कही. वे दीनदयाल नगर भवन में आयोजित दो दिवसीय एनईपी-2020 की कार्यशाला के उदघाटन सत्र में बोल रहे थे. इससे पूर्व योध सिंह नामधारी महिला कॉलेज के आईक्यूएसी के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला का उदघाटन कुलपति बाल किशुन मुंडा, रिसोर्स पर्सन पीके राय मेमोरियल कॉलेज धनबाद के प्रभारी प्राचार्य डॉ बीके सिन्हा, एनपीयू के प्रोक्टर डॉ केसी झा, महिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहिनी गुप्ता आदि ने संयुक्त रूप से किया. कुलपति ने कहा कि भारत एक वैश्विक महाशक्ति बनाने एवं विकास की नई ऊंचाइयों को छूने के उदेश्य नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति शुरू की गई है. एनईपी सिर्फ एक नीति नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की आंकाक्षाओं का संकलन है. यह नीति नये भारत के निर्माण का संकल्प है. स्कूल के बैग के बोझ से विद्यार्थियों को मुक्त करना है. छात्र-छात्राओं में रचनात्मक व आलोचकनात्मक सोच को बढ़ावा देना है. इसका मुख्य उदेश्य विद्यार्थियों को एक वैश्विक नागरिक बनाना है. एनईपी विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल विकास को बढ़ावा देना है. एनपीयू में 2022 से यूजी स्तर पर एनईपी लागू किया गया है. एनपीयू के प्रोक्टर डॉ केसी झा ने कहा कि एनईपी के तहत स्कूली शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव किये गए हैं. विद्यार्थियों में साइंस, आटर्स एवं कॉमर्स का विभेद नहीं होगा. विद्यार्थियों को कोर्स चयन करने की पूरी स्वतंत्रता दी गई है. प्राचार्य डॉ मोहिनी गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि एनईपी के तहत गुणवतायुक्त शिक्षा को बढ़ावा देना है. इस नीति का क्रियान्वयन होने से विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास हो सकेगा. कार्यशाला का प्रायोजक उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग है. उदघाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र की शुरूआत हुई. मौके पर शिक्षक, विद्यार्थी मौजूद रहे.

कार्यशाला का उद्घाटन करते कुलपति बाल किशुन मुंडा.

सीसीएल में एथिक्स और गवर्नेंस पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित

रांची | सीसीएल के सतर्कता विभाग ने मानव संसाधन विकास विभाग के सहयोग से एथिक्स और गवर्नेंस पर एक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया. इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सीआईएल के पूर्व मुख्य प्रबंधक (वित्त) ए.डी. वाधवा थे. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सीवीओ सीसीएल पंकज कुमार उपस्थित थे. यह कार्यशाला नैतिक प्रथाओं और शासन के प्रति प्रतिबद्धता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था. इस कार्यक्रम में क्षेत्र और मुख्यालय से कुल 39 प्रतिभागियों ने भाग लिया. उद्घाटन सत्र में पंकज कुमार ने प्रेरक और मनोबल बढ़ाने वाली बातें की. इस अवसर पर जीएम विजिलेंस एके सिंह उपस्थित थे. जीएम एचआरडी आरके पांडे ने सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया. सभी प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा की.

खूंटी विस क्षेत्र में नहीं रुकेगी विकास की गाड़ी : नीलकंठ सिंह मुंडा

खूंटी | खूंटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने गुरुवार को खूंटी प्रखंड की भंडरा पंचायत के बरबंदा कर्रा टोली में पीसीसी पथ, जिलिंगा में खेल मैदान के सौंदर्यीकरण, हेसाहातु में पीसीसी पथ निर्माण और चितरामू में खेल मैदान सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास किया. मौके पर आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए विधायक मुंडा ने गांव वालों से सीधा संवाद करते हुए क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों और उनकी समस्याओं की जानकारी ली. विधायक ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि बहुत जल्द उनकी समस्याओं का निराकरण किया जायेगा. उन्होंने कहा कि आज हमारे क्षेत्र की बहुत सारे खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा के बल पर देश-विदेश में झारखंड का मान बढ़ाया है. खेल मैदान के सौंदर्यीकरण हो जाने से और बहुत सारे खिलाड़ी उभर कर सामने आएंगे. गांव में पीसीसी पथ का निर्माण हो जाने से आम लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी.

पेज 01 का शेष...

द्वंद्व कहां तक पाला जाये, क्यों न...

दरअसल, कांग्रेस भी अब व्यावहारिक अर्थों में क्षेत्रीय पार्टी बन गयी है. केरल और पंजाब के अतिरिक्त वह सभी जगह गंठबंधन के बूते जीती है. उसे विदेश में बैठी भारत विरोधी ताकतें और लेफ्ट लिबरल गिरोह ने समझा दिया है कि अब कांग्रेस को पुरानी चमक-धमक तभी मिल पायेगी जब वह निखालिस जाति की राजनीति करे. जब तक कांग्रेस का एकछत्र राज था तब तक उसके सभी प्रधानमंत्रियों ने जाति के आधार पर बंटवारा बर्दाश्त नहीं किया. जातियों की गणना 1931 के बाद कभी हुई नहीं. 1941 में द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण जातीय गणना हुई नहीं और 1951 में नेहरू जी ने जनगणना तो करायी, लेकिन जाति की गणना रोक दी. उसके बाद न इंदिरा जी ने जाति गिनवायी, न नरसिंह राव ने. मनमोहन सिंह ने सामाजिक-आर्थिक आधार पर कुछ कराया भी तो उसे जाहिर नहीं किया. पी चिदंबरम ने तो यहां तक कह दिया था कि यह रिपोर्ट गटर में डालने लायक है.

अंग्रेज जातीय गणना इसलिए नहीं कराते थे कि उन्हें दबे-कुचले, पिछड़े भारतीयों को ऊपर उठाना था. वे इस गणना के जरिये धर्मांतरण का ठौर तलाशते थे और भारतीय समाज की एकता विखंडित करने का प्रयास करते थे. अंग्रेजों ने ही तो सांप्रदायिक आधार पर निर्वाचक मंडल और प्रतिनिधित्व निर्धारित किया था. उन्होंने ही भारतीय समाज में जातिवाद और ऊंच-नीच की भावना को आंच दी थी. वे जानते थे कि यदि भारतीय एक हो गये तो ब्रिटिश सत्ता के पांव उखड़ जायेंगे. इस समय भी भारत की प्रगति से बेचैन ताकतें देश में बवंडर पैदा करने की हर मुमकिन कोशिश कर रही हैं. उन्हीं के ट्रैप में कांग्रेस फंस गई है. वह सांप्रदायिक ताकतों से तो इश्क लड़ाती रही है, लेकिन जातियों और उनकी उपजातियों की उलझी पहेलियां सुलझाने और उन्हें अपने अनुकूल बनाने का हुनर उसके पास नहीं रहा है. वह स्वाधीनता समर की कोख से पैदा हुई पार्टी है. वह संपूर्णता की पोषक रही है और वह अपना पुराना गौरव हासिल भी तभी करेगी जब टुकड़ों को ही यथार्थ मानने से इनकार करने लगेगी. टुकड़ों की राजनीति अंतहीन हो सकती है और देश सामाजिक विघटन के दलदल में धंस सकता है. अब लौटते हैं मूल मुद्दे पर. वह यह कि क्या भाजपा संघ के सुझाव के अनुरूप जातीय गणना कराने का मानस बनायेगी ? अगर जातियों की गिनती के जरिये वंचितों को सहूलियतें देने की बात है तो पहले उसका एक व्यावहारिक खाका तैयार होना चाहिए और उसे विचार-विमर्श के लिए सार्वजनिक कर देना चाहिए. यदि संघ के मंतव्य के इतर भाजपा कोई रणनीति बना रही हो, तब तो बात अलग है. लेकिन वह कुछ ऐसा जरूर करना चाहती होगी कि उसकी किसी पहल से कांग्रेस को फायदा न हो. लेकिन राहुल गांधी जातीय गणना के आलोक में आरक्षण का कोटा बढ़ाने की भी मांग कर रहे हैं और न्यायपालिका इसकी इजाजत नहीं देती है. ऐसी स्थिति में आरक्षण कोटे में वृद्धि को न्यायिक समीक्षा से परे रखने के लिए कुछ उपायों की भी मांग उठेगी. इन सभी परिस्थितियों के मद्देनजर ही सरकार को कोई निर्णय लेना होगा. इस बार खतरा बड़ा होगा. जातीय जनगणना के बाद पिछड़ों में ही भिड़ंत हो सकती है और दलित, आदिवासी समाज के वंचित भी मुखर हो सकते हैं. लेकिन द्वंद्व पालने से अच्छा है, जातियों की गिनती हो ही जाए. महान दार्शनिक रूसो ने कहा है कि राजसत्ता को सामाजिक विघटन रोकने की हर मुमकिन कोशिश करनी चाहिए. लेकिन यदि विघटन अपरिहार्य हो जाए तो उसे होने देना चाहिए. इससे समाज इतना टूट जायेगा कि फिर टूटने लायक रहेगा ही नहीं. तब शांति कायम होगी और शासन व्यवस्था ठीक से काम करने लगेगी.

टी20 लीग

फाइनल मैच में शशि माथुर को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला

धनबाद ड्रैगंस ने जीता जेएससीए वीमेंस टी20 का खिताब

संवाददाता | रांची

खुशियां मनातीं विजेता टीम और अतिथिगण.

झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) द्वारा आयोजित झारखंड वीमेंस टी20 लीग के फाइनल में रोमांचक मुकाबले में धनबाद ड्रैगंस ने रांची रॉयल्स को 5 विकेट से मात देकर चैंपियन बना. बता दें कि धनबाद ड्रैगंस पूरी प्रतियोगिता में अपराजय रही. प्रतियोगिता की विजेता टीम धनबाद ड्रैगंस की ट्रॉफी के साथ 1 लाख का नगद पुरस्कार दिया गया. वहीं उपविजेता टीम रांची रॉयल्स को ट्रॉफी के साथ 80 हजार का नगद पुरस्कार दिया गया. गुरुवार को प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला जेएससीए के मुख्य मैदान में खेला गया. रांची रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 116 रन बनाए. रांची की ओर से टीम की कप्तान रश्मि गुड़िया ने सर्वाधिक 45 रन बनाए. वहीं संध्या कुमारी ने 33 और प्रियंका सवाइयां ने 26 रनों की पारी खेली. धनबाद की ओर से दुर्गा मुर्मू ने 2 विकेट झटके. लक्ष्य का पीछा करने उतरी धनबाद ड्रैगंस ने 19.3 ओवर में 5 विकेट खोकर 117 रन बनाकर मुकाबले को जीत लिया.

धनबाद ड्रैगंस की ओर से सलामी बैटर शशि माथुर ने 50 रन बनाकर जीत में अहम भूमिका निभाई. वहीं कप्तान दुर्गा मुर्मू ने 24 रनों की पारी खेली. रांची की ओर से आनंदिता, नेहा, प्रियंका और शैंपी ने 1- 1 विकेट झटके. मुकाबले में शानदार पारी खेलने वाली धनबाद ड्रैगंस की शशि माथुर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि रांची जोन के आईजी अखिलेश झा, जेएससीए के प्रेसिडेंट संजय सहाय, वाइस प्रेसिडेंट नरेंद्र सिन्हा, सेक्रेटरी देवाशीष चक्रवर्ती, ज्वाइंट सेक्रेटरी पीएन सिंह ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया. इस दौरान जेएससीए के प्रतिनिधि मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

इजरायली हमले में छह यूएन कर्मी मरे

संयुक्त राष्ट्र। गाजा में बुधवार को एक इजरायली एयर स्ट्राइक में संयुक्त राष्ट्र के 6 कर्मचारियों की मौत गई. इस हमले में कम से कम 18 फिलिस्तीनी भी मारे गए. यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बताया कि मारे गए यूएन कर्मचारी फिलीस्तीनी संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी के स्टाफ मेंबर्स थे. यूएन प्रमुख ने एक्स पर जानकारी दी कि बुधवार के हवाई हमले में एक स्कूल को निशाना बनाया गया जहां करीब 12,000 लोग शरण लिए हुए हैं. गुटेरेस ने कहा कि गाजा में जो हो रहा है, वह अस्वीकार्य है.

भारी बारिश के बाद गिरी छत, 7 घायल

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ में भारी बारिश के कारण दो मंजिला मकान की छत भरभराकर गिर गई. इस हादसे में तीन बच्चों समेत सात लोग मलबे में दब गए. मामला टप्पल थाना इलाके के जैदपुरा गांव का है. बताया जा रहा है कि अलीगढ़ में बीते तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है. गुरुवार सुबह जैदपुरा गांव में स्थित एक दो मंजिला मकान की छत अचानक गिर गई. घटना के समय परिवार के लोग घर में ही सो रहे थे. इस हादसे में तीन बच्चों, दो महिलाओं समेत सात लोग मलबे में दब गए.

वंदे भारत में 3 करोड़ लोगों ने किया सफर

नयी दिल्ली। स्वदेशी भारतीय ट्रेन वंदे भारत में शुरुआत से लेकर 20 अगस्त तक करीब 3.17 करोड़ लोग यात्रा कर चुके हैं. जानकारी के मुताबिक, मौजूदा समय में 54 वंदे भारत ट्रेन देश में चल रही हैं और 20 अगस्त तक 35,428 फेरों में 3.17 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचा चुकी हैं. वंदे भारत ट्रेन फरवरी, 2019 को शुरू की गई. वंदे भारत ट्रेन का नेटवर्क देश के 280 जिलों और 24 राज्यों में फैला हुआ है. वित्त वर्ष 2023-24 में वंदे भारत ट्रेनों ने पृथ्वी के 310 चक्कर लगाने जितनी यात्रा की थी.

फर्जीवाड़े में तिब्बती नागरिक गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। एसटीएफ गौतमबुद्ध नगर की टीम ने फर्जी दस्तावेज के जरिए भारतीय पासपोर्ट बनवाकर साइबर फ्रॉड करने वाले एक तिब्बती नागरिक को दिल्ली से गिरफ्तार किया है. आरोपी भारत में अपना नाम बदलकर रह रहा था. आरोपी के भारतीय पासपोर्ट के जरिए विदेशों में आता जाता था. वह साइबर अपराधियों के साथ मिलकर करोड़ों की साइबर ठगी भी कर चुका है. तिब्बती नागरिक ने फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल कर भारतीय नाम चंद्रा ठाकुर रखा और इसी नाम से पासपोर्ट भी बनवाया था.

गणेश विसर्जन में पथराव, 52 गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक के मांड्या में गणेश विसर्जन के दौरान पथराव की घटना पर राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने प्रतिक्रिया दी. उन्होंने बताया कि पथराव की घटना के बाद 52 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मांड्या में गणेश विसर्जन के दौरान किसी ने जुलूस पर पत्थर फेंके थे, इसके बाद दूसरे पक्ष की तरफ से भी पथराव हुआ. इस दौरान आगजनी भी की गई. हालांकि, मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने हालात को संभाला.

मंत्री का वाहन दूसरी गाड़ी से टकराया

बोब्बिली। आंध्र प्रदेश की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री गुम्मदी संध्या रानी गुरुवार को उस समय बाल-बाल बच गईं, जब एक वाहन उनके काफिले से टकरा गया. हालांकि उसकी टक्कर एक एस्कॉर्ट वाहन के साथ हुई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि इस घटना में चार पुलिसकर्मियों समेत पांच लोग घायल हो गए. चार पुलिसकर्मियों के अलावा घटना में शामिल दूसरे वाहन का चालक भी घायल है. आनन-फानन में सभी कोबोब्बिली स्थित अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है.

सैन्य अफसरों से पदक वापस लिए गए

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने कथित युद्ध अपराधों के चलते अफगानिस्तान में तैनात रहे सैन्य कमांडरों से विशिष्ट सेवा पदक वापस ले लिए हैं. मार्लेस ने अफगानिस्तान में ऑस्ट्रेलियाई लोगों द्वारा किए गए कथित युद्ध अपराधों पर सरकार की कार्रवाई से संसद को अवगत कराते हुए यह घोषणा की. 2005 से 2016 के बीच अफगानिस्तान में 39 नागरिकों या कैदियों की कथित गैरकानूनी हत्या में ऑस्ट्रेलियाई विशेष बल के 25 वर्तमान या पूर्व कर्मी शामिल थे.

फिलीपींस में डेंगू से 546 लोगों की मौत

मनीला। फिलीपींस में डेंगू खतरनाक रूप लेता जा रहा है. स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को बताया कि इस बीमारी की वजह से होने वाली मौतों की संख्या भी बढ़ रही है. इस साल जनवरी से 6 सितंबर तक डेंगू के 2,08,965 मामले दर्ज किए गए हैं, जो पिछले साल की इसी अवधि से 68 प्रतिशत अधिक है. इस अवधि में 546 मौतें दर्ज की गईं. फिलीपींस के स्वास्थ्य सचिव टेओडोरो हर्बोसा ने कहा, "हम डेंगू के मामलों में मौसमी बढ़ोतरी देख रहे हैं."

चंपावत में भारी बारिश के बाद भूस्खलन

चंपावत। उत्तराखंड के चंपावत में बुधवार देर रात से हो रही भारी बारिश के कारण गुरुवार सुबह भूस्खलन हुआ. इसका असर टनकपुर-पिथौरागढ़ नेशनल हाईवे पर पड़ा. भूस्खलन के बाद पहाड़ी से मलबा गिरकर नेशनल हाईवे पर आ गया, जिसके चलते रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया है. यही नहीं, हाईवे पर गाड़ियों की लंबी कतारें भी लग गई हैं. सामाजिक कार्यकर्ता हरिश्चंद्र तिवारी ने बताया कि गुरुवार सुबह लगभग 5 बजे संतोला के पास टनकपुर-पिथौरागढ़ नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ है.

मानसून व तूफान यागीमध्य का असर : म्यांमार में भीषण बाढ़ से कम से कम 17 लोगों की मौत

यांगून। म्यांमार के मांडले क्षेत्र के यमेथिन टाउनशिप में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से दो दिन में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई है. समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने मांडले शहर के अग्निशमन सेवा विभाग के एक अधिकारी हवाले से गुरुवार को यह जानकारी दी. मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग के निदेशक यू हला तुन ने शिन्हुआ को बताया कि मजबूत मानसून और तूफान यागी के कारण हुई भारी बारिश से म्यांमार के कई इलाकों में भयंकर बाढ़ आ गई है. उन्होंने कहा कि मध्य म्यांमार बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहां पहाड़ों से कई नदियां और नाले बह रहे हैं. उन्होंने कि 13 सितंबर तक बारिश में और तेजी होने की और फिर धीरे-धीरे इसमें कमी आने की संभावना जताई है. स्थानीय बचाव संगठनों के अनुसार, बाढ़ के कारण शान प्रांत के ताचिलेइक शहर में तीन मौतें हुई हैं और नेय प्यी ताव के तात्कोन टाउनशिप में चार मौतें हुई हैं. आधिकारिक मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, बाढ़ से कुछ रेलवे सेक्शन और ट्रेन स्टेशन प्रभावित हुए हैं.

मदुरै में महिला छात्रावास में आग लगने से दो की मौत

एजेंसी। चेन्नई

▪ घटना में पांच अन्य घायल हुए विस्तृत जांच करने की अपील

तमिलनाडु के मदुरै जिले के पेरियार बस स्टैंड के पास कटारपालयम में एक महिला छात्रावास में आग लगने से दो महिलाओं की जान चली गई. यह घटना गुरुवार सुबह की है. घटना में पांच अन्य घायल हो गए. उन्हें राजाजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मृतकों की पहचान परिमाला और सरन्या के रूप में की गई है.

पुलिस ने बताया कि हॉस्टल में आग लगने से अत्यधिक धुआं फैल गया और दम घुटने से दोनों महिलाओं की मौत हो गई. पुलिस ने कहा कि आग रसोई में एक रेफ्रिजरेटर में विस्फोट के कारण लगी थी. उन्होंने कहा कि विस्फोट के कारण की जांच की जाएगी. महिलाओं के शवों का पोस्टमार्टम राजाजी अस्पताल में किया जाएगा. सामाजिक कार्यकर्ता एम. कन्नदास ने आईएएनएस से बात करते हुए जिला प्रशासन से दुर्घटना की विस्तृत जांच करने की अपील की. उन्होंने कहा कि आग लगने के सभी पहलुओं की जांच की जानी चाहिए. मदुरै नगर पालिका से यह पता लगाने को कहा कि क्या छात्रावास के पास सभी आवश्यक लाइसेंस थे.

मुझे कुर्सी का मोह नहीं, पद छोड़ने के लिए तैयार : ममता

डॉक्टरों के बात से मना करने पर बोलीं पशिचम बंगाल की सीएम

एजेंसी। कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप-मर्डर केस के विरोध में डॉक्टरों की हड़ताल जारी है. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ममता सरकार ने तीसरी बार जूनियर डॉक्टरों को बातचीत के लिए चिट्ठी लिखी है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को मिलने के लिए बुलाया. सीएम राज्य सचिवालय नबान्नो में 2 घंटे तक इंतजार करती रहीं. लेकिन हड़ताल कर रहे डॉक्टर बाहर एक मांग को लेकर अड़े रहे. डॉक्टरों की मांग है कि सीएम से मुलाकात और बातचीत का लाइव टेलीकास्ट किया जाए. इसके बाद सीएम ममता बनर्जी का बयान सामने आया है.

सीएम ममता बनर्जी ने कहा, 'मैंने डॉक्टरों से बात करने की पूरी कोशिश की. तीन दिनों तक उनसे मिलने का इंतजार किया. आज नबान्नो में 2 घंटे तक उनका इंतजार करने पर भी वो मिलने नहीं आए. मैं इस्तीफा देने को भी तैयार हूं.₹ सीएम ने कहा, ₹पहले हमने लाइव टेलीकास्ट की परमिशन दी थी. लेकिन अब मामला सुप्रीम कोर्ट और सीबाआई में है. लिहाजा इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती.' वहीं, डॉक्टरों ने कहा कि अगर मीटिंग का लाइव-टेलीकास्ट नहीं किया गया, तो वो मीटिंग में शामिल नहीं होंगे.

कोर्ट ने डॉक्टरों की हड़ताल पर क्या कहा था? : सुप्रीम कोर्ट ने 9 सितंबर को रेप-मर्डर केस की सुनवाई के दौरान कोलकाता के जूनियर डॉक्टरों को प्रदर्शन खत्म करने का आदेश दिया था. अदालत ने कहा था कि सभी डॉक्टर 10 सितंबर की शाम 5 बजे तक हड़ताल खत्म कर ड्यूटी पर लौटें. कोर्ट ने आदेश ना मानने पर राज्य सरकार को एक्शन लेने को कहा था. हालांकि, डॉक्टर्स अपनी मांगें पूरी होने तक प्रदर्शन करने के फैसले पर डटे रहे. उन्होंने 10 सितंबर को स्वास्थ्य भवन के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया. तब से सरकार डॉक्टरों से बातचीत की कोशिश में लगी है.

9 अगस्त की मिली थी ट्रेनी डॉक्टर की लाश : कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त की सुबह 31 साल के ट्रेनी डॉक्टर की अर्धनग्न लाश मिली थी. रेप के बाद उसकी गला दबाकर हत्या की गई थी. अटॉप्सी रिपोर्ट में रेप की पुष्टि हुई. इस मामले में सिविक वॉलन्टियर संजय रॉय को गिरफ्तार किया गया है. इस मामले के 3 दिन बाद मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष ने इस्तीफा दे दिया. उसी दिन उन्हें दूसरे कॉलेज में अपॉइंट कर दिया गया. इसके बाद देशभर के डॉक्टरों ने हड़ताल शुरू कर दी. मामला कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचा.

पश्चिम बंगाल की जनता से मांगती हूं माफी- ममता बनर्जी

ममता बनर्जी ने कहा, 'आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेप-मर्डर का मामला कोर्ट में है. इसलिए हम मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग की इजाजत नहीं दे सकते थे. हमने इस बैठक की वीडियो रिकॉर्डिंग करने की तैयारी की थी. अगर डॉक्टर्स चाहते, तो हम सुप्रीम कोर्ट की इजाजत लेकर उनसे यह रिकॉर्डिंग शेयर कर देते. लेकिन वो अपनी बात पर अड़े हुए हैं. मैं बंगाल की जनता से माफी मांगती हूं. मैं डॉक्टरों को वापस नहीं बुला सकी. मुझे सीएम पद से कोई मोह नहीं है.' इससे पहले बंगाल के चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को गुरुवार शाम 5 बजे राज्य सचिवालय में मुलाकात के लिए बुलाया था. डॉक्टर्स 5:25 बजे यहां पहुंचे. सरकार ने मुलाकात के लिए 15 डॉक्टरों के डेलीगेशन को मंजूरी दी थी. हालांकि, डेलीगेशन में 30 सदस्य थे. डॉक्टर्स मीटिंग का लाइव टेलीकास्ट कराने की मांग पर अड़े हैं. लिहाजा अब तक मीटिंग शुरू नहीं हो पाई है.

डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री के साथ बातचीत के लिए 4 शर्तें रखीं

सरकार की ओर से डॉक्टरों संग बातचीत की यह तीसरी पहल है. डॉक्टर्स ने पिछले दो प्रस्तावों को खारिज कर दिया था. डॉक्टरों ने सीएम से बातचीत के लिए 4 शर्तें रखी हैं, जो निम्न हैं : मीटिंग में जूनियर डॉक्टरों का 30 डेलीगेशन को शामिल करने की इजाजत मिले. मीटिंग नबन्नो में हो और लाइव टेलीकास्ट की जाए. मीटिंग का पूरा फोकस जूनियर डॉक्टर्स की 5 मांगों पर हो. मीटिंग में सीएम ममता बनर्जी जरूर शामिल हों. पिछले 3 दिनों में सरकार की ओर से डॉक्टरों के साथ बातचीत की यह तीसरी पहल है.

डॉक्टरों की क्या हैं 5 मांगें : आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेप-मर्डर के साथ-साथ सबूतों से छेड़छाड़ करने वाले सभी लोगों कोसजा मिले. पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई हो. कोलकाता के पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल इस्तीफा दें. हेल्थ वर्कर्स की सिक्योरिटी बढ़ाई जाए. बंगाल के अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में थ्रेट कल्चर (डॉक्टरों को धमकी देना और हमले करने की घटनाएं) बंद हो.

कोरिया ने किया बैलिस्टिक मिसाइलों का टेस्ट

▪ दक्षिण कोरिया व अमेरिका ने की प्योंगयांग के इस कदम की निंदा

एजेंसी। वॉशिंगटन

उत्तर कोरिया ने एक बार फिर मिसाइल प्रक्षेपण कर सोल और वॉशिंगटन को चिंता में डाल दिया है. दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के मुताबिक, गुरुवार को पूर्वी सागर की ओर छोटी दूरी की कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं. अमेरिका ने प्योंगयांग के इस कदम की निंदा की. योनहाप समाचार एजेंसी के एक सवाल के जवाब में विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका डीपीआरके द्वारा बुधवार को किए गए बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण की निंदा करता है.

बता दें डीपीआरके उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम है जिसका अर्थ है डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया. अधिकारी ने कहा कि हाल के वर्षों में डीपीआरके द्वारा किए गए अन्य बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपणों की तरह ये प्रक्षेपण भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों का उल्लंघन करता है. यह क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करता है. प्रवक्ता ने क्षेत्रीय सहयोगियों के प्रति अमेरिका की रक्षा प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि कोरिया गणराज्य और जापान की रक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धता अटल है. अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, "हम अपने सहयोगियों के साथ इस बारे में विचार-विमर्श कर रहे हैं कि डीपीआरके की आक्रामकता को कैसे रोका जाए और डीपीआरके द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों के उल्लंघन के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं का समन्वय कैसे किया जाए." बता दें पिछले हफ्ते उत्तर कोरिया ने चेतावनी दी थी कि सोल और वॉशिंगटन को अपने हालिया बड़े सैन्य अभ्यास के लिए "भारी कीमत" चुकानी पड़ेगी. प्योंगयांग ने मित्र देशों के अभ्यास को आक्रमण की रिहर्सल बताया.

महाराष्ट्र : 'भाजपा पॉकेट मार' लिखे हुए पोस्टर ने बढ़ाया सियासी तापमान

मुंबई। महाराष्ट्र में एक पोस्टर ने सियासी तपिश बढ़ा दी है. दीवारों पर ऐसा पोस्टर चस्पा किया गया है, जो महंगाई को लेकर प्रदेश सरकार पर प्रहार करता है. निशाने पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हैं. मराठी में लिखा है 'तूम्ही उपाशी भाजप तूपाशी'. मतलब आप भूखे हैं और इसमें भाजपा आपकी मदद कर रही है. इसमें बीजेपी को महाराष्ट्र की जनता का 'पॉकेट मार' बताया गया है. पोस्टर में दिखाया गया है कि बीजेपी लगातार सत्ता का दुरुपयोग कर जनता की गाढ़ी कमाई को हथिया रही है.

पोस्टर में देवेंद्र फडणवीस को जनता की जेब से पैसे लेते हुए दिखाया गया है. उन्हें इस पोस्टर में ऐसे रेखांकित किया गया है कि जैसे उन्हें जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं है. पोस्टर के जरिए जताया गया है कि सूबे में बढ़ती महंगाई के लिए देवेंद्र फडणवीस जिम्मेदार हैं. यह पोस्टर महाराष्ट्र के कई शहरों में लगाए गए हैं. जानकारों का मानना है कि इस मुद्दे का विधानसभा चुनाव में व्यापक असर देखने को मिल सकता है.

मध्य प्रदेश : दतिया में दीवार ढहने से 7 लोगों की हुई मौत

▪ मुख्यमंत्री ने दिए परिवारजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश

एजेंसी। दतिया

मध्य प्रदेश के दतिया में एक पुराने क़िले की दीवार ढहने से नौ लोग दब गए थे, जिसमें से सात लोगों की मौत हो गई है जबकि दो लोगों को बचा लिया गया है. दतिया के जिलाधिकारी संदीप माकिन ने यह जानकारी दी है.

जिलाधिकारी ने बताया है कि गुरुवार यानी आज सुबह लगभग चार बजे यहां पिछले 36 घंटे से हो रही बरसात के कारण क़िले की दीवार ढह गई जिसके नीचे एक ही परिवार के नौ सदस्य दब गए थे. उन्होंने बताया है कि स्थानीय लोगों ने दो सदस्यों को तुरंत मलबे से बाहर निकाल लिया था. उनको अस्पताल पहुंचाया गया और ये दो लोग अभी सुरक्षित हैं. जिलाधिकारी ने बताया है कि घटनास्थल तक पहुंच पाने के लिए रास्ता चौड़ा न होने के कारण जेसीबी और पोकलैंड मशीनें वहां नहीं पहुंच पाई थीं. उन्होंने बताया है कि दोपहर तक सात शवों को बाहर निकाल लिया गया था. वहीं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया है. उन्होंने कहा है, "मृतकों के परिवारजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं." उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा है, "दतिया में राजगढ़ किले की पुरानी दीवार ढहने से कई अनमोल जिंदगियों की मृत्यु का समाचार अत्यंत ही पीड़ादायी है. दु:ख की इस घड़ी में हम सभी शोकाकुल परिवारों के साथ हैं."

दतिया के डीएम संदीप माकिन.

अमेरिका से पचिया ने दिया घटना को अंजाम

एजेंसी। नयी दिल्ली

चंडीगढ़ के सेक्टर-10 स्थित एक कोठी पर ग्रेनेड हमले से जुड़े मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. शक की सुई हरविंदर सिंह रिंदा और हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पचिया की तरफ है. पचिया के बारे में जांच एजेंसियां दावा कर रही हैं कि वह अमेरिका से बैठकर पंजाब को दहलाने की साजिश रच रहा है. उसके पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का दिमाग होने की बात भी कही जा रही है.

दरअसल, कुछ दिनों पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के आला अधिकारियों के साथ बैठक की थी. बैठक में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सुरक्षा को लेकर बातचीत हुई. इसमें देश की सीमा के पार बैठे टेरर हैंडलर्स को लेकर भी चर्चा किए जाने की बात सामने आई. सूत्रों की मानें तो चर्चा के दौरान हरविंदर सिंह रिंदा और हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पचिया का नाम प्रमुखता से लिया गया. इन दोनों का नाम 11 सितंबर को चंडीगढ़ के सेक्टर-10 स्थित एक कोठी पर ग्रेनेड हमले में भी सामने आया है. इस खुलासे से एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं. हैप्पी पचिया के अमेरिका में होने की बात कही जा रही है. वहां से पचिया पंजाब को दहलाने की साजिश रच रहा है और उसे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का भी समर्थन हासिल है. हरिवंदिर सिंह रिंदा ने हैप्पी पचिया के साथ मिलकर नया सिंडिकेट बनाया है. यह आतंकी मॉड्यूल तैयार कर रहा है. इस सिंडिकेट का काम पंजाब में आतंकी गतिविधियों को बढ़ाना है.

खतरे का अंदेशा भांपते हुए पंजाब पुलिस ने रिंदा-पचिया के सिंडिकेट पर एक्शन भी लिया है. एक अधिकारी ने बताया था कि पंजाब पुलिस ने अगस्त 2023 से 30 अगस्त 2024 तक लगभग आठ आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया. अधिकारी ने बताया, "उसके समूह के लगभग 35 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है और रिंदा-पचिया नेटवर्क से जुड़े 546 व्यक्तियों को वेरीफाई किया गया."

चंडीगढ़ ग्रेनेड हमला चौंकाने वाले खुलासे से एजेंसियों के कान खड़े, आईएसआई से भी कनेक्शन जुड़ रहा

हरियाणा चुनाव : आम आदमी पार्टी ने सभी 90 सीटों पर उतारे उम्मीदवार

एजेंसी। नयी दिल्ली

▪ कांग्रेस और भाजपा भी अधिकांश सीटों से कर चुकी है उम्मीदवारों की घोषणा

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को अपने उम्मीदवारों की 7वीं लिस्ट जारी कर दी. पार्टी ने लिस्ट में तीन नामों की घोषणा की. इसके साथ ही आम आदमी पार्टी ने हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं. पार्टी ने अपनी आखिरी लिस्ट में आदर्श पाल को टिकट दिया है. जो आज (12 सितंबर) ही कांग्रेस का छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए हैं. इसके अलावा आप ने नारनौंद से रणवीर सिंह लोहान को चुनावी मैदान में उतारा है, वहीं नूंह से राबिया किदवई को अपना उम्मीदवार बनाया है.

इस तरह अब तस्वीर साफ हो चुकी है कि हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन नहीं हो रहा है. राज्य में दोनों ही पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ने जा रही है. हालांकि हरियाणा चुनाव को लेकर कांग्रेस और आप के बीच सीट शेयरिंग को लेकर काफी दिनों तक माथापच्ची हुई, लेकिन दोनों पार्टियों के बीच सीट शेयरिंग फार्मूला सुलझ नहीं पाया. बता दें कि हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए गुरुवार को नामांकन का अंतिम दिन है. उधर, कांग्रेस ने हरियाणा 90 सीटों में से 88 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर चुकी है.

कूटनीति डोभाल से मुलाकात में भारत के बढ़ते वैश्विक कद और मजबूत होती अर्थव्यवस्था को सराहा

पुतिन ने एक बार फिर की पीएम मोदी की जमकर तारीफ

एजेंसी। सेंट पीटर्सबर्ग

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के बढ़ते वैश्विक कद और मजबूत होती अर्थव्यवस्था की सराहना की. पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ अपनी बैठक के दौरान भारत की जमकर तारीफ की. रूसी राष्ट्रपति ने कहा, "हमारी विशेष रणनीतिक साझेदारी गति पकड़ रही है, मजबूत हो रही है, जिसे लेकर हम खुश हैं. हम खुश हैं कि भारत एक राष्ट्र के रूप में मजबूत हो रहा है और उसकी अर्थव्यवस्था विकसित हो रही है. यह सफलता प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मिली है." इस वर्ष जुलाई में प्रधानमंत्री मोदी के मॉस्को दौरे को याद करते हुए पुतिन ने कहा कि वह ऐतिहासिक यात्रा "बहुत सफल" रही, इसके बाद जो काम हुआ वह "बहुत सार्थक ढंग से और ठीक उसी गति से आगे बढ़ रहा है" जिस पर प्रधानमंत्री मोदी और उन्होंने सहमति जताई थी.

एनएसए डोभाल ब्रिक्स सदस्य देशों के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों की बैठक के लिए सेंट पीटर्सबर्ग गए हैं. समूह का वर्तमान अध्यक्ष रूस 22-24 अक्टूबर तक वार्षिक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा. मॉस्को ने कज़ान में लगभग 36 विदेशी नेताओं को आमंत्रित किया है. पुतिन ने कहा, "सुरक्षा मुद्दे हमेशा से हमारी प्राथमिकताओं में रहे हैं और रहेंगे. सेंट पीटर्सबर्ग आने के लिए हम आपके आभारी हैं. पिछले साल, यह बैठक मास्को में हुई थी. भारतीय पक्ष की ओर से इस वार्ता का समर्थन करने के लिए हम आभारी हैं."

डोभाल ने रूसी राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया

एनएसए डोभाल ने अपने संबोधन में व्यक्तिगत रूप से मुलाकात का "दुर्लभ अवसर" प्रदान करने के लिए रूसी राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया. कहा, "जैसा कि प्रधानमंत्री ने टेलीफोन पर बातचीत के दौरान आपसे कहा, वह आपको यूक्रेन की अपनी यात्रा और जेलेंस्की के साथ अपनी बैठक के बारे में बताने के लिए तैयार हैं. वह चाहते थे कि मैं व्यक्तिगत रूप से आऊं और आपको इस बारे में बताऊं." पुतिन ने ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों को संबोधित किया और प्रकाश डाला कि सेंट पीटर्सबर्ग में ही ब्रिक्स की नींव रखी गई थी, जब भारत, रूस और चीन के नेताओं ने उच्चतम स्तर के साथ-साथ कुछ अन्य क्षेत्रों में नियमित बैठकें आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की थी.

आरजी कर घोटाले में टीएमसी विधायक के घर सीबीआई छापा

एजेंसी। कोलकाता

कोलकाता के सरकारी आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम गुरुवार को हुगली जिले के सेरामपुर विधानसभा क्षेत्र से चार बार के तृणमूल कांग्रेस विधायक डॉ. सुदीप्तो रॉय के घर पर पहुंची. उत्तर कोलकाता के सिंथी क्रॉसिंग स्थित उनके आवास के अलावा सीबीआई अधिकारी पास ही में स्थित उनके निजी नर्सिंग होम में भी छापेमारी और तलाशी अभियान चला रहे हैं. चार बार पार्टी विधायक रहे रॉय आर.जी. कर अस्पताल की रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष जैसे अन्य महत्वपूर्ण पदों पर हैं और पश्चिम बंगाल चिकित्सा भर्ती बोर्ड के सदस्य हैं. वह पश्चिम बंगाल चिकित्सा परिषद के पूर्व अध्यक्ष भी हैं.

सीबीआई अधिकारियों की टीम दोपहर करीब 1.15 बजे विधायक के घर और कार्यालय पहुंची तथा छापेमारी और तलाशी अभियान शुरू किया. टीम के कुछ सदस्य रॉय से आर.जी. कर अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं के सिलसिले में पूछताछ भी कर रहे हैं. सूत्रों ने बताया कि रॉय का बयान भी दर्ज किया जाएगा. रॉय के आवास पर सीबीआई की छापेमारी ऐसे समय में हुई है, जब प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों की तीन टीमें इसी सिलसिले में शहर और उसके बाहरी इलाकों में तीन अलग-अलग स्थानों पर छापे मार रहे हैं. इनमें आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष का पैतृक आवास भी शामिल है. सूत्रों ने बताया कि सीबीआई की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आर.जी. कर से बायोमेडिकल कचरे की तस्करी वित्तीय घोटाले का एक बड़ा हिस्सा थी. किसी भी अस्पताल के बायोमेडिकल कचरे का निपटान एक खास प्रक्रिया के तहत किया जाना चाहिए.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)